Page 11

खेल

आईपीएल 2025 के बाद भी संन्यास नहीं लेंगे धोनी? अगले सीजन में मजबूती से करेंगे...

हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 10

देश

सुलह हुई तो साथ में चुनाव भी लड़ेंगे उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे

कृष्ण पक्ष, धनिष्ठा, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • मंगलवार • 22 अप्रैल 2025 • वर्ष 27 • अंक 131 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

बिहार को मिलेगी अमृत भारत एक्सप्रेस और नमो भारत रैपिड रेल की सौगात

वंदे भारत, नमो भारत और अमृत भारत का संगम बनेगा बिहार

निज संवाददाता | पटना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंदे भारत, अमृत भारत और नमो भारत रैपिड रेल को आधुनिक भारतीय रेल की त्रिवेणी कहा है। इस त्रिवेणी की दो नई रेलगाड़ियां का परिचालन बिहार से होने वाला है। बिहार में पहले से ही कई वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन किया जा रहा है, जबकि एक अमृत भारतीय एक्सप्रेस का परिचालन पहले से दरभंगा और आनंद विहार टर्मिनल के बीच वाया अयोध्या किया जा रहा है। हाल ही में, रेलवे ने बिहार के लिए कई नई परियोजनाएं स्वीकृत की है। पर्याप्त फंड आवंटन से पुरानी परियोजनाओं के निर्माण काम में भी तेजी आई है जिसकी बदौलत परियोजनाएं द्रुत गति से पूरी हो रही हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार की ऐसी ही तीन परियोजनाएं राष्ट्र को समर्पित भी करने वाले हैं। नई गाड़ियों के परिचालन और नवनिर्मित परियोजनाओं के प्रारंभ होने से बिहार का रेल परिदृश्य पहले से और भी बेहतर हो जाएगा। परियोजनाओं में सुपौल पिपरा नई लाइन, खगड़िया अलौली नई लाइन और हसनपुर विथान नई लाइन शामिल हैं। इन नई लाइनों पर दो पैसेंजर गाड़ियों का परिचालन भी प्रारंभ किया जाएगा। लेकिन बिहार वासियों के बीच सबसे अधिक उत्साह नमो भारत रैपिड रेल और सहरसा से लोकमान्य तिलक के बीच प्रारंभ की जा रही है अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लेकर है।

नमो भारत रैपिड रेल वंदे भारत एक्सप्रेस के साथ ही ने भारत की नई पहचान बनी है। कम दूरी के शहरों के बीच विश्वस्तरीय रेल सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किए गए नमो भारत रैपिड रेल ने इंटरसिटी ट्रैवल के क्षेत्र में एक नया मुकाम गढ़ा है। पहले नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन गुजरात के अहमदाबाद और भुज के बीच किया गया और अब दूसरी नमो भारत रैपिड रेल का परिचालन जयनगर और पटना के बीच किए जाने की घोषणा की गई है। पहले नमो भारत में जहां एयर कंडीशन्ड 12 कोच थे,वहीं बिहार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए जयनगर-पटना नमो भारत रैपिड रेल में 16 कोचों की व्यवस्था की गई है जिसमें 2000 से अधिक यात्री एक साथ सफर कर सकते हैं। नमो भारत रैपिड रेल जो मेड इन इंडिया कार्यक्रम के तहत बनाया गया है, कई नए सेफ्टी एवं पैसेंजर एमेनिटी फीचर से लैस है। इस ट्रेन में कवच सुरक्षा सिस्टम लगाया गया है। साथ ही सभी कोचों में सीसीटीवी तथा फायर डिटेक्शन सिस्टम भी इंस्टॉल किया गया है। आपातकालीन

स्थिति में ट्रेन के मैनेजर से यात्री बात कर सकें, इसके लिए प्रत्येक कोच में आपातकालीन टॉकबैक सिस्टम भी लगाया गया है। वंदे भारत एक्सप्रेस की तर्ज पर नमो भारत रैपिड रेल में भी दोनों छोर पर लोको पायलट कैब लगाया गया है जिससे इंजन रिवर्सल की समस्या समाप्त हो गई है। इस ट्रेन में यात्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की एर्गोनॉमिकली डिजाइन सीटें लगाई गई है जो काफी कंफर्टेबल हैं। ट्रेन में यात्रियों की सुविधा के लिए टाइप सी और टाइप ए चार्जिंग सॉकेट लगाए गए हैं। ट्रेन के सभी टॉयलेट्स को आधुनिक वैक्यूम आधारित बनाया गया है। दिव्यांगों के लिए अलग से फ्रेंडली शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ट्रेन में ऑटोमेटिक दरवाजे और डस्ट प्रूफ शील्ड गैंगवे की व्यवस्था की गई है। ट्रेन में सेमी परमानेंट कपलर भी लगाए गए हैं। मेट्रो ट्रेन की तर्ज पर रेलवे ओपन लाइन में पहली बार हर कोच में रूट मैप इंडिकेटर की व्यवस्था की गई है जो यात्रियों को आने वाले स्टेशनों के संबंध में जानकारी देगी।

सहरसा से लोकमान्य तिलक टर्मिनस के लिए चलाई जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस देश की तीसरी अमृत भारत एक्सप्रेस है। पहले दो अमृत भारतीय एक्सप्रेस गाड़ियों का परिचालन दरभंगा से आनंद विहार टर्मिनल तथा मालदा टाउन से कर एम विश्वेश्वरैया टर्मिनल बेंगलुरू के बीच में किया जा रहा है। इस अमृत भारत एक्सप्रेस को 130 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार के हिसाब से डिजाइन किया गया है। इस आधुनिक ट्रेन का निर्माण मेड इन इंडिया अभियान के तहत इंटीग्रेटेड कोच फैक्ट्री, श्री पेरम्बूर, चेन्नई में किया गया है। ट्रेन में पुश एंड पुल टेक्नोलॉजी है जिससे गाड़ी को दोनों दिशाओं में चलाया जा सकता है। वंदे भारत की तरह की सुविधा इस नॉन एसी एक्सप्रेस में उपलब्ध कराई गई है। इसके सभी कोच स्लीपर और नॉन एसी अनरिजर्व्ड क्लास के होंगे। इस ट्रेन में फोल्डेबल स्नेक्स टेबल मोबाइल होल्डर फोल्डेबल बॉटल होल्डर हवाई जहाज की तर्ज पर रेडियम एलिमिनेटेड फ्लोरिंग स्ट्रिप और स्प्रिंग बॉडी जैसी सुविधाएं दी गई है जिससे यात्रा अधिक आरामदायक होगी। इस ट्रेन के शौचालय में इलेक्ट्रो न्यूमेटिक फ्लशिंग प्रणाली लगाई गई है जिससे शौचालय को साफ सुथरा रखने में मदद मिलेगी और पानी का भी कम खर्च होगा सॉप डिस्पेंसर एवं एरोसोल आधारित फायर सप्रेशन सिस्टम भी लगाया गया है।

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 98,350	₹ 1,01,000

आज का इतिहास

1921 : स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने देश सेवा के लिए भारतीय सिविल सेवा की नौकरी से इस्तीफा दिया।

1958 : एडमिरल आर डी कटारी भारतीय नौसेना में पहले प्रमुख बने।

न्यूज बाइट्स

ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस नहीं रहे, 88 साल की उम्र में वेटिकन में निधन

नई दिल्ली (ए.) कैथोलिक ईसाई धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 साल की उम्र में निधन हो गया है। वेटिकन के मुताबिक स्थानीय समयानुसार आज सुबह 7 बजकर 35 मिनट पर पोप ने आखिरी सांस ली। पोप फ्रांसिस इतिहास के पहले लैटिन अमेरिकी पोप थे। पीएम मोदी ने भी पोप के निधन पर दुख जताया है। उन्होंनें एक्स पर लिखा, 'पोप फ्रांसिस के निधन से मुझे गहरा दुख हुआ है। दुख की इस घड़ी में दुनिया के कैथोलिक समुदाय के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं।' पिछले कई महीनों से वे स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे थे। उन्हें14 फरवरी को रोम के जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका निमोनिया और एनीमिया का इलाज भी चल रहा था। वे 5 हफ्ते तक फेफड़ों में इन्फेक्शन के चलते अस्पताल में भर्ती थे। इलाज के दौरान कैथलिक चर्च के हेडक्वॉर्टर वेटिकन ने बताया था कि पोप की ब्लड टेस्ट रिपोर्ट में किडनी फेल होने के लक्षण दिख रहे थे। हालांकि 14 मार्च को उन्हें डिस्चार्ज कर दिया गया था। पोप फ्रांसिस 1300 साल में पहले गैर-यूरोपीय थे, जिन्हें पोप चुना गया था। पोप फ्रांसिस ने समलैंगिक व्यक्तियों के चर्च आने, सेम-सेक्स कपल्स को आशीर्वाद देने, पुनर्विवाह को धार्मिक मंजूरी देने जैसे बड़े फैसले लिए। उन्होंने चर्चों में बच्चों के यौन शोषण पर माफी भी मांगी थी।

राज्य सरकार ने एक बार फिर बिहार के युवाओं को दी बड़ी सौगात

10 विभागों में 49 हजार पदों की होगी बहाली

- सभी सरकारी विभागों को ऊर्जा की खपत का ऑडिट करने का आदेश।
- सामान्य बल्ब की जगह एलईडी बल्ब लगाने से 80% बिजली की बचत होगी।
- खराब काम करने वाले अधिकारियों को चिन्हित कर उन पर विभागीय कार्रवाई करने का निर्देश।
- धिकारियों के वायरल वीडियो के मामलों में कार्रवाई के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार होगी।
- विभागों को लंबित मुकदमों की जानकारी जुटाकर त्वरित निपटारे के लिए कहा गया।

उर्जा विभाग को दिया ऑडिट का आदेश

मुख्य सचिव ने सभी विभागों को ऊर्जा की अत्यधिक खपत को रोकने के लिए ऊर्जा ऑडिट करने का आदेश दिया, ताकि बिजली की बेवजह खपत को कम किया जा सके। उन्होंने सभी सरकारी भवनों और कार्यालयों में एलईडी बल्बों का उपयोग बढ़ाने के लिए कहा, क्योंकि यह सामान्य बल्बों की तुलना में 80% तक ऊर्जा की बचत कर सकता है। इसके साथ ही, हिटिंग और कूलिंग मशीनों का अधिक प्रभावी उपयोग करने की भी सलाह दी गई है। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में भी ऊर्जा ऑडिट कराकर बिजली की खपत को कम करने की पहल करने के लिए कहा गया है।

खराब काम करने वाले अधिकारी नपेंगे

मुख्य सचिव ने विभागों के अधिकारियों को कड़ी चेतावनी दी कि जो अधिकारी अच्छा काम नहीं करेंगे या खराब प्रदर्शन करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा, वायरल वीडियो जैसे मामलों पर भी ठोस कार्रवाई करने के लिए एसओपी (मानक संचालन प्रक्रिया) तैयार करने के निर्देश सामान्य प्रशासन विभाग को दिए गए हैं। इसके साथ ही, विभागों को यह भी निर्देश दिया गया है कि वे केंद्रीय योजना मद में आवंटित राशि का पूरा उपयोग करें। मुख्य सचिव ने विभागों से लंबित मुकदमों का जल्द निपटारा करने के लिए भी कहा और इस पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया।

निज संवाददाता | पटना

राज्य सरकार ने एक बार फिर बिहार के युवाओं को बड़ी सौगात देने की तैयारी कर ली है। बिहार सरकार द्वारा सात निश्चय-2 के तहत राज्य के दस प्रमुख विभागों में खाली पड़े 49 हजार 591 पदों को जल्द से जल्द भरने की दिशा में प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसको लेकर सोमवार को मुख्य सचिवालय में मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई, जिसमें विभिन्न विभागों के नोडल पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान प्रस्तुतिकरण के माध्यम से यह जानकारी दी गई कि खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण, पंचायती राज, ग्रामीण विकास, जल संसाधन, कृषि, लघु जल संसाधन, पशु एवं मत्स्य संसाधन, सहकारिता, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन तथा गन्ना उद्योग विभाग में बड़े पैमाने पर पद खाली हैं। ये सभी विभाग राज्य के विकास और प्रशासनिक व्यवस्था की रीढ़ हैं। इन रिक्तियों को भरने से न केवल सरकारी सेवाओं में मजबूती आएगी, बल्कि युवाओं को रोजगार का सुनहरा अवसर मिलेगा।

मुख्य सचिव ने बैठक में स्पष्ट कहा कि इन पदों की बहाली प्रक्रिया में तेजी लाएं। उन्होंने बताया कि इन रिक्तियों में से 14,968 पदों की अधियाचना बिहार कर्मचारी चयन आयोग तथा अन्य संबंधित आयोगों को पहले ही भेज दी गई है। शेष पदों को लेकर भी प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाएगी ताकि लंबी देरी न हो। सभी विभागों को निर्देश दिया गया है कि वे समय पर सारी प्रक्रियाएं पूरी करें और बहाली में पारदर्शिता बनाए रखें।

बैठक में एक और अहम मुद्दा सामने आया — वह था अधिकारियों की कार्यशैली और जिम्मेदारी। मुख्य सचिव ने सख्ती दिखाते हुए कहा कि जिन अधिकारियों की कार्यशैली खराब है या जो लापरवाही बरत रहे हैं, उनके खिलाफ तत्काल विभागीय कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे पदाधिकारियों को चिन्हित कर सख्त कदम उठाए जाएं ताकि एक उदाहरण प्रस्तुत हो और भविष्य में कोई अधिकारी लापरवाही करने से डरे। मुख्य सचिव ने वायरल वीडियो के मामलों पर भी चिंता जताई और कहा कि इन मामलों में कार्रवाई के लिए एक स्पष्ट मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार किया जाए। उन्होंने सामान्य प्रशासन विभाग को यह एसओपी जल्द तैयार करने का निर्देश दिया।

उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए योजना मद के बजट का अधिकतम उपयोग किया जाए और विकास योजनाएं समय पर पूरी हों। साथ ही, विभागों को यह भी कहा गया कि विभागों में लंबित पड़े मुकदमों का शीघ्र निपटारा करें और यह जानने की कोशिश करें कि वे मुकदमे किन कारणों से लंबित हैं। हर स्तर पर शीघ्र कार्रवाई कर लंबित मामलों को निबटाया जाए।

इस बैठक से स्पष्ट हो गया है कि बिहार सरकार अब भर्ती प्रक्रिया को तेज गति से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह कदम राज्य में बेरोजगार युवाओं के लिए आशा की किरण लेकर आया है और साथ ही प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी एक बड़ा प्रयास माना जा रहा है।

फसलों की रक्षा को लेकर राज्य सरकार सख्त

कीटनाशकों का सुरक्षित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करें किसान : विजय कु. सिन्हा

- फसलों को कीट-व्याधि से बचाने हेतु किसानों को किया जा रहा जागरूक
- ड्रोन तकनीक से कीटनाशकों के छिड़काव में आ रही तेजी
- किसानों व विक्रेताओं को प्रशिक्षण देकर किया जा रहा सशक्त

निज संवाददाता | पटना

उप मुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा है कि बिहार सरकार किसानों की फसलों को कीट-व्याधियों, खरपतवार और जैविक हमलों से बचाने के लिए पौधा संरक्षण योजनाओं को गंभीरता से लागू कर रही है। उन्होंने बताया कि इन जैविक कारकों से हर साल किसानों की फसल को 30 से 35 प्रतिशत तक नुकसान होता है, जिसे नियंत्रित करने के लिए प्रभावी कीटनाशकों का सुरक्षित उपयोग जरूरी है।

उपमुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि भारत सरकार के वनस्पति संग्रहण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय द्वारा जारी कीटनाशकों की सूची के अनुसार अब तक 49 कीटनाशकों के निर्माण, आयात और उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। इनमें कार्बारिल, डाईक्लोरोफॉस, फेनथियॉन, फॉसफोमिडॉन और फोरेट जैसे खतरनाक रसायन शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 16 कीटनाशकों के उपयोग पर आंशिक रोक भी लगाई गई है। जैसे कि एलुमिनियम फॉसफाइड, कार्बोफ्यूरॉन, क्लोरपाईरीफॉस, डाईमेथोएट, मालाथियान और मोनोक्रोटोफॉस आदि। इनमें कुछ रसायनों का विशेष फसलों पर उपयोग वर्जित है, जैसे – क्लोरपाईरीफॉस को बेर, नींबू और तम्बाकू की फसल पर तथा डाईमेथोएट को कच्चे सेवन योग्य फलों व सब्जियों पर छिड़काव करने से मना किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार कृषि क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देते हुए ड्रोन तकनीक के माध्यम से कीटनाशकों के छिड़काव को प्रोत्साहित कर रही है। इससे न केवल समय, श्रम और पानी की बचत हो रही है, बल्कि कीटनाशकों का छिड़काव भी अधिक संतुलित और प्रभावी हो पा रहा है। इसके परिणामस्वरूप किसानों की उपज और आमदनी में वृद्धि हो रही है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि राज्य सरकार द्वारा कीटनाशी प्रतिष्ठानों और किसानों को नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिसमें कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग, उनके प्रभाव और दुष्प्रभाव, भंडारण के सही तरीके तथा विकल्पों की जानकारी दी जा रही है। साथ ही किसानों को यह भी सिखाया जा रहा है कि कौन से कीटनाशक प्रतिबंधित हैं और उन्हें क्यों नहीं प्रयोग करना चाहिए। सरकार का उद्देश्य है कि किसान केवल अनुमोदित रसायनों का ही उपयोग करें, जिससे न केवल फसल और पर्यावरण सुरक्षित रह सके, बल्कि किसानों का स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहे।

हज भवन में टीकाकरण शिविर शुरू, 13 दिनों तक चलने वाले कैंप

पटना (नि.सं.)। हज यात्रा 2025 पर जाने वाले आजमीने हज के लिए हज भवन में सोमवार से टीकाकरण शिविर शुरू हुआ। लगभग 13 दिनों तक चलने वाले कैंप में पटना और आसपास के जिलों के हज यात्रियों को ओरल पोलियो वैक्सीन (ओपीवी), मेनिनजाइटिस और इंफ्लुएंजा से बचाव के लिए वैक्सीन दी जा रही है। इस कार्य के लिए यहां दो डॉक्टर समेत 14 स्वास्थ्य कर्मियों की टीम तैनात है। हज यात्रियों के वैक्सीनेशन कार्य का नेतृत्व कर रहीं डॉ. नाजिया तबस्सुम बताती हैं कि मक्का की जलवायु गर्म है, जबकि हाजियों के ठहरने की जगहों पर एयरकंडिशनर की व्यवस्था होने से ये काफी ठंडी रहती है। हज यात्रियों के लिए तापमान में उतार-चढ़ाव के कारण लकवा, मेनिनजाइटिस तथा अधिक आयु के लोगों को इंफ्लुएंजा का खतरा बना रहता है। इस कारण उनके लिए टीकाकरण बेहद जरूरी है। इससे पहले हज यात्रियों से साथ जाने वाले चिकित्सकों एवं खादिमुल हुज्जाज को वैक्सीन दी गई है। बिहार राज्य हज कमेटी के सीईओ मो. राशिद हुसैन ने बताया कि पटना समेत सभी जिलों में वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया है। हज भवन में पटना एवं आसपास के जिलों के लगभग 300 आजमीने हज को वैक्सीन देने का लक्ष्य है।

10 साल से अधिक के बच्चे खुद ऑपरेट कर सकेंगे अपना बैंक अकाउंट

एजेंसी | नई दिल्ली

अब 10 साल से अधिक उम्र के बच्चे अपने बैंक अकाउंट को स्वतंत्र रूप से ऑपरेट कर सकेंगे। केंद्रीय रिजर्व बैंक ने बैंकों को इस संबंध में निर्देश दिया है। रिजर्व बैंक ने कहा कि 10 वर्ष से अधिक आयु के नाबालिगों को स्वतंत्र रूप से सेविंग/फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट खोलने और ऑपरेट करने की अनुमति दी जाती है। बता दें कि अब तक अभिवावक ही नाबालिग के अकाउंट को ऑपरेट करते हैं। आरबीआई ने कॉमर्शियल बैंकों और सहकारी बैंकों को जारी एक सर्कुलर में कहा कि किसी भी आयु के नाबालिगों को अपने प्राकृतिक या कानूनी अभिभावक के माध्यम से सेविंग और फिक्स्ड डिपॉजिट अकाउंट खोलने और ऑपरेट करने की अनुमति दी जा सकती है। उन्हें अपनी मां को अभिभावक के रूप में रखकर भी ऐसे खाते खोलने की अनुमति दी जा सकती है। सर्कुलर के मुताबिक बैंक अपनी रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए राशि और शर्त तय कर सकते हैं। इस बारे में जो भी नियम और शर्तें तय की जाती हैं, उस बारे में खाताधारक को जानकारी दी जाएगी। सर्कुलर में कहा गया कि बैंक अपनी रिस्क मैनेजमेंट पॉलिसी, उत्पाद और ग्राहकों के आधार पर नाबालिग खाताधारकों को इंटरनेट बैंकिंग, एटीएम/डेबिट कार्ड, चेक बुक सुविधा आदि जैसी अतिरिक्त सुविधाएं देने के लिए स्वतंत्र हैं। बैंकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि नाबालिगों के खाते, चाहे वे स्वतंत्र रूप से संचालित हों या अभिभावक के माध्यम से, उनसे अधिक निकासी न हो और इसमें हमेशा राशि रहे।

बिहार में आईएएस अफसरों का तबादला, कृष्ण कुमार बने पथ निर्माण विभाग के संयुक्त सचिव

निज संवाददाता | पटना

राज्य सरकार ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के एक अधिकारी का तबादला और एक अधिकारी का पदस्थापन किया है। वाणिज्य कर विभाग के संयुक्त सचिव कृष्ण कुमार का तबादला पथ निर्माण विभाग के संयुक्त सचिव के पद पर किया है। वहीं, 2020 बैच की बंगाल कैडर के आइएएस अधिकारी अनन्या सिंह को बिहार कैडर में स्थानांतरित किया गया है।बिहार में योगदान देने के बाद अब उन्हें औरंगाबाद जिले का उपविकास आयुक्त (डीडीसी) बनाया गया है। अनन्या सिंह को औरंगाबाद जिला परिषद के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी (सीइओ) का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सोमवार को अधिसूचना जारी कर दी है। बिहार प्रशासनिक सेवा (बिप्रसे) के दस अधिकारियों को तबादला सोमवार को किया गया।औरंगाबाद के उप विकास आयुक्त अभ्येंद्र मोहन सिंह को बिहार विश्वविद्यालय सेवा आयोग का सचिव बनाया गया है।वहीं, पदस्थापन की प्रतीक्षा में रहे शहनवाज अहमद को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग में उप सचिव,मो। मंजूर आलम को बेगूसराय में अपर समाहर्ता (लोक शिकायत) के पद पर पदस्थापित किया गया है। जबकि सारण के जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण के लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन के निदेशक मो। कयूम अंसारी को बिहार राज्य निर्वाचन प्राधिकार में संयुक्त सचिव, पूर्णिया के जिला ग्रामीण विकास प्राधिकरण के लेखा प्रशासन एवं स्वनियोजन के निदेशक नीरज नारायण को पथ निर्माण विभाग में उप सचिव बनाया गया है। स्वास्थ्य विभाग के विशेष कार्य पदाधिकारी आनंद प्रकाश को गया का वरीय उप समाहर्ता, छपरा के जिला भू-अर्जन पदाधिकारी सुमन कुमार को खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में उप सचिव, शिवहर के वरीय उप समाहर्ता अनिल कुमार को स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी, समस्तीपुर के शाहपुर पटोरी की भूमि सुधार उप समाहर्ता प्रियंका कुमारी को नई दिल्ली स्थित स्थानिक आयुक्त कार्यालय में विशेष कार्य पदाधिकारी एवं गया के वरीय उप समाहर्ता मनीष कुमार को स्वास्थ्य विभाग में विशेष कार्य पदाधिकारी बनाया गया है।सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

प्रशासनिक सेवाओं में सुधार जरूरी : पीएम

- पीएम ने कहा कि देश की बढ़ती आकांक्षाओं और ऊंचे लक्ष्यों को पूरा करने में प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका अहम है।

एजेंसी | नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रशासनिक सेवाओं में सुधार की जरूरत पर बल देते हुए सोमवार को कहा कि देश की बढ़ती आकांक्षाओं और ऊंचे लक्ष्यों को पूरा करने में प्रशासनिक अधिकारियों की बड़ी भूमिका और बहुत बड़ा दायित्व है तथा हर किसी की निगाह अधिकारियों पर है। श्री मोदी यहां सत्रहवें लोक सेवा दिवस पर देश भर से एकत्रित प्रशासनिक अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऊर्जा की सुनिश्चित से जुड़े लक्ष्य, स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े लक्ष्य, खेल-कूद के मैदान से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र- हर सेक्टर में देश का परचम और नई ऊंचाइयों पर लहराना है। जब मैं बात करता हूं तब और देश जब सोचता है तब, हर किसी की नजर आप पर है, भरोसा आप सभी पर है, बहुत बड़ा दायित्व आप सब मेरे साथियों पर है। श्री मोदी ने कहा कि आपको जल्द से जल्द भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी भी बनाना है। इस काम में विलंब न हो, ये आप सभी को सुनिश्चित करना है।

बिहार में अब प्रचंड लू चलेगी, 42 डिग्री वाली गर्मी का टॉर्चर शुरू

हीट वेव का अलर्ट, कई जिलों में पारा 40 के पार

निज संवाददाता | पटना

राज्य में एक बार फिर मौसम करवट लेने जा रहा है। पिछले कुछ दिनों से बारिश, आंधी और वज्रपात की वजह से जहां लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली थी, वहीं अब मौसम फिर से तपने को तैयार है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में भीषण गर्मी और हीट वेव की चेतावनी जारी की है।

बीते सप्ताह हुई आंधी-पानी की घटनाओं में जहां एक ओर लोगों को गर्मी से फौरी राहत महसूस हुई, वहीं दूसरी ओर वज्रपात की चपेट में आकर अब तक लगभग 100 लोगों की जान चली गई। इन घटनाओं ने कई जिलों को प्रभावित किया और जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। लेकिन अब जैसे-जैसे बादल छंट रहे हैं, गर्मी का असर फिर से तेज़ी से बढ़ रहा है। रविवार को ही बिहार के गया जिले में अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं राज्य की राजधानी पटना के अलावा भोजपुर, सारण, समस्तीपुर, भागलपुर, सिवान, बक्सर, अरवल, जहानाबाद, शेखपुरा, नालंदा, औरंगाबाद, रोहतास, कैमूर और जमुई जैसे जिलों में पारा 39 से 41 डिग्री के बीच दर्ज किया गया।

248 करोड़ की लागत से 41 शहरों में बनेंगे विद्युत शवदाह गृह, स्वच्छता और सुविधा दोनों को मिलेगी मजबूती

निज संवाददाता | पटना

राज्य सरकार ने नगरीय क्षेत्रों में अंतिम संस्कार से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए बड़ा कदम उठाया है। आत्मनिर्भर बिहार के सात निश्चय-2 योजना के तहत कुल 248.91 करोड़ रुपये की लागत से 41 शहरों में विद्युत शवदाह गृह एवं मोक्षधाम के निर्माण की योजना को स्वीकृति मिल गई है। इससे न केवल लोगों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि पर्यावरण को भी राहत मिलेगी।

इस योजना के पहले चरण में राज्य के 38 जिला मुख्यालयों सहित तीन अन्य प्रमुख नदी घाटों को शामिल किया गया है। इन सभी स्थानों पर आधुनिक विद्युत शवदाह गृह बनाए जाएंगे। इसका उद्देश्य पारंपरिक दाह संस्कार की प्रक्रिया में आने वाली असुविधाओं को दूर करना, नदी प्रदूषण को रोकना और शहरों में स्वच्छता बनाए रखना है। नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री जिवेश कुमार ने जानकारी दी कि इस योजना के माध्यम से शहरी क्षेत्र के लोगों को दाह संस्कार के समय बेहतर और स्वच्छ सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने बताया कि यह पहल सुशासन के तहत शुरू की गई है और इससे राज्य के नागरिकों को गरिमापूर्ण विदाई देने में मदद मिलेगी।

मंत्री ने यह भी कहा कि राज्य में बढ़ते शहरीकरण को देखते हुए सरकार हर स्तर पर नागरिकों को सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्युत शवदाह गृहों से न केवल वायु प्रदूषण में कमी आएगी, बल्कि नदियों को भी प्रदूषण से बचाया जा सकेगा।

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में बिहार के तीन खिलाड़ी चयनित

पटना (नि.सं.)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट का ऐलान कर दिया है। बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में ईशान किशन की वापसी हुई है। इस कॉन्ट्रैक्ट में ईशान किशन सहित बिहार के आकाशदीप और मुकेश कुमार शामिल है। तीनों को ग्रेड सी में रखा गया है। ईशान ने आईपीएल के अपने पहले मैच में 106 रन की पारी खेलकर वापसी के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की थी।

संक्षिप्त समाचार

दिव्यांगजनों की समस्याओं के समाधान के लिए जिलास्तरीय कमेटी का गठन

गया। कचहरी रोड स्थित जिला परिषद सभागार में रविवार को दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण और अधिकारों की रक्षा के लिए ऐतिहासिक कार्यक्रम हुआ। इसमें जिला, अनुमंडल और प्रखंड स्तर पर कमेटियों का गठन किया गया। दिव्यांग अधिकार अधिनियम 2016 की धाराओं और सरकारी योजनाओं पर चर्चा हुई। योग्य प्रतिनिधियों की नियुक्ति की गई। मुख्य अतिथि एसोसिएशन ऑफ पर्संस विथ डिसेबिलिटीज के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण कुमार मिश्रा रहे। उनके साथ राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हरदेव प्रसाद, राष्ट्रीय सचिव सुगंध नारायण प्रसाद, प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अगस्त उपाध्याय, प्रदेश प्रोग्राम मैनेजर यशु पाल, महिला प्रकोष्ठ प्रभारी अंजू कुमारी, चिकित्सक प्रभारी धर्मवीर शर्मा और प्रदेश डीपीओ प्रभारी राजेश कुमार गुप्ता मौजूद रहे।

जिला स्तरीय कमेटी का हुआ गठनः कार्यक्रम के दौरान गठित जिलास्तरीय कमिटी में मो. शमीम शाह को जिलाध्यक्ष चुना गया। वहीं डॉ. महेंद्र कुमार उपाध्यक्ष, नीरज कुमार सचिव, सतीश कुमार सिंह संयुक्त सचिव, उत्तम कुमारी महिला प्रकोष्ठ प्रभारी, बलबीर सिंह आरटीआई प्रभारी, मो. अशरफ अली खेलकूद पदाधिकारी, रामा कुमार पीआरओ प्रभारी, सागर कुमार रोजगार नियोजन प्रभारी, राजेश कुमार चिकित्सक प्रभारी, रिजवान खान पीआरओ, कृष्ण यादव जिला डीपीओ और मो. शाहिद रजा मीडिया प्रभारी बनाए गए। जिला सदस्य के रूप में मनोज सिंघानिया, सुमन कुमारी, कंचन कुमारी, राणा प्रताप यादव, अजय कुमार यादव, राजेश कुमार को चुना गया।

दिव्यांगजनों की समस्याओं पर हुई चर्चाः कार्यक्रम के दौरान विभागीय पदाधिकारियों से दिव्यांगजनों की समस्याओं पर खुलकर चर्चा हुई। समाधान के लिए सुझाव दिए गए। 200 से ज्यादा दिव्यांगजन शामिल हुए। उनकी आंखों में उम्मीद और चेहरों पर मुस्कान दिखी। समापन पर सभी ने मिलकर दिव्यांगजनों के अधिकारों के लिए संगठन और समाज के सहयोग से काम करने का संकल्प लिया। आयोजकों और प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया गया।

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में हुआ श्रद्धांजलि समारोह

गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की पूर्व प्रमुख प्रशासनिका दादी रतन मोहिनी की स्मृति में रविवार को सिविल लाइंस स्थित ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों ने दादी जी को श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वजीरगंज की सीडीपीओ अरुणा कुमारी ने कहा कि दादी जी ने अपना पूरा जीवन तपस्या और मानव सेवा को समर्पित किया। उनका जीवन केवल संस्था के लिए नहीं, पूरी मानवता के लिए प्रेरणादायक है। वहीं कोंच की पूर्व बीडीओ अदिति वैष्णव ने कहा कि दादी जी पवित्रता, शांति और उच्च उद्देश्य का प्रतीक थीं। उनके बताए मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। नई पीढ़ी को उनका मार्गदर्शन सशक्त बनाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी शीला बहन ने कहा कि दादी जी ने पुराना शरीर छोड़ बाप-दादा की गोद ली।

बढ़ रहे हार्ट अटैक के मामले, 30-40 आयु वर्ग के लोग आ रहे चपेट में

गया। पिछले कुछ वर्षों में युवाओं में दिल की बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। पहले हार्ट अटैक 55 से 60 साल की उम्र के बाद ही होता था। अब 30 से 40 साल के लोग भी इसकी चपेट में आ रहे हैं। खासकर कोविड के बाद यह खतरा और बढ़ा है। दिल की बढ़ती बीमारियों को लेकर शहर के शुभकामना हार्ट हॉस्पिटल के संचालक सह प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अमन सिन्हा ने खुलकर चर्चा की। डॉ. सिन्हा ने बताया कि दिल का दौरा तब पड़ता है जब हृदय की मांसपेशियों को पर्याप्त रक्त नहीं मिलता। इससे दिल की संरचना खराब होती है और पंपिंग रुक जाती है। अगर रुकावट धीरे-धीरे बनती है तो सीने में दर्द, भारीपन, सांस फूलना जैसे लक्षण दिखते हैं। अचानक ब्लॉकेज होने पर दिल का दौरा पड़ता है। ब्लॉकेज खून की कोशिकाओं, कोलेस्ट्रॉल, मलबे और कैल्शियम से बनता है। समय पर इलाज न हो तो यह जानलेवा हो सकता है। हार्ट अटैक के लिए दो तरह के जोखिम कारक होते हैं डॉ. सिन्हा के अनुसार हार्ट अटैक के दो तरह के जोखिम कारक होते हैं। पहले वे जो बदले नहीं जा सकते। जैसे उम्र, लिंग, नस्ल और पारिवारिक इतिहास। उम्र बढ़ने पर खतरा बढ़ता है। पुरुषों में यह ज्यादा आम है। रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में भी खतरा बराबर हो जाता है। भारतीयों में मधुमेह, हाई बीपी और दिल की बीमारियों से मौत के मामले सबसे ज्यादा हैं। दूसरे वे कारण जो बदले जा सकते हैं। जैसे मधुमेह, हाई बीपी, खराब कोलेस्ट्रॉल, धूम्रपान, मोटापा, तली चीजें, नमक, मीठा, तनाव और शारीरिक निष्क्रियता। ये हैं लक्षण हार्ट अटैक के लक्षणों में सीने में दर्द, सांस फूलना, चक्कर आना, पसीना आना, उल्टी, बेहोशी और गैस जैसा महसूस होना शामिल है। कई बार बिना सीने के दर्द के भी अटैक हो सकता है। खासकर मधुमेह के मरीजों में थकान और कमजोरी ही लक्षण होते हैं। इसे साइलेंट हार्ट अटैक कहा जाता है। पुरुषों में हार्ट अटैक ज्यादा होता है। युवा, मध्य आयु और वृद्ध सभी संवेदनशील हैं। महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान हार्मोन सुरक्षा देते हैं। रजोनिवृत्ति के बाद खतरा बढ़ता है। 20-30 की उम्र की महिलाएं मामूली कारणों से गर्भाशय न निकलवाएं। इससे हार्मोन गड़बड़ाते हैं और आगे चलकर दिल, हड्डी, त्वचा और मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। बिना किसी जोखिम के भी दिल का दौरा पड़ सकता है, लेकिन संभावना कम होती है। दिल का दौरा महसूस होने पर तुरंत डाक्टर से मिलें बताया कि अगर दिल का दौरा महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं। अगर सुविधा न हो तो शांत रहें, हिलने से बचें। हृदय रोग विशेषज्ञ की सुविधा न होने पर ईकोस्प्रीन 75 एमजी की 4 गोली, क्लोपिडोग्रेल 75 एमजी की 4 गोली, एटोरवेस्टेटिन 40 एमजी की 2 गोली पास रखें और तुरंत लें। दिल का दौरा कितना गंभीर होगा, यह इस पर निर्भर करता है कि इलाज कितनी जल्दी शुरू होता है। कई बार अटैक 10 मिनट भी नहीं देता। हर हार्ट अटैक में एंजियोग्राफी जरूरी है। इससे ब्लॉकेज का पता चलता है। एंजियोप्लास्टी तभी होती है जब रुकावट ज्यादा हो। कई बार दवा और इंजेक्शन से ब्लॉकेज खुल जाता है। यह सब एंजियोग्राफी में दिखता है। इसलिए एंजियोग्राफी जरूरी है।

अध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार सिंह का दूसरी बार कब्जा

नालंदा। जिला अधिवक्ता संघ का चुनाव शनिवार को संपन्न हुआ। रविवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना हुई। चुनाव में अध्यक्ष पद पर वीरेंद्र कुमार सिंह ने लगातार दूसरी बार शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी कल्याण कुमार को 270 मतों के अंतर से पराजित किया। वीरेंद्र कुमार सिंह को 568 मत मिले, जबकि कल्याण कुमार को 298 मत प्राप्त हुए। अन्य प्रतिद्वंद्वी शारदानंद को केवल 31 मत मिले, जिससे उनकी जमानत तक जब्त हो गई। महासचिव पद पर भी दिनेश कुमार ने लगातार दूसरी बार जीत हासिल करते हुए 520 मत प्राप्त किए और अपने प्रतिद्वंद्वी पूर्व महासचिव कमलेश कुमार को 180 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। चुनाव में वोटरों ने अधिकांश पदों पर अनुभवी और पुराने चेहरों पर ही विश्वास जताया। कुल 10 विभिन्न पदों के लिए 26 प्रतिनिधियों का चुनाव हुआ, जिनमें से केवल चार नए चेहरे ही कार्यकारिणी में स्थान बना पाए। उल्लेखनीय है कि 11 प्रतिनिधि पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके थे।

उपाध्यक्ष पद के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में थेः उपाध्यक्ष पद के लिए आठ उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें से ललित कुमार मौर्य (341 मत), विजय कुमार सिंह उर्फ प्रमोद सिंह (345 मत) और विनोद कुमार (315 मत) विजयी रहे। इस पद के लिए संजय कुमार आचार्य (213 मत), महेश कुमार (205 मत), अरुण कुमार (156 मत), ओंकार प्रसाद दिक्षित (121 मत) और चंद्रमोहन कुमार (78 मत) पराजित हुए। ऑडिटर के एकल पद पर पहली बार चुनावी मैदान में उतरे रितेश कुमार रस्तोगी 268 मत प्राप्त कर विजयी रहे, जबकि मुजफ्फर जमाल (247 मत), राजेश कुमार व अभय किशोर (176 मत) और राजेश कुमार (166 मत) पराजित हुए। संयुक्त सचिव पद पर जया वर्मा (272 मत), पंकज कुमार (231 मत) और अजय कृष्ण (213 मत) विजयी रहे। इसी प्रकार, सहायक सचिव पद पर अविनाश कुमार सुमन (378 मत), संजय कुमार (282 मत) और अरेंद्र पासवान (237 मत) ने जीत हासिल की।

गया जिले में युवक की हत्या बॉडी पर चाकू के 12 निशान

♦ 4 दिन पहले बहन की शादी के लिए चेन्नई से घर आया था, लव अफेयर में वारदात की आशंका

निज संवाददाता। गया

गया में गला रेतकर अपराधियों ने एक युवक की हत्या कर दी। डेड बॉडी पर चाकू से हमले के 12 निशान मिले हैं। शव गांव से बाहर खेत में मिला है। 18 अप्रैल को चेन्नई से बहन की शादी में शामिल होने के लिए घर आया था। घटना सिंहपुर-फारम की है। मृतक की पहचान सोनू कुमार ठाकुर के तौर पर हुई है। परिजनों के मुताबिक 19 अप्रैल को बहन की थी। 22 अप्रैल को भतीजी की शादी होनी थी। घर पर समारोह की तैयारी चल रही थी। रविवार रात 9 बजे तक दिखा था। उसके बाद वो नजर नहीं आया। फोन भी बंद था। घर के लोगों को लगा कि थककर किसी परिचित के यहां सो गया है। सोमवार सुबह गांव के पास खेत में उसका शव मिला। गले और बॉडी पर धारदार हथियार से वार किया गया था।

जांच के लिए FSL टीम को बुलायाः घटना की सूचना पर डुमरिया थानाध्यक्ष दिनेश कुमार, इमामगंज एसडीपीओ अमित कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज सह अस्पताल भेजा गया है। जांच के लिए FSL और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है।

नालंदा में मारपीट में घायल बुजुर्ग की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा के चंडी थाना क्षेत्र में मारपीट में घायल बुजुर्ग की इलाज के दौरान मौत हो गई। 4 दिन पहले किराना दुकान को लेकर सैरापर गांव में दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था। मारपीट में मिथलेश चौधरी(60) गंभीर रूप से घायल हो गए थे। मृतक के पुत्र अमरजीत कुमार ने बताया कि उनके पिता गांव में ही किराना दुकान चलाते थे। घर के पास में ही दूसरा दुकान है। पड़ोसी स्टोर बंद करने का दवाब बना रहे थे। 17 अप्रैल को इसी विवाद में चंचला देवी और उसका पूरा परिवार घर में घुसकर मारपीट करने लगा। इस घटना में पिता गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां रविवार को उनकी मौत हो गई।

पड़ोसी के कारोबार पर पड़ रहा था असरः परिजनों ने बताया कि मिथिलेश चौधरी ने जब से दुकान खोला था, तब से चंचला देवी के कारोबार पर असर पड़ रहा था। इस वजह से दुकान बंद करने का प्रेशर बना रहे थे। बात इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए। मारपीट के समय मिथिलेश अकेले पड़ गए। घर की महिलाएं बच्चों को स्कूल छोड़ने गई थीं, जबकि बेटा बाजार गया हुआ था।

दोनों पक्षों ने थाने में दिया था आवेदनः चंडी थानाध्यक्ष ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद परिजनों शव सौंप दिया है। दोनों पक्षों की ओर से थाने में मारपीट को लेकर आवेदन दिया गया था। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

राजगीर में नया हॉकी स्टेडियम इस महीने हो जाएगा तैयार

निज संवाददाता। नालंदा

राजगीर का स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बिहार के खेल मानचित्र पर तेजी से अपनी पहचान बना रहा है। राजगीर खेल विश्वविद्यालय परिसर में एक और मॉडर्न हॉकी स्टेडियम का निर्माण पूरा होने के कगार पर है, जिससे न केवल प्रशिक्षण सुविधाओं में वृद्धि होगी बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन का मार्ग भी प्रशस्त होंगे। बिहार खेल अकादमी के सहायक निदेशक मिथिलेश कुमार ने बताया कि "नवनिर्मित हॉकी स्टेडियम अप्रैल माह के अंत तक पूर्णतः तैयार हो जाएगा। इसमें अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार सिंथेटिक टर्फ लगाया गया है, जो खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय अनुभव प्रदान करेगा।" स्टेडियम में आधुनिक फ्लडलाइट्स और डिजिटल स्कोरबोर्ड की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे रात्रिकालीन प्रशिक्षण और मैचों का लाइव प्रसारण संभव हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि राजगीर में पहले से ही एक ओलंपिक आकार का हॉकी स्टेडियम मौजूद है, जहां पिछले वर्ष विमेंस एशियन हॉकी चैंपियंस टूर्नामेंट का सफल आयोजन किया गया था। इसी वर्ष अगस्त में यहां हॉकी विश्व कप के आयोजन का प्रस्ताव भी है।

बहुआयामी खेल परिसरः राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अब विभिन्न खेलों का एक समग्र केंद्र बनता जा रहा है। यहां हॉकी के अलावा क्रिकेट, फुटबॉल, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेनिस, एथलेटिक्स, तलवारबाजी, भारोत्तोलन, रग्बी, कुश्ती, तीरंदाजी, ताइक्वांडो, जूडो, कबड्डी, टेबल टेनिस और तैराकी जैसी अनेक खेल विधाओं के लिए प्रशिक्षण केंद्र और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं।

गया में 40 डिग्री के करीब पहुंचा अधिकतम तापमान

♦ गर्मी और गर्म हवा से बढ़ी परेशानी, फिलहाल बारिश की संभावना नहीं

निज संवाददाता। गया

गया में मौसम का मिजाज बदल गया है। 10 दिन की राहत के बाद एक बार गर्मी का असर बढ़ने लगा है। रविवार को जिले में अधिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस के करीब रिकॉर्ड किया गया है। भीषण गर्मी और गर्म हवा से लोगों का हाल बेहाल है। बीते दिन बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी और पुरवैया हवा की वजह से थोड़ी राहत मिली थी। अब पछुआ हवा ने फिर से लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे के दौरान जिले का अधिकतम तापमान 39.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जो बीते 15 दिनों में सबसे ज्यादा रहा। जबकि न्यूनतम पारा 24 डिग्री रहा।

10 दिन बाद फिर बढ़ी गर्मीः सुबह की नमी 69 फीसदी और शाम तक घटकर 38 फीसदी रह गई है। यानी हवा शुष्क हो गई है। जिससे गर्मी का प्रभाव तेजी से बढ़ा है। इससे पहले 6 अप्रैल को 40 डिग्री रिकॉर्ड किया था। 10 अप्रैल को आंधी-बारिश के बाद गर्मी का प्रकोप कम हुआ था। मौसम वैज्ञानिक एसके पटेल के मुताबिक अभी बारिश की कोई संभावना नहीं है। सुबह-शाम थोड़ी राहत जरूर मिलेगी, लेकिन दोपहर के समय तेज धूप लोगों को परेशान करेगी।

24 और 25 अप्रैल को लू चल सकताः मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया है कि '24 और 25 अप्रैल को राज्य के कई जिलों में लू की स्थिति बन सकती है। इसका असर गया में भी देखने को मिलेगा। 'हॉट डे' जैसी स्थिति देखने को मिल सकती है।

लू से सतर्क रहने की अपीलः तेज धूप के कारण गर्मी अधिक महसूस की जाएगी। मौसम विज्ञान केंद्र ने लोगों को लू से बचने के लिए दोपहर के समय बाहर निकलने से परहेज करने और पर्याप्त मात्रा में पानी पीने की सलाह दी है। आने वाले दिनों में मौसम की यह तपिश जनजीवन को प्रभावित कर सकती है।

पोती की मौत की खबर सुन दादा ने तोड़ा दम

♦ तालाब से बरामद हुई थी बच्ची की लाश, अस्पताल में एडमिट बुजुर्ग की 12 घंटे बाद मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में पोती की मौत की खबर सुनने के 12 घंटे बाद उसके दादा ने भी दम तोड़ दिया। दरअसल, 7 साल की मासूम का शव रविवार की शाम तालाब में मिला था। बच्ची की तालाब में डूबने से मौत हो गई थी। घटना से पहले बच्ची के दादा अस्पताल में इलाज के लिए एडमिट थे। उन्होंने जैसे ही पोती की मौत की खबर सुनी, करीब 12 घंटे बाद सदमे से उनकी भी जान चली गई। मामला भागन बीघा ओपी अंतर्गत कादी बीघा गांव का है। मृतका की पहचान कादी बिगहा गांव के रहने वाले संटू रविदास की 7 साल की बेटी शिवानी कुमारी के रूप में की गई है। हादसे की खबर सुनकर इलाजरत दादा कारू रविदास की भी मौत सोमवार की सुबह हो गई है।

दोपहर में खेलने निकली थी बच्चीः घटना के संबंध में परिजन ने बताया कि रविवार की दोपहर को बच्ची खेलने घर से निकली थी। तभी हाथ पैर-धोने के क्रम में वह तालाब में फिसल गई, जिसके कारण डूब कर उसकी मौत हो गई। जब वह शाम तक घर नहीं लौटी तो खोजबीन की गई। इसके बाद काली मंदिर के समीप तालाब से शव को बाहर निकाला गया। इधर, शिवानी कुमारी के दादा बिहार शरीफ के एक निजी अस्पताल में भर्ती थे। जहां पोती की मौत की खबर सुनकर उनकी भी मौत सोमवार की सुबह हो गई। संटू रविदास और उसका पूरा परिवार ईंट भट्ठा पर मजदूरी करने का काम करता है। सोमवार सुबह करीब 10 बजे के बाद घर से एक साथ दादा-पोती की अर्थी निकली। दोनों के शव को दाह संस्कार के लिए बाढ़ के उमानाथ घाट ले जाया गया है। वहीं इस मामले में भागन विगहा ओपी प्रभारी शैलेश कुमार झा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि यूडी केस दर्ज कर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। पारिवारिक लाभ के तहत मृतक के आश्रितों को बीडीओ रहुई धर्मराज कुमार ने 20 हजार रुपए की सहायता राशि दी है। आपदा राहत के तहत भी मृतक के आश्रितों को उचित राशि दी जाएगी।

गोलापर हवाई अड्डे के लिए बना मास्टर प्लान

निज संवाददाता। नालंदा

बिहारशरीफ के ऐतिहासिक गोलापर हवाई अड्डे के पुर्ननिर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान भारतीय सैनिकों के लिए महत्वपूर्ण रहे इस हवाई अड्डे के कायाकल्प के लिए जिला प्रशासन ने मास्टर प्लान तैयार कर लिया है। योजना के अनुसार, इसके विकास पर 2 करोड़ 41 लाख 2 हजार 101 रुपए खर्च किए जाएंगे। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, मास्टर प्लान को सरकार के पास भेज दिया गया है और स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इस योजना में दो हेलीपैड, परिसर की बाउंड्री का मजबूतीकरण, कार्यालय भवन, गॉर्ड रूम, किचन, बाथरूम समेत अन्य आवश्यक संरचनाओं का निर्माण शामिल है।

विकास के लिए प्रस्तावित बजट विभाजनः प्रस्तावित मास्टर प्लान के अनुसार, हवाई अड्डे की बाउंड्री की मरम्मत और मुख्य दरवाजे के सुधार पर 14 लाख 59 हजार 601 रुपए खर्च किए जाएंगे। सबसे अधिक राशि दो हेलीपैड, एप्रोच रूट और आवश्यक सड़कों के निर्माण पर खर्च की जाएगी, जिसके लिए 2 करोड़ 1 लाख 17 हजार 600 रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, कार्यालय भवन, गॉर्ड रूम, किचन, बाथरूम और अन्य आवश्यक संरचनाओं के निर्माण पर 24 लाख 66 हजार 900 रुपए खर्च किए जाएंगे।

उड़ान योजना से संबंध, लेकिन उड़ानें नहींः हालांकि गोलापर हवाई अड्डे को 'उड़ान' (उड़े देश का आम नागरिक) योजना में शामिल किए हुए 9 वर्ष बीत चुके हैं, फिर भी यहां से हवाई सेवाएं शुरू नहीं हो पाई हैं। केंद्र सरकार के नगर विमानन मंत्रालय द्वारा इसे पांचवें चरण की 'उड़ान' योजना में शामिल किया गया था, जिसमें देश के 54 शहरों के साथ बिहार के सात शहरों को भी जोड़ा गया था। इस हवाई अड्डे को क्षेत्रीय संपर्क योजना (RCS) में असेवित हवाई अड्डों की लिस्ट में रखा गया है। विकास आनंद, एक शोधार्थी जो इस मुद्दे पर लगातार मंत्रालय के साथ पत्राचार कर रहे हैं, उनके अनुसार "अब तक आयोजित चार दौर की बोली प्रक्रिया में किसी भी एयरलाइन ने बिहारशरीफ से उड़ान संचालन के लिए अपना प्रस्ताव नहीं दिया है। इसलिए इस हवाई पट्टी के विकास के लिए 'उड़ान' योजना के तहत कोई राशि आवंटित नहीं की जा सकी है।"

क्या है वर्तमान स्थितिः नागर विमानन मंत्रालय के अनुसार, गोलापर हवाई अड्डा वर्तमान में 'नॉन-ऑपरेशनल' स्थिति में है। यह बिहार सरकार के स्वामित्व में है और नागर विमानन, बिहार द्वारा प्रशासित है। इस हवाई अड्डे का रनवे कच्चा है और इसकी लंबाई 1950 फीट तथा चौड़ाई 300 फीट है। इसे VFR (विजुअल फ्लाइट रूल्स) श्रेणी के तहत वर्गीकृत किया गया है। पटना और गया के हवाई अड्डे इससे 150 किलोमीटर की दूरी के भीतर स्थित हैं।

क्या है भविष्य की संभावनाएंः यदि आगामी बोली प्रक्रिया में कोई एयरलाइन गोलापर हवाई अड्डे से संचालन के लिए प्रस्ताव देती है, तो 'उड़ान' योजना के प्रावधानों के अनुसार इसके विकास और हवाई सेवाओं का संचालन किया जा सकेगा। स्थानीय निवासियों को उम्मीद है कि नए मास्टर प्लान के क्रियान्वयन से इस ऐतिहासिक हवाई अड्डे का पुनरुद्धार होगा और क्षेत्र के विकास में यह महत्वपूर्ण योगदान देगा। स्थानीय लोगों का मानना है कि गोलापर हवाई अड्डे का विकास न केवल बिहारशरीफ के निवासियों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ बनाएगा, बल्कि पर्यटन और व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। हालांकि, इसके लिए सरकारी स्तर पर तत्पर प्रयासों और निजी एयरलाइनों की रुचि आवश्यक है।

बिहार शरीफ सदर अस्पताल बना मॉडल हॉस्पिटल

♦ ग्रामीण विकास मंत्री ने फीता काटकर किया उद्घाटन, मरीजों के लिए नई व्यवस्था

निज संवाददाता। नालंदा

बिहार शरीफ में सोमवार को पुराने सदर अस्पताल को अत्याधुनिक नवनिर्मित मॉडल हॉस्पिटल में स्थानांतरित किया गया। ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने औपचारिक उद्घाटन समारोह के दौरान इस नए स्वास्थ्य केंद्र का शुभारंभ किया। मंगलवार से इस अस्पताल में नियमित रूप से मरीजों के लिए सेवाएं शुरू हो जाएंगी। श्रवण कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि नालंदा जिले के मुख्यालय बिहार शरीफ में जो पहले से सदर हॉस्पिटल के नाम से प्रसिद्ध था, वह आज मॉडल हॉस्पिटल के रूप में पुनर्जीवित हुआ है। यह बिहार सरकार और राज्य के मुख्यमंत्री के विशेष प्रयासों का परिणाम है। इस नए मॉडल हॉस्पिटल में कुल 212 बेड की व्यवस्था की गई है, जिसका विभाजन विभिन्न मंजिलों पर किया गया है। प्रथम तल पर 10 बेड, दूसरे तल पर 51 बेड, तीसरे तल पर 45 बेड, चौथे तल पर 78 बेड और पांचवें तल पर 18 बेड की व्यवस्था की गई है। हर मंजिल पर विशिष्ट विभागों के लिए अलग-अलग वार्ड हैं।

मॉडल हॉस्पिटल में बनाए गए कई सुविधाएंः अस्पताल में सबसे उल्लेखनीय विशेषता है अत्याधुनिक नर्सिंग कॉल सिस्टम, जो मरीजों को अपने बेड से ही स्विच दबाकर नर्सिंग स्टाफ को बुलाने की सुविधा प्रदान करता है। इसके अलावा, अस्पताल में पेपरलेस तकनीक को विशेष रूप से एक्टिव करने का प्रयास किया जाएगा। इसके लिए दो प्रकार के रजिस्ट्रेशन काउंटर बनाए गए हैं, जहां स्कैन एंड शेयरिंग सिस्टम भी संचालित होंगे। मंत्री श्री कुमार ने आगे कहा की राज्य सरकार और बिहार के लोकप्रिय मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतर से बेहतर व्यवस्था करने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस हॉस्पिटल में आपको उसी प्रयास की झलक मिलेगी। यहां कितनी सुंदर और अच्छी व्यवस्था है, इंतजाम है और सभी प्रकार के नवीनतम उपकरण लगाए गए हैं। समारोह में एमएलसी रीना यादव, सिविल सर्जन डॉ. जितेंद्र, अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. कुमकुम प्रसाद, स्वास्थ्य समिति के श्याम कुमार निर्मल सहित अन्य चिकित्सक, कर्मचारी, छात्र और छात्राएं उपस्थित थे। मंत्री ने अधिकारियों से अपील की कि वे अस्पताल की व्यवस्था को और बेहतर बनाने का प्रयास जारी रखें। "यहां रोगियों के लिए अच्छी व्यवस्था के साथ-साथ, जीविका के माध्यम से सफाई का भी इंतजाम है तथा कैंटीन की भी व्यवस्था है।

संक्षिप्त समाचार

घर फन उठाए बैठा था संसार का सबसे जहरीला सांप

पटना (नि.सं.)। वाल्मीकि नगर के थारी गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब एक विशालकाय किंग कोबरा एक स्थानीय निवासी अजय कुमार के घर में घुस आया। देश के सबसे खतरनाक और विशाल विषैले सांपों में गिने जाने वाला यह किंग कोबरा देखकर परिजन दहशत में आ गए। सूचना मिलते ही वन विभाग और भारतीय वन्यजीव संस्थान की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची और लगभग दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद इस खतरनाक सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ा गया। रेस्क्यू में शामिल टीम में वन विभाग के शशिरंजन कुमार, मनीष कुमार, भारतीय वन्यजीव संस्थान के जलज और मुकेश कुमार, तथा वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के सुनील कुमार जैसे विशेषज्ञ शामिल थे। टीम ने पूरी सतर्कता और तकनीकी प्रक्रिया का पालन करते हुए लगभग 12 फीट लंबा और भारी-भरकम किंग कोबरा को काबू किया। टीम सदस्य ने बताया कि यह कोई सामान्य सांप नहीं, बल्कि दुनिया का सबसे लंबा विषैला साँप है। इसे पकड़ने में पांच लोगों की ताक़त लगी। रेस्क्यू के बाद किंग कोबरा को वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व के जटाशंकर के जंगल में सुरक्षित रूप से छोड़ दिया गया, जिससे यह अपनी प्राकृतिक पर्यावरण में बिना किसी खतरे के रह सके।वन विभाग ने अपील की है कि अगर कहीं भी ऐसा कोई विषैला या अनजान सांप दिखाई दे, तो लोग खुद से उसे पकड़ने की कोशिश न करें और वन विभाग को तुरंत सूचना दें।

बेखौफ अपराधियों ने जदयू नेत्री को मारी गोली

पटना (नि.सं.)। बिहार में अपराधिक घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। बेखौफ अपराधी एक के बाद एक आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। आम को आम अब खास लोग भी अपराधियों के निशाने पर हैं। ताजा मामला राजधानी पटना का है। जहां बेखौफ अपराधियों ने जदयू नेत्री को गोली मार दिया है। पूरा मामला बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र का है। जहां बाइक सवार तीन अपराधियों ने महिला पर जानलेवा हमला किया है। बताया जा रहा है कि महिला अपने घर के पास ही एक दुकान चलाती थी। उसके घर के पास ही अपराधियों ने उसे गोली मारी है। महिला जदयू नेत्री के साथ साथ समाजसेवी भी है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर है। घटना के बाद घायल महिला को आनन फानन में पीएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। मामला पटना के बुद्धा कॉलोनी थाना क्षेत्र इलाके का है। जहां बीती रविवार की देर रात बाइक सवार 3 युवकों ने महिला को गोली मारी है। मिली जानकारी के अनुसार बुद्धा कॉलोनी के दुजरा में महिला को गोली मारी है। गंभीर रूप से घायल महिला पीएमसीएच अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इधर घटना की सूचना मिलते ही बुद्धा कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन में जुटी है। लॉ एंड ऑर्डर डीएसपी कोतवाली संगीत ने इस मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि बुद्धा कॉलोनी थान क्षेत्र में महिला को गोली मारी गई है। 3 की सवार पर आए अपराधियों ने महिला के घर के पास ही उन्हें गोली मार दी। बताया जा रहा है कि आपसी रंजिश में महिला को गोली मारी गई है। हालांकि फिलहाल घटना का कारण स्पष्ट नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राजद सुप्रीमो लालू यादव को अस्पताल से मिली छुट्टी

पटना (नि.सं.)। राजद सुप्रीमो लालू यादव को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। लगभग 19 दिनों के बाद लालू यादव दिल्ली एम्स से डिस्चार्ज हुए हैं। बता दें कि, 2 अप्रैल को अचानक लालू यादव की तबीयत बिगड़ गई थी। जिसके बाद उन्हें पटना के पारस अस्पताल लाया गया था। जिसके बाद डॉक्टरों की सलाह से उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। लालू यादव अब पूरी तरह से स्वस्थ्य हैं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार जल्द ही राजद सुप्रीमो पटना वापस आएंगे। सूत्रों के मुताबिक लालू यादव 4 मई के बाद पटना आएंगे। 4 मई को सिंगापुर के डॉक्टर लालू यादव का दिल्ली में रूटिन चेक अप करेंगे। उसके बाद लालू यादव पटना के लिए रवाना होंगे। बता दें कि, दिल्ली में लालू यादव से RJD के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह मिले हैं।

फर्जी मुठभेड़ मामले में कोर्ट ने जताई नाराज़गी

निज संवाददाता | पटना

पटना हाईकोर्ट ने कथित रूप से फर्जी एनकाउंटर में याचिकाकर्ता के पुत्र प्रिंस कुमार की हत्या किए जाने के मामले में सुनवाई की। जस्टिस संदीप कुमार ने सुनील कुंवर के द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए पुपरी के अनुमण्डल न्यायिक दंडाधिकारी को चार सप्ताह शिकायत की सुनवाई पूरी कर निष्पादित करने का निर्देश दिया है। इस मामले पर अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी। इससे पूर्व कोर्ट ने इस मामले पर सुनवाई करते हुए पुपरी के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी से अदालती आदेश का पालन नही किये जाने पर जवाबतलब किया था। आज उन्होंने कोर्ट में उपस्थित हो कर स्थिति स्पष्ट किया कोर्ट ने उनसे जानना चाहा था कि अदालती आदेश का पालन नही करने पर उनके विधि सम्मत कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की जाये। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने इस फर्जी मुठभेड़ के मामलें में उनसे रिपोर्ट तलब किया था। लेकिन उन्होंने अब तक इस सम्बन्ध में कोई रिपोर्ट कोर्ट में दायर नहीं किया। पुलिसकर्मियों के विरुद्ध दायर किए गए शिकायत वाद पर की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराने का आदेश दिया था।कोर्ट ने यह आदेश सुनील कुंवर उर्फ सुनील सिंह द्वारा दायर अपराधिक रिट याचिका पर यह आदेश सीतामढ़ी के एसपी व पुपरी के अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी को दिया था। याचिकाकर्ता के अधिवक्ता जगन्नाथ सिंह ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता सुनील कुंवर उर्फ सुनील सिंह के बेटे की फर्जी मुठभेड़ में पुलिस वालों ने उसकी बेटे की हत्या 20 मार्च, 2023 को कर दी। इसमें चौबीस पुलिस पदाधिकारियों व उनके सहयोगी आरक्षियों पर इस घटना को अंजाम देने का आरोप है। इस मामलें में नानपुर थाना कांड संख्या 133/2023 के रूप में प्राथमिकी दर्ज किया गया था। 28 मार्च, 2023 को याचिकाकर्ता ने एस पी, सीतामढ़ी के समक्ष पुलिसकर्मियों द्वारा उनके पुत्र की फर्जी मुठभेड़ में मारे जाने के सम्बन्ध में अभ्यावेदन दिया।15 अप्रैल, 2023 को एक परिवाद पत्र याचिकाकर्ता ने दायर किया, जिसमें एस पी, सीतामढ़ी रिपोर्ट मांगा गया।पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। याचिकाकर्ता ने इस मामलें की जांच सीबीआई या किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराये जाने की मांग कोर्ट से की। कोर्ट ने उन्हें सीतामढ़ी के प्रिंसपल जिला व सत्र जज के माध्यम से कोर्ट में उपस्थित हो कर ये बताने को कहा गया था कि कोर्ट के आदेश का पालन नही करने पर उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई क्यों नही की जाये। इस मामलें की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद की जाएगी।

तेजस्वी यादव होंगे महागठबंधन के सीएम फेस

पटना (नि.सं.)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले प्रदेश की सियासी हलचल तेज है। एनडीए जहां सीएम नीतीश के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है तो वहीं महागठबंधन में सीएम फेस को लेकर अब भी बवाल जारी है। राजद जहां तेजस्वी यादव को सीएम फेस बना चुकी है तो वहीं कांग्रेस सीएम फेस को लेकर कुछ भी कहने से बच रही है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि बहुमत से बिहार विधानसभा चुनाव जीतने के बाद ही तय होगा कि सीएम फेस कौन होगा। इस बीच कांग्रेस के बड़े नेता ने दावा कर दिया है कि तेजस्वी यादव ही महागठबंधन के सीएम फेस होंगे।

पटना के जेपी गंगा पथ पर आज आयोजित होगा एयरबेटिक शो

निज संवाददाता | पटना

राजधानी पटना के जेपी गंगा पथ पर 22 अप्रैल को आयोजित होने वाले भारतीय वायुसेना के सूर्य किरण एरोबेटिक शो में शहर के 40 सरकारी एवं निजी स्कूलों के छात्र शामिल होंगे। यह कार्यक्रम वीर कुंवर सिंह की शौर्य जयंती (23 अप्रैल) के अवसर पर सन 1857 के वीर शहीदों को समर्पित किया गया है। शो का आयोजन सभ्यता द्वार के समीप गंगा पथ पर किया जाएगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने बताया कि शो में केवल कक्षा आठवीं से बारहवीं तक के छात्रों को शामिल किया जाएगा। इसके लिए सभी स्कूलों के प्रधानाध्यापकों को पत्र भेजा गया है। इच्छुक शिक्षक और अभिभावक भी छात्रों के साथ कार्यक्रम में भाग ले सकते हैं। शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को निर्देशित किया है कि वे चेतना सत्रों के दौरान छात्रों को भारतीय वायुसेना के महत्व और उसके करियर विकल्पों के बारे में जानकारी दें। इसका उद्देश्य छात्रों में वायुसेना के प्रति गौरव और प्रेरणा का भाव विकसित करना है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के वाहनों की पार्किंग गांधी मैदान में की जाएगी। वहां से सभी को पैदल जेपी गंगा पथ तक जाना होगा। इस दौरान पटना में कुछ रूटों को डायवर्ट भी किया गया है। वहीं एयर शो के दौरान सुरक्षा के लिए 140 पुलिस पदाधिकारी और 400 सिपाही और होम गार्ड की प्रतिनियुक्ति की गई है। कार्यक्रम को लेकर जानकारी देते हुए ट्रैफिक एसपी अपराजित लोहान ने बताया कि सूर्यकिरण शो का समय सुबह 10 बजे से 11.30 तक है।

पीएम आवास योजना में घूस लेते पकड़े गए आवास सहायक

निज संवाददाता | पटना

प्रधानमंत्री आवास योजना जैसे महत्वाकांक्षी और गरीबों के लिए संजीवनी बनी योजना में एक भ्रष्टाचार का बड़ा मामला बिहार के एक प्रखंड से सामने आया है। यहां के बारा जयराम पंचायत के जयपाल टोला गांव में तैनात आवास सहायक भारत भूषण का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ, जिसमें वे पीएम आवास के लाभार्थी के पिता से 20 हजार रुपये रिश्वत लेते साफ नजर आ रहे हैं। यह घटना सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गई और प्रशासनिक स्तर पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए संबंधित अधिकारी की सेवा समाप्त कर दी गई। लाभार्थी के पिता टुनटुन सिंह ने बताया कि उनके बेटे के नाम पर पीएम आवास योजना के तहत घर स्वीकृत हुआ था। योजना के पहले किस्त के 40,000 रुपये जब खाते में आए, तब आवास सहायक भारत भूषण ने उनसे दूसरी और तीसरी किस्त जारी करने के लिए 20,000 रुपये की रिश्वत की मांग की। टुनटुन सिंह ने स्वीकार किया कि वह मजबूरी में बैंक से राशि निकालकर 20 हजार रुपये सहायक को देने के लिए विवश हो गए। इस पूरे लेन-देन का वीडियो किसी व्यक्ति ने छुपकर रिकॉर्ड किया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में भारत भूषण को रुपयों की गड्डी हाथ में लेते और उसे अपनी शर्ट के अंदर की जेब में रखते हुए साफ देखा जा सकता है। यह वीडियो अब पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। घटना की जानकारी मिलते ही डिप्टी डेवलपमेंट कमिश्नर (डीडीसी) ने मामले की जांच शुरू कराई। प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद भारत भूषण से स्पष्टीकरण मांगा गया, लेकिन जब उनका जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया, तब प्रशासन ने तुरंत उनके अनुबंध को समाप्त करने का निर्णय लिया।डीडीसी ने यह भी कहा कि तीन दिनों के भीतर संबंधित कर्मी जिलाधिकारी के समक्ष अपील दायर कर सकते हैं, लेकिन फिलहाल उनकी सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं। इस कार्रवाई से क्षेत्र में अन्य सरकारी कर्मियों को एक सख्त संदेश गया है। यह घटना उस विडंबना को सामने लाती है, जब एक सरकारी योजना गरीबों के लिए बनाई जाती है, लेकिन जमीनी स्तर पर बैठे कर्मी अपने पद का दुरुपयोग कर लाभार्थियों से पैसे ऐंठते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, जिसका उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को पक्के मकान उपलब्ध कराना है, उसमें रिश्वतखोरी की यह घटना एक नीचे तक फैले भ्रष्टाचार की सच्चाई को उजागर करती है।ऐसी घटनाएं न सिर्फ योजना की छवि को धूमिल करती हैं, बल्कि उन गरीब परिवारों का भरोसा भी तोड़ देती हैं जो सरकार की योजनाओं के सहारे अपनी बुनियादी जरूरतें पूरी करना चाहते हैं।

उत्तरवारी पोखरा में 'नौका विहार' की हुई शुरुआत

निज संवाददाता | बेतिया

पश्चिम चम्पारण के बेतिया नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने नगर निगम क्षेत्र के सम्मानित नागरिकगण उत्तरवारी पोखरा में 'नौका बिहार' का शुभारंभ किया। बेतिया वासी आज से इस नौका विहार का आनंद उठा। सिकारिया ने कहा की नगर के ऐतिहासिक सागर पोखरा में नौकायन की सुविधा का आकर्षण बढ़ने के बाद उसके प्रस्ताव को नगर निगम बोर्ड से स्वीकृति मिलने पर मैंने नौकायन का शुभारंभ कर दिया है। महापौर सिकारिया इस संबंध मे कहा कि नगर निगम क्षेत्र के सबसे प्रसिद्ध और ऐतिहासिक दोनों पोखरों में नौका बिहार की सुविधा शुरू कर दी गई है। महापौर ने बताया कि नौकायन शुरू करने से पूर्व दोनों पोखरों की उत्तम साफ सफाई बाद नौकायन शुरू करने के साथ ही सघन शहरी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षा भी की जा सकेगी। उत्तरवारी पोखरा में नौकायन का उद्घाटन के मौके पर नगर पार्षद मनोज कुमार, इंद्रजीत यादव, रोहित सिकारिया, के अतिरिक्त प्रख्यात चिकित्सा अधिकारी डॉ. मोहनीश सिन्हा, डॉ अनुराधा खेमका, नसीम अहमद, बंटी अग्रवाल, राजेश सिलसिलेवाल, सुधीर जायसवाल, सूर्यकांत मिश्रा आदि गणमान्य लोग शामिल रहे।

विश्वामित्र सेना द्वारा निःशुल्क यज्ञोपवीत संस्कार का हुआ आयोजन

निज संवाददाता | पटना

सनातन संस्कृति की रक्षा एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने के उद्देश्य से विश्वामित्र सेना द्वारा रविवार को आयोजित निःशुल्क यज्ञोपवीत (जनेऊ) संस्कार का आयोजन श्रीधराचार्य वेद गुरुकुलम के अध्यक्ष रंगनाथ द्विवेदी के नेतृत्व में बड़े ही धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ सम्पन्न हुआ। जहां बनारसी दुबे द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधिवत उपनयन संस्कार किया गया। इस पावन अवसर पर बक्सर के अनेक सनातन धर्म प्रेमी भाई-बहनों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। संस्कार के दौरान ब्राह्मण बच्चों को जनेऊ धारण कराया गया। जिसके बाद उपस्थित जनों ने उन्हें आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में विश्वामित्र सेना के राष्ट्रीय संयोजक राज कुमार चौबे स्वयं मौजूद रहे और उन्होंने सुनिश्चित किया कि समस्त व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हों। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का जिम्मा विश्वामित्र सेना ने स्वयं उठाया। कार्यक्रम के उपरांत अपने संबोधन में राज कुमार चौबे ने कहा कि, आज जिस तेजी से हम आधुनिकता की ओर बढ़ रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब हम अपनी जड़ों से दूर हो जाएंगे।

मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा में भीड़ नहीं जुटने पर पार्टी ने की कार्रवाई

निज संवाददाता | बक्सर

जिले की कांग्रेस राजनीति में रविवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। जब अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आगमन के बाद पार्टी नेतृत्व ने कड़ा निर्णय लेते हुए जिला अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पांडेय को तत्काल प्रभाव से पद से निलंबित कर दिया। यह कार्रवाई दलसागर खेल मैदान में आयोजित सभा में भारी अव्यवस्था और भीड़ की कमी के कारण की गई। पटना स्थित सदाकत आश्रम से जारी पत्र में प्रदेश कांग्रेस कार्यालय सचिव उमेश प्रसाद सिंह ने कहा कि सभा के दौरान तैयारियों में घोर लापरवाही और संगठनात्मक समन्वय की पूर्णतः अनुपस्थिति देखी गई, जिससे पार्टी की साख को गंभीर नुकसान पहुंचा। पार्टी नेतृत्व की नाराजगी केवल जिला अध्यक्ष तक सीमित नहीं रही। बक्सर के दोनों कांग्रेस विधायकों की निष्क्रियता भी कटघरे में आ गई है। संगठन की नजर में वे न केवल भीड़ जुटाने में नाकाम रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूती देने में भी विफल साबित हुए हैं। सूत्रों की मानें तो इन दोनों विधायकों के टिकट पर अब संकट के बादल मंडराने लगे हैं और आगामी विधानसभा चुनाव में उनकी दावेदारी कमजोर पड़ गई है। प्रदेश कांग्रेस की ओर से जारी यह पत्र पार्टी के शीर्ष नेताओं को भी भेजा गया है, जिनमें महासचिव केसी वेणुगोपाल, बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरू, सह प्रभारीगण, प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश कुमार, विधानमंडल दल नेता डॉ. शकील अहमद खान और विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ. मदन मोहन झा शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि यह मामला केवल जिला स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व इसे गंभीरता से ले रहा है।

मोकामा-औंटा-सिमरिया सिक्स लेन पर उद्घाटन से पहले हुआ भीषण सड़क हादसा

निज संवाददाता | पटना

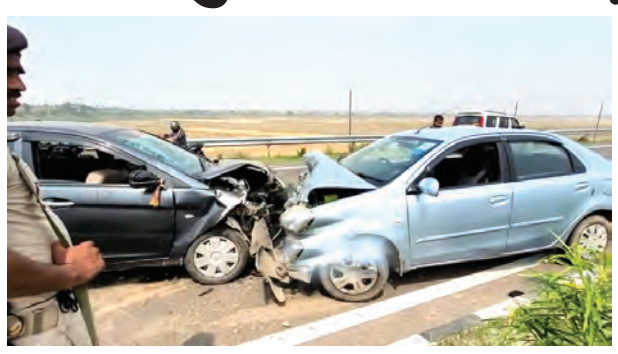

बिहार के मोकामा-औंटा-सिमरिया सिक्स लेन पर एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है, जहां 5 लोग घायल हो गए। बता दें की 24 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस सड़क का उद्घाटन करने वाले हैं। मिली जानकारी के मुताबिक बेगूसराय निवासी नारायण अपने परिवार के साथ बेगूसराय की ओर जा रहे थे, तभी रॉंग साइड से आती हुई टोयोटा कार ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में नारायण के परिवार के 5 लोग घायल हो गए, जिनमें 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए मोकामा रेफरल अस्पताल ले जाया गया। वहीं दो लोगों को मामूली चोट आई थी, जिन्हें महेंद्रपुर निवासी विकास कुमार ने अपने निजी वाहन से बेगूसराय पहुंचाकर मानवता का परिचय दिया। दूसरी गाड़ी में मोकामा के लोग सवार थे, जिन्हें कोई चोट नहीं आई है। घायलों को ग्रामीणों की मदद से एम्बुलेंस और महेंद्रपुर निवासी विकास कुमार के निजी वाहन से इलाज के लिए भेजा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कई मोकामा-औंटा-सिमरिया सिक्स लेन पर हुआ यह सड़क हादसा बहुत ही दुःखद है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाने का नाम 'बहादुरगंज' और चोर को हाजते से भागने से नहीं रोक पाए पुलिसकर्मी

निज संवाददाता | किशनगंज

बाइक चोरी के मामले में गिरफ्तार चोर थाने में पुलिसकर्मियों को चकमा देकर फरार हो गया। जिसके बाद नाराज एसपी सागर कुमार बड़ा एक्शन लिया और एक साथ 12 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया। सस्पेंड होनेवालों में च अवर निरीक्षक, दो कांस्टेबल और पांच चौकीदार शामिल हैं। वहीं इस कार्रवाई के बाद जिले के पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। मामला किशनगंज के बहादुरगंज थाना से जुड़ा है। यहां रविवार को बहादुरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत दो चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ कुल छह आरोपियों को बहादुरगंज पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को थाना परिसर में नियमानुसार अभिरक्षा में रखा गया था। उक्त अवधि में बहादुरगंज थानाध्यक्ष की अनुपस्थिति में उनमें से एक आरोपी पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। घटना की सूचना एसपी सागर कुमार को प्राप्त होते ही एसपी ने अंचल पुलिस निरीक्षक बहादुरगंज से तत्काल प्राथमिक जांच करवाई। सर्किल इंस्पेक्टर के जांच प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि आरोपी को सिरिस्ता में बिना किसी प्रभावी सुरक्षात्मक व्यवस्था के लापरवाहीपूर्वक रखा गया था। जिसे एसपी सागर कुमार ने पुलिसकर्मियों की लापरवाही माना और एक साथ पूरे थाने पर ही कार्रवाई कर दी। उन्होंने थानाध्यक्ष को छोड़ 12 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया। निलंबित किए जाने वाले पुलिसकर्मियों में अवर निरीक्षक रामबाबू चौधरी,अवर निरीक्षक अंजनी तिवारी, अवर निरीक्षक जिक्रुल्लाह, अवर निरीक्षक सूरज कुमार, अवर निरीक्षक सावित्री कुमारी, सिपाही जितेंद्र झा, सुरेन्द्र कुमार सुमन शामिल है। इसके अलावा चौकीदार अर्पण कुमार, अशोक लाल, पांडव लाल, विष्णु प्रसाद और सुखदेव शामिल हैं।

गंडक नदी में डूबने से युवक की हुई मौत, दूसरे की तलाश में जुटे ग्रामीण

निज संवाददाता | बेगूसराय

बेगूसराय के वीरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सोमवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे बूढ़ी गंडक नदी में दो अलग-अलग जगहों पर डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं दूसरे का तलाश जारी है। पहली घटना राजापुर सिकरहुला बूढ़ी गंडक नदी की है। यहां भवानंदपुर पंचायत के वार्ड नंबर 16 निवासी 50 वर्षीय संजीव पासवान की मौत डुबने से हुई। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार वे स्नान के लिए राजापुर बूढ़ी गंडक नदी में गये थे। जिसमें संजीव पासवान का पैर फिसलने के कारण गहरे पानी में चले जाने से उसकी मौत हो गई। स्थानीय ग्रामीण ने उनके शव को नदी से बाहर निकाला। घटना की सूचना पाकर थाना अध्यक्ष संजीव कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंच कर मामले की पड़ताल में जुटे हुए हैं। वहीं प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि अमृतेश कुमार, उप प्रमुख सुबोध पासवान, मुखिया दीपक कुमार, वार्ड सदस्य अमित पासवान आदि ने पीड़ित परिवार से मिलकर सांत्वना दी। वहीं दूसरी घटना मलह डीह बूढी गंडक नदी की है। यहां जितेंद्र सहनी की 10 वर्षीय पुत्री दर्पण कुमारी उर्फ शिवानी कुमारी स्नान करने के दौरान डूब गई। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार चार बच्चों के साथ वह नदी में स्नान कर रही थी। इसमें तीन बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। वहीं नदी में डूबे दर्पण कुमारी उर्फ शिवानी की स्थानीय गोताखोरों द्वारा खोजबीन जारी है।

प्रशांत किशोर ने सीएम नीतीश को दिया 1 महीने का अल्टीमेटम

निज संवाददाता | पटना

जन सुराज पार्टी ने सोमवार को एक अहम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बिहार की राजनीति में विपक्ष की भूमिका, राज्य सरकार की योजनाओं की नाकामी और जातीय जनगणना जैसे मुद्दों को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े किए। प्रेस कॉन्फ्रेंस में पार्टी संस्थापक प्रशांत किशोर और अध्यक्ष मनोज भारती मौजूद रहे। प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में आज विपक्ष केवल नाम का रह गया है। 'जो विपक्ष सत्ता में नहीं है, वह भी केवल सरकार में आने का इंतजार कर रहा है। जनता की आवाज उठाने में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। जन सुराज पार्टी ने तीन जनसरोकार से जुड़े बड़े मुद्दों जातीय जनगणना, रोजगार सहायता योजना, और भूमि सर्वे पर सरकार को कटघरे में खड़ा किया। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि जातीय जनगणना का उपयोग सामाजिक लाभ पहुंचाने के बजाय राजनीतिक ध्रुवीकरण के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि, 'बिहार में जातीय जनगणना के आंकड़े जारी हुए लेकिन इससे जनता को कोई ठोस लाभ नहीं मिला। 34% लोग गरीबी रेखा से नीचे हैं और सिर्फ 5% से भी कम दलित-पिछड़े छात्र इंटर तक की पढ़ाई कर पाते हैं। पीके ने आरोप लगाया कि, 94 लाख परिवारों को 2 लाख रुपये की रोजगार सहायता देने का वादा अब तक कागजों तक सीमित है। पीके ने कहा कि, 'दो साल बाद भी एक भी परिवार को एक रुपया नहीं मिला। 39 लाख परिवारों को आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता का ऐलान हुआ था, लेकिन कितनों को मिला, सरकार चुप है। प्रशांत किशोर ने भूमि सुधार सर्वेक्षण को लेकर भी नीतीश सरकार पर निशाना साधा। '2013 से शुरू हुआ सर्वे अब तक सिर्फ 20% ही पूरा हुआ है। बिहार में भूमि विवाद अब हत्याओं की वजह बन रहे हैं और अधिकारी इसे धन उगाही का जरिया बना चुके हैं।

पति से झगड़े के बाद कमरे में मिली पूजा की लाश

निज संवाददाता | मुंगेर

फाईल फोटो

शादी के दस माह बाद ही नवविवाहिता ने ससुराल में ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कासिम बाजार थाना के अग्रवाल टोला निवासी प्रियम अग्रवाल की पत्नी पूजा अग्रवाल (19) ने रविवार की देर रात फांसी लगाकर जान दे दी। पति ने पुलिस को बताया बीतीं रात पूजा खाना खाने के बाद बाथरूम गई। काफी देर तक जब वह बाहर नहीं निकली तो खिड़की से झांक कर देखा तो वह मोबाइल से किसी को मैसेज कर रही थी। बाहर आने पर मोबाइल चेक किया तो वह किसी लड़के को मैसेज कर रही थी। यह बात खुल कर आया और मना करने पर गुस्से में वह अपने कमरे में जाकर सो गई। देर रात उठ कर देखा पूजा फंदा से लटकी है। कमरे का दरवाजा तोड़ कर उसके शव को स्वजन ने उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को लेकर घर पहुंचा और इसकी सूचना पुलिस को दी। थानाध्यक्ष रुबी कांत कच्छप ने बताया आत्महत्या की जानकारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार 10 जून 2024 को ही दोनों की हिन्दू रीति रिवाज के अनुसार शादी हुई थी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

डॉ अनुज सिंह की पहल

पटना (नि.सं.)। विधानसभा चुनाव के होने में कुछ महीने बचे हुए हैं। नवादा शहर एवं नवादा विधानसभा के विकास हेतु जन जागृति फाउंडेशन के संयोजक और समाजसेवी एवं शिक्षाविद डॉ अनुज सिंह के द्वारा लगातार लोगों से मिलने का सिलसिला निरंतर जारी है। गांव हो या शहर हो, वो लगातार लोगों से मिलकर नवादा विधानसभा में होने वाले चुनाव में अपनी सक्रिय भागीदारी को लेकर सहयोग करने की अपील करते दिख रहे हैं। इतना ही नहीं उनकी समस्याओं को भी जानने का प्रयास कर रहे हैं। बीते रविवार को जिला के नारदीगंज बाजार के विभिन्न स्थलों पर छोटे से लेकर बड़े व्यापारी वर्ग से मिलकर उनकी परेशानियों को जाना। जहां उन्होंने जनसंवाद को संबोधित करते हुए कहा कि आज तक जो भी यहां के जन प्रतिनिधि हुए हैं, उन्होंने केवल अपनी सुख सुविधा लेने का काम किया। जनता के बीच जाकर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किसी ने नहीं किया है। हमने यह जन जागृति अभियान आने वाले विधानसभा चुनाव 2025 के लिए चलाया है, ताकि आप सभी एक ऐसे जनप्रतिनिधि को चुनकर विधानसभा भेजें जो आपके बीच का हो, जो आपकी परेशानियों को समझे। हम वैसा करेंगे, जिससे यहां के लोगों को रोजगार मिल सके। स्वास्थ्य का समुचित उपाय हो, कृषि समस्याओं का समाधान हो, साथ ही साथ नवादा के जन-जन की सुरक्षा हो। उन्होंने अपने संवाद में मौके पर उपस्थित ग्रामीणों से आने वाले विधानसभा चुनाव में साथ देने की अपील की ताकि एक सशक्त जनप्रतिनिधि के रूप में नवादा विधानसभा का प्रतिनिधित्व मजबूती से कर सके। हम नवादा को राष्ट्रीय स्तर पर एक विकसित जिला के रूप में देखना चाहते हैं और यह तभी संभव होगा जब जनता जनार्दन का हमें सहयोग मिलेगा। हमारा काम जाति धर्म से ऊपर उठकर नवादा का विकास होगा। आज नवादा की बदहाली के लिए यहां के जनप्रतिनिधि जिम्मेदार है। मैं जनता जनार्दन को यह विश्वास दिलाता हूं कि अगर आपका सहयोग हमें मिला तो निश्चित आपके विश्वास पर खड़ा रहूंगा। मेरा प्रयास है कि हम नवादा के हर गांव जाकर लोगों को जगाने का काम करें, इसलिए यह अभियान चलाया जा रहा है। मौके पर मौजूद कोसला पंचायत के पूर्व मुखिया रविंद्र सिंह ने कहा कि हम तमाम बुजुर्गों, युवाओं एवं महिलाओं से अपील करते हैं कि आने वाला चुनाव में डॉ अनुज को पूरे तन मन से सहयोग करें ताकि आपकी क्षेत्र का समुचित विकास हो सके। वहीं समाजसेवी अनिल कुमार सिंह नारदीगंज प्रखंड के सभी व्यापारियों से अपील किया कि आप सभी मिलकर एकजुट होकर डॉ अनुज को मतदान करें ताकि बाजार की सुरक्षा की उचित व्यवस्था की जाए। मौके पर जनसंवाद यात्रा में चल रहे त्रिवेणी एजुकेशनल वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष, टी के ऑटोमोबाइल के प्रोपराइटर संजय कुमार सिंह ने भी लोगों से एकमत होकर विधानसभा चुनाव में मतदान करने की अपील किया। मौके पर रामेगांव के विपिन सिंह, अजय कुमार, सुनील कुमारवर्मा, उदय कुमार, अनुग्रह सिंह, पंकज कुमार,रामसागर सिंह मियां बीघा, विपिन कुमार पैक्स अध्यक्ष नारदीगंज पंचायत, डॉ जेपी चौधरी बस्ती बीघा, नारदीगंज हाई स्कूल पूर्व प्राचार्य श्रीकांत सिंह, प्रभंजन कुमार सादीपुर, सफीर खान भदौनी, पचाढ़ा पंचायत के पूर्व मुखिया महेश कुमार,मोहम्मद फैयाज अहमद उर्फ प्यारे जी भदौनी,साबिर हुसैन चिरैयां, पंकज कुमार, विपिन कुमार, बंटी कुमार रामे,युवा नेता चंदन सिंह, नारदीडीह सेवानिवृत शिक्षक प्रवीण कुमार, मुकेश सिंह केना, रामाधीन सिंह पड़रिया, राहुल रंजन, अनिता कुमारी, निशा कुमारी, मधु देवी, रेणु देवी, राधा देवी, विकास कुमार, राजेश कुमार, दिलीप कुमार, विपिन कुमार, अरुण कुमार, पारस कुमार, डॉ संजय कुमार, मनोज कुमार, विपुल कुमार, इस कुमार, अभय सिंह, सुनील कुमार, सोनू कुमार, संजीत कुमार, नरेंद्र कुमार सहित हजारों की संख्या में अनुज समर्थक भ्रमण करते दिख रहे थे।

सप्तर्षि कॉलेज में नामांकन शुरू

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के अमावां मोड़ स्थित सप्तर्षि डिग्री कॉलेज में सत्र 2025-29 के लिए बीए एवं बीएससी के सेमेस्टर-1 का एडमिशन की प्रकिया शुरू हो गया है। रजौली के एकमात्र डिग्री कॉलेज होने के कारण आसपास के छात्र-छात्राओं को अपनी पढ़ाई पूरी करने में काफी सहूलियत होता है। कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य दिनेश कुमार ने बताया कि रजौली एवं आसपास के क्षेत्रों के छात्र-छात्राओं के लिए डिग्री कोर्स के लिए नामांकन की प्रक्रिया 24 अप्रैल से शुरू होना है। एडमिशन की अंतिम तिथि 2 मई निर्धारित की गई है। नामांकन हेतु इच्छुक आवेदक मगध विश्वविद्यालय बोधगया के वेबसाइट www.Magadh University.ac.in पर अपना आवेदन करें।वहीं सप्तर्षि डिग्री कॉलेज में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं को ऑनलाइन करते समय सप्तर्षि डिग्री कॉलेज का नाम प्रथम स्थान पर रखेंगे।

गर्भवती महिलाओं का किया स्वास्थ्य जांच

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज में सोमवार को प्रधानमंत्री मातृत्व सुरक्षित अभियान आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के तहत प्रखंड के विभिन्न गांवों के 38 गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य जांच किया गया। चिकित्सक ने गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार लेने की सलाह दिये।लैब टेक्नीशियन जितेन्द्र कुमार व आशुतोष कुमार ने उपस्थित महिलाओं को खून, रक्तचाप समेत अन्य जांच किया। मौके पर डा0 इंद्रदेव कुमार, डा. डी.के. दत्ता समेत अन्य रहे।

बिजली चोरी में दो के विरुद्ध मामला दर्ज

नारदीगंज (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के अब्दलपुर गांव में बिजली विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को छापेमारी की। कनीय अभियंता नवीन कुमार सिंह, जेएलएम अनन्त कुमार व मानव बल मो. इरफान ने संयुक्त रूप से छापेमारी की। इस दौरान इस गांव में अनवरी खातून व साजिद मियां के माध्यम से बाईपास बिजली का उपयोग करते हुए पाए गए। बिजली विभाग के कनीय अभियंता नवीन कुमार सिंह कहा इस मामले में अनवरी खातून के विरुद्ध 30 हजार 238 रुपये व साजिद मियां के विरुद्ध 31 हजार 134 रुपये अर्थदंड लगाते हुए नारदीगंज थाना में मामला दर्ज किया गया है।

बनेगा आधुनिक शवदाह गृह

नवादा (नि.सं.)। नवादा नगर परिषद क्षेत्र में शहरी शवदाहगृह योजना पर अमल किया जाएगा। इसको लेकर बजट में 1.50 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसे स्वीकृति प्रदान कर दी गयी है। शीघ्र ही इस योजना पर अमल किया जाएगा। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए शहरी शवदाहगृह योजना पर अमल की तैयारी है, जिस पर नवादा नगर परिषद की मुख्य पार्षद पिंकी कुमारी समेत उप मुख्य पार्षद कंचन विश्वकर्मा तथा सभी सशक्त स्थायी समिति एवं वार्ड पार्षदों की सर्वसम्मति से अनुमोदित कर दिया गया है। नगर निकाय में विद्युत संचालित शवदाहगृह बनाने की यह योजना अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सुगम और सुविधाजनक बनाने पर केन्द्रित है। यह योजना विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में लागू किए जाने का नियम है, जहां पारम्परिक अंतिम संस्कार की जगहें सीमित हो गयी हैं अथवा पर्याप्त रूप से सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पाती हैं। पर्यावरण संरक्षण का प्रखर उद्देश्य है निहित अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के अलावा शवदाहगृह में दाह संस्कार की प्रक्रिया को कम समय में और सुविधाजनक तरीके से पूरा करने का भी उद्देश्य निहित है। नवादा नगर परिषद की मुख्य पार्षद पिंकी कुमारी ने योजना की जानकारी देने के क्रम में बताया कि 1.50 करोड़ की इस योजना का निहितार्थ यह भी है कि पर्यावरण संरक्षण को बल मिले। विद्युत शवदाहगृह लकड़ी के शवदाहगृह की तुलना में कम प्रदूषण करते हैं, जिस कारण सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी लाभ होता है। शहरी क्षेत्रों में शवदाहगृहों को स्थापित करने की सोच इसलिए बनी ताकि अंतिम संस्कार की प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और स्वच्छता से किया जाना संभव हो सके। आवास और बुनियादी ढांचे का विकास भी संभव शवदाहगृहों के निर्माण से आसपास के क्षेत्रों में आजीविका के अवसर और बुनियादी ढांचे का विकास भी संभव हो सकेगा। शवदाहगृह के समीप अंत्येष्टि संबंधी सामग्री की दुकानें खुल जाने का लाभ अनेक लोगों को रोजगार के रूप में मिल सकेगा। शहरी शवदाहगृह योजना के तमाम लाभों के बीच यह महत्वपूर्ण लाभ सर्वोपरि माना जा रहा है यानी एक पंथ दो काज की गुंजाइश बन जाएगी।

आईसीडीएस की बैठक में डीएम ने दिया आवश्यक निर्देश

निज संवाददाता | नवादा

जिला पदाधिकारी, नवादा रवि प्रकाश की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला अभिसरण कार्य योजना/जिला पोषण समिति-सह-पोषण पखवाड़ा से संबंधित बैठक आयोजित की गई। सर्वप्रथम डीपीओ आईसीडीएस द्वारा पीपीटी के माध्यम से 0 से 06 वर्ष के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं से संबंधित आंकड़ों से जिला पदाधिकारी को अवगत कराया गया। जिला पदाधिकारी ने सभी सीडीपीओ से कुपोषित एवं अतिकुपोषित की पहचान से संबंधित आंकड़ों के संबंध में पृच्छा की, तो सीडीपीओ द्वारा बताया गया कि उपकरणों की उपलब्धता नहीं होने के कारण गुणवत्ता के साथ बच्चों की पहचान शत-प्रतिशत नहीं हो पा रही है। जिस पर जिला पदाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि जिस आंगनबाड़ी केंद्र में उपकरणों की कमी है, वे पास के आंगनबाड़ी केंद्र से उपकरण प्राप्त कर कुपोषित और अतिकुपोषित बच्चों की शत-प्रतिशत पहचान करना सुनिश्चित करें। इसके अतिरिक्त सभी सीडीपीओ को निर्देश दिया गया कि सभी HWC (Health & Wellness Center) एवं HSC (Health Sub Center) संस्था से समन्वय स्थापित कर उपकरणों की उपलब्धता कराते हुए अतिकुपोषित बच्चों की पहचान करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने डीपीओ आईसीडीएस को निर्देश दिया कि कुपोषित एवं अतिकुपोषित बच्चों की पहचान करने हेतु सर्वे कराएं एवं सर्वे कराकर तीन दिनों के अंदर रिपोर्ट तैयार करें। रिपोर्ट के आधार पर कुपोषित बच्चों (06 से 59 माह आयु वर्ग) की प्रबंधन प्रक्रिया के चरण शुरू करें, जिसके अंतर्गत चरण 01 में वृद्धि निगरानी (शरीर का वजन तथा लंबाई/ऊंचाई) और दोनों पैरों में सूजन की जांच, चरण 02 में भूख की जांच, चरण 03 में स्वास्थ्य की जांच (चिकित्सीय जटिलता की पहचान), चरण 04 में बाल संवर्धन कार्यक्रम में बच्चे का नामांकन कराना/एनआरसी रेफरल, चरण 05 में कुपोषित बच्चों के लिए पोषण प्रबंधन, चरण 06 में कुपोषित बच्चों का चिकित्सीय प्रबंधन, चरण 07 में पोषण, स्वास्थ्य और स्वच्छता व्यवहारों के लिए परामर्श, चरण 08 में बाल संवर्धन कार्यक्रम के दौरान पोषण एवं स्वास्थ्य की निगरानी, चरण 09 में बाल संवर्धन कार्यक्रम से डिस्चार्ज के मापदंड, चरण 10 डिस्चार्ज के उपरांत फॉलोअप करना। इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि कुपोषित बच्चों के बेहतर प्रबंधन के लिए कॉल सेंटर स्थापित कर बच्चों के अभिभावक को परामर्श देना सुनिश्चित करें। जिला पदाधिकारी द्वारा नवजात शिशु व गर्भवती महिला के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता में वृद्धि करने का निर्देश सभी सीडीपीओ को दिया गया। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र पर जागरूकता से संबंधित कार्यक्रम यथा अन्नप्राशन एवं गोद भराई जैसे कार्यक्रम में पुरुष की सहभागिता सुनिश्चित कराएं। साथ ही परिवार के सदस्यों विशेषकर पुरुष सदस्यों में यह जागरूकता लाना कि वे अपने घर में यह सुनिश्चित करें कि पहला निवाला गर्भवती महिला को मिले। गर्भवती महिलाओं को प्रोत्साहित करना कि वो समयानुसार भोजन करें ताकि उनके और उनके आने वाला बच्चा स्वस्थ रहे। बच्चा होने के बाद 06 माह तक केवल मां का दूध ही दें। सातवें माह से मां के दूध के साथ विविधता से भरा ऊपरी आहार देना अति आवश्यक है, क्योंकि सातवें माह से मां का दूध शिशु के उचित पोषण के लिए पूरा नहीं हो पाता है। इसके साथ ही दो वर्ष तक बच्चे को प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ एवं चीनी से दूर रखें। उन्होंने कहा कि इन सब के अतिरिक्त सबसे महत्वपूर्ण है - स्वच्छता। बच्चे की बेहतर विकास के लिए घर एवं घर के आसपास साफ-सफाई अति आवश्यक है। इस संदर्भ में विशेष जागरूकता की आवश्यकता है। अतः सभी सेविका/सहायिका, सीडीपीओ अपने स्तर से जागरूकता लाएं। इस बैठक में उप विकास आयुक्त नवादा, सिविल सर्जन नवादा, डीपीओ आईसीडीएस, प्रभारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी के साथ-साथ अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सभी प्रखंड समन्वयक, जिला प्रबंधक पिरामल, जिला परियोजना सहायक, पोषण अभियान आदि उपस्थित थे।

प्रखंड में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | पकरीबरावां (नवादा)

बिहार सरकार के द्वारा संचालित महिला संवाद कार्यक्रम के तहत सोमवार को प्रखंड के उत्तरी ग्राम पंचायत बड़ी तालाब में नोडल पदाधिकारी बीपीआरओ गौरव कुमार एवं जीविका का बीपीएम पूनम प्रजापति के देखरेख में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जीविका समूह के दीदी ने उत्साहित होकर कार्यक्रम में भाग लिया। बीपीएम पूनम प्रजापति ने बताया कि सरकार के महिला संवाद रथ में वीडियो के माध्यम से सरकार के द्वारा महिला उत्थान एवं महिला सशक्तिकरण से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं सरकार का सकारात्मक प्रयास से जुड़े योजनाओं का बताया गया साथ इन योजनाओं से महिला सशक्तिकरण एवं घर-घर जागरूकता लाने का भी संवाद किया गया। सरकार के द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में क्रियान्वित योजना महिला आरक्षण बालिका साइकिल योजना बालिका छात्रवृत्ति योजना जीव का परियोजना सतत जीवकॉपार्जन योजना मुख्यमंत्री पोशाक योजना सहित विभिन्न महिला सशक्तिकरण से जुड़े योजनाओं का विस्तार से बताया गया साथ ही लाभान्वित महिलाओं से जीवन में बदलाव की जानकारी लिया गया एवं आकांक्षा और मुद्दा रखा। महिलाओं से जानकारी लेते हुए उनके सुझाव तथा अपेक्षा सूचीबद्ध किया गया मौके पर पूनम प्रजापति गौरव कुमार क्षेत्रीय समन्वयिका आदर्श कुमार सामुदायिक समन्वयक लक्ष्मीनी कुमार पंचायत से जुड़े जीप का सम ऊ के दीदी महिला एवं ग्रामीण उपस्थित थे। महिला संवाद कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बीपी पूनम प्रजापति ने बताया कि या कार्यक्रम प्रखंड में 18 अप्रैल से 12 जून तक विभिन्न पंचायत के अलग-अलग जीव का समूह के बीच आयोजित की जाएगी।

कहुआरा का बेटा बना मिस्टर मिस फैशन फेयर

निज संवाददाता | नारदीगंज (नवादा)

प्रखंड के कहुआरा निवासी राजू कुमार गुप्ता ने जिले के साथ स्वजन को मान बढ़ाया। वह स्व. अनिल साव का पुत्र है। वह फैशन की दुनिया में अपनी खास पहचान बनाया है। इस पहचान के बदौलत उसने मिस किड्स फैशन फेयर 2025 का खिताब जीत कर अपने नाम कर लिया। जो गर्व की बात है। यह प्रतियोगिता 13 अप्रैल 2025 को पूर्णिया के बेलौरी में आयोजित मिस्टर मिस किड्स फैशन फेयर बिहार ग्रैंड फिनाले शो में हासिल हुई थी। इस उपलब्धि हासिल करने पर उसके माता पिता व शुभचिंतक गौरान्वित हुए हैं। इस प्रतियोगिता में 25 प्रतिभागी शामिल हुए थे। जिसमे प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना नाम रोशन किया। प्रशिक्षक के रुप में रजनीश राज रहे। उन्होंने कहा दो वर्षों से लगातार अभ्यास कर रहा था। यह उपलब्धि उसके अथक मेहनत और आत्मविश्वास के बदौलत हासिल किया है। राजू के यह मुकाम आसपास के बच्चे के लिए प्रेरणा स्रोत है।

सेवानिवृत जिला शिक्षा पदाधिकारी और उनकी पत्नी को कमरे में बंद कर चोरों ने जमकर मचाया उत्पात

निज संवाददाता | (रजौली) (नवादा)

थाना क्षेत्र के गोपालनगर मोहल्ले में बीते रविवार की रात्रि लगभग 2 बजे सेवानिवृत जिला शिक्षा पदाधिकारी अवधेश प्रसाद के घर में पांच की संख्या में रहे अज्ञात चोर खिड़की के ग्रिल को काटकर घर में प्रवेश किया। वहीं घर के एक कमरे में सो रहे जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं उनकी पत्नी को बाहर से दरवाजा बंद कर दिया एवं अन्य कमरों में जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान पांच लाख रूपये के सोने के जेवरात एवं नगदी लगभग तीस हजार रुपए की चोरी कर सभी चोर चंपत हो गए।

क्या कहते हैं पीड़ित :

सेवानिवृत जिला शिक्षा पदाधिकारी अवधेश प्रसाद ने बताया कि सुबह-सुबह वे प्रतिदिन सुबह पांच बजे टहलने के लिए घर से निकलते हैं। सोमवार की सुबह उनके मोबाइल पर एक साथी का कॉल आया, जिसके बाद वे पत्नी को उठाए। किंतु कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। वहीं पड़ोसी शिक्षक संजीव को कॉल करके दरवाजा खोलने को कहा। सूचना पाकर पड़ोसी ने मुख्य दरवाजा बंद पाया और खिड़की टूटी हुई थी। पड़ोसी टूटी खिड़की से अंदर प्रवेश करके हमारे कमरे को खोला। कमरे से बाहर निकलते ही देखा कि घर के अन्य कमरों के अलमारी वगैरह टूटा हुआ था एवं सामान आदि बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने बताया कि उनके घर से लगभग चार से पांच लाख रुपए मूल्य के सोने के झुमका, चैन आदि जेवरात गायब है। वहीं बैंक से निकाल कर रखे गए तीस हजार रुपए भी गायब है।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए पांच चोर :

सेवानिवृत जिला शिक्षा पदाधिकारी ने बताया कि उनके घर में कुल 6 सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है, जिसमें दो कैमरों को तोड़कर नष्ट कर दिया गया एवं कुछ कैमरों के दिशा को बदल दिया गया था। सीसीटीवी फुटेज में पांच अवांछित लोगों के घर में प्रवेश व निकलने का मामला सामने आया है। चोरों ने उत्तर दिशा के ग्रिल को काटकर घर में प्रवेश किया और दक्षिणी दिशा में सो रहे दंपति को बंदकर चुपके से चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

क्या कहते हैं थानाध्यक्ष :

इस बाबत थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि चोरी की घटना को लेकर सूचना मिलने पर वे घटनास्थल पर पहुंच उसका भौतिक निरीक्षण किया। साथ ही पीड़ित द्वारा लिखित आवेदन के आलोक में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। थानाध्यक्ष ने बताया कि चोरी को लेकर पुलिस छानबीन कर रही है। वहीं पुलिस सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य साक्ष्यों की गहनता से जांच कर रही है। जल्द ही चोरी में शामिल सभी अपराधकर्मी पुलिस गिरफ्त में होने की बात कही है।

भूसड़ी एवं बलिया के जीविका ग्राम संगठन में महिला संवाद में 400 महिलाएं हुई सम्मिलित, वृद्धा पेंशन में की जाए बढ़ोत्तरी

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र के रजौली पश्चिमी पंचायत के भूसड़ी एवं सिरोडावर पंचायत के बलिया गांव के जीविका ग्राम संगठन में महिला संवाद का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 400 से अधिक महिलाएं सम्मिलित हुईं।इस दौरान नोडल पदाधिकारी सह प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी राजकमल भारती व राकेश कुमार के अलावे जीविका बीपीएम मनीष कुमार मौजूद रहे। बीपीएम ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि महिला संवाद जमीनी स्तर पर सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं में जागरूकता का कार्यक्रम है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं की जानकारी को बढ़ावा मिलेगा और अधिक से अधिक लोग इससे लाभान्वित होंगे। साथ ही महिला संवाद में उठाए गए मांग को प्राथमिकता और सरकार को योजना निर्माण में मदद मिलेगी कार्यक्रम में एलईडी वैन के माध्यम से सरकार द्वारा चलाई जा रही। विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। भूसडी की रहने वाली शीतल कुमारी बताती हैं कि इनको सरकार के तरफ से छात्रवृति, साइकल और पोशाक योजना का लाभ प्राप्त हुआ है, अब वो 9वीं कच्चा में पढ़ती हैं और उच्च शिक्षा प्राप्त कर नौकरी करना चाहती हैं। वहीं रीना देवी कहती हैं कि शौचालय निर्माण हेतु रु 12000 प्राप्त कर घर में शौचालय बनवाई है, जिससे घर की बेटी बहु को बाहर सोच के लिए नहीं जाना पड़ता है। प्रमिला देवी को महिला आरक्षण का लाभ मिला और वो विकाश मित्र के पद पर कार्य कर रही हैं। 62 वर्षीया सूमा देवी ने बताया कि रु 400 प्रति माह वृद्धा पेंशन मिलता है, महंगाई को देखते हुए सरकार को रु 1500 करना चाहिए। बलिया की रहने वाली ऊषा देवी ने बताया कि गांव में रोजगार का अभाव है, एक सिलाई सेंटर हो जाने से महिलाओं को रोजगार मिलेगा। कार्यक्रम में उपस्थित दर्जनों जीविका दीदीयों ने अपनी सफलता की कहानी सुनाई और अपना अनुभव साझा किया, जिससे अन्य महिलाओं को प्रेरणा मिलेगी। कार्यक्रम में कई अन्य महिलाओं द्वारा भी गांव के लिए मांगे रखी गई। सभी मांगो को एमआईएस पोर्टल के माध्यम से कलमबंद करते हुए मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों ने सरकार द्वारा योजना निर्माण में शामिल किए जाने का आश्वासन दिया।दोनों कार्यक्रम में लगभग 400 महिलाओं, बच्चियों एवं अन्य ने इस में भाग लिया। इस मौके पर जीविका से विभूति नारायण तिवारी, जैनेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक, सत्येंद्र रविदास, सरिता कुमारी एवं चंदन कुमार के अलावे सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

उर्वरक विक्रेताओं का पन्द्रह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

कृषि विज्ञान केंद्र, ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा में सोमवार को खाद व उर्वरक विक्रेताओं के लिए 15 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम निर्माण मण्डल सर्वोदय आश्रम सोखोदेवरा के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार, कृषि विज्ञान केंद्र के वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ० जयवंत कुमार सिंह, केवीके के वैज्ञानिक रविकांत चौबे, रौशन कुमार, कोर्स संचालक डॉ० शशांक शेखर सिंह, सुमिताप रंजन एवं अनिल कुमार के द्वारा संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। वैज्ञानिकों से प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न प्रकार के नए उर्वरकों की जानकारी के साथ-साथ समेकित पोषक तत्व एवं मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन की जानकारी प्रशिक्षुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। वहीं उन्हें गुणवत्तापूर्ण उर्वरक के पहचान, फसलवार उर्वरकों की मात्रा, मिट्टी में पोषक तत्व की कमी के लक्षण, मृदा जांच के लिए मिट्टी नमूना लेने की विधि आदि की भी जानकारी दी जाएगी। मौके पर अंगद कुमार, पिन्टू पासवान, श्रवण रविदास आदि मौजूद थे।

तीन फरार वारंटियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, भेजे गए जेल

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

थाना क्षेत्र के धमनी पंचायत के कुम्हरुआ गांव एवं रजौली पूर्वी पंचायत के धुरगांव से पुलिस बलों ने फरार चल रहे तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर राजेश कुमार ने बताया कि विभिन्न कांडों में फरार चल रहे तीन अभियुक्तों के विरुद्ध कोर्ट द्वारा वारंट निर्गत किया गया था। कोर्ट द्वारा निर्गत वारंट के आलोक में गुप्ता सूचना के आलोक में पुलिस बलों ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार वारंटियों की पहचान कुम्हरुआ गांव निवासी कालेश्वर यादव के पुत्र गोरेलाल यादव व वादो ठाकुर के पुत्र चंदू ठाकुर एवं धुरगांव गांव निवासी मो. इसहार अंसारी के पुत्र मो. इदरीस अंसारी के रूप में हुआ है। थानाध्यक्ष ने बताया कि सोमवार को गिरफ्तार तीनों वारंटियों का स्वास्थ्य जांच अनुमंडलीय अस्पताल में करवाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

नालियों में रिसाव से सड़कों पर बह रहे गंदे पानी से लोगों को हो रही परेशानी

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

नगर पंचायत क्षेत्र के डाकबंगला चौराहा से थोड़ी दूर पर स्थित सरजू धाम मंदिर के पास सड़क पर नालियों का गंदा पानी विगत एक माह से बह रहा है, जिससे राहगीरों के साथ-साथ आसपास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। नगर पंचायत क्षेत्र में आधुनिक तरीके का उपयोग करते हुए लाखों रुपए खर्च करके बनाए गए नालियों की स्थिति जर्जर दिखाई पड़ रही है। नालियों को सड़क से ऊंचाई पर तो बना दिया गया, किंतु उसके गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है। इस कारणवश नालियों में घरों एवं दुकानों का बहने वाला गंदा पानी लीकेज होकर सड़क पर गिर रहा है। महीनों से सड़कों पर बह रहे गंदे पानी से दुर्गंध तो आता ही है।वहीं मंदिर में पूजा करने वाले श्रद्धालुओं को भी काफी परेशानी हो रही है। स्थानीय लोगों द्वारा नगर पंचायत प्रशासन एवं संबंधित वार्ड पार्षद को इसकी सूचना भी दिया जा चुका है। किंतु एक माह से भी अधिक समय बीत जाने के बाद, किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हुई है। नगरवासी राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि सड़कों पर बहते पानी से आने जाने वाले लोगों के साथ-साथ छोटे बच्चों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार तो बाइक सवारों और राहगीरों के बीच पानी के छींटे पड़ने की वजह से झगड़ा तक हो जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस भीषण गर्मी में नालियों की यह दशा है, तो बरसात के समय में और भी भयानक परिणाम हो सकते हैं। सड़कों पर बहते नालियों के पानी से अलकतरा से बने सड़क भी छिन्न-भिन्न होते जा रहे हैं। नगरवासियों द्वारा कहा जा रहा है कि सरकार द्वारा बेहतर ड्रेनेज सिस्टम के लिए करोड़ों रुपए का फंड आवंटित किया जा रहा है, जिसका दुरुपयोग रजौली नगर पंचायत में देखने को मिल रहा है। इस दशा में सुंदर और स्वच्छ नगर पंचायत की कल्पना करना बेइमानी साबित हो रहा है।

क्या कहते हैं पदाधिकारी :

इस बाबत नगर पंचायत पदाधिकारी राजेश ने बताया कि मामला संज्ञान में नहीं था। साथ ही बताया कि मंगलवार को नगर पंचायत प्रशासन की टीम जाकर स्थल निरीक्षण कर समस्या का समाधान कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता सतीश भट्ट ने की प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात

आरा। आरा नई दिल्ली में चुनाव आयोग द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण से लौटने के बाद भाजपा नेता सतीश कुमार भट्ट ने भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल से मुलाकात की। श्री भट्ट ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात के दौरान अपनत्व, स्नेह व आशीर्वाद के साथ-साथ पार्टी की मजबूती व आगामी चुनाव के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। गौरतलब हो कि भाजपा के प्रदेश नेतृत्व ने वर्तमान में श्री भट्ट को शाहपुर विधानसभा का बीएलए- 1 बनाया है। प्रदेश भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने श्री भट्ट को भोजपुर जिले से प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए नई दिल्ली भेजा था। श्री भट्ट ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण काफी उपयोगी व ज्ञानवर्धक रहा। प्रशिक्षण में चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची व मतदान केन्द्रों पर बीएलए-1 की भूमिका पर चर्चा हुई। श्री भट्ट ने कहा है कि हमारी पार्टी चुनावी पारदर्शिता व संविधान में निहित लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति हमेशा प्रतिबद्ध रहती है। चुनाव आयोग का यह प्रशिक्षण लोकतंत्र को और मजबूत व सशक्त बनाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात करते सतीश भट्ट

29 आरोपित गिरफ्तार, 604 वाहनों पर जुर्माना

आरा| भोजपुर पुलिस ने समकालीन अभियान चलाकर 24 घंटे में 29 आरोपियों को गिरफ्तार किया। ये सभी हत्या, रंगदारी और आर्म्स एक्ट जैसे मामलों में शामिल थे। पुलिस ने सभी को जेल भेज दिया। अभियान के दौरान 604 वाहनों की जांच की गई। यातायात नियम तोड़ने पर वाहन मालिकों से 4 लाख 22 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया। एसपी राज ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि जिले के सभी थाना क्षेत्रों में यह अभियान चलाया गया। शराब के खिलाफ कार्रवाई में पुलिस ने 2100 लीटर महुआ पाश को नष्ट किया। भोजपुर पुलिस का यह अभियान लगातार जारी रहेगा। अपराध और शराब तस्करी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आरोपियों की गिरफ्तारी और शराब की बरामदगी हो रही है।

नागरी प्रचारिणी सभागार में महिला के लिए यूरिनल नहीं

आरा| नागरी लिपि के प्रचार और हिंदी साहित्य के विस्तार के लिए आरा में नागरी प्रचारिणी सभागार है। इसमें जिला केंद्रीय पुस्तकालय भी है। सभागार में अक्सर सरकारी व गैर-सरकारी सम्मेलन कार्यक्रम होते हैं। सभागार के देखरेख और संचालन की पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है। दो-तीन वर्ष पूर्व नागरी प्रचारिणी सभागार का रंग-रोगन कराया गया था। जिला प्रशासन ने सभागार का किराया प्रतिदिन 8000 का तय किया गया है। राजनीतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और कई तरह के समागम, सम्मेलन और कार्यक्रम कराए जाते हैं। लेकिन राजस्व प्राप्ति के बावजूद भी इस सभागार में पेयजल, शौचालय और महिला यूरिनल की कोई व्यवस्था नहीं है। पेयजल के लिए पूर्व में चापाकल और नल लगाया गया था। लेकिन अब ना चापाकल है और ना नल में टोटी बचा है। पूर्व में दो-तीन स्थानों पर चापाकल लगा था। नागरी प्रचारिणी सभागार में कहीं भी पानी की व्यवस्था नहीं है। सिर्फ पुस्तकालय में सबमर्सिबल पंप लगा है। पुरूष यूरिनल की व्यवस्था है। लेकिन महिला यूरिनल नहीं है। कार्यक्रम में आने वाले लोगों को काफी परेशानी होती है। उन्हें पानी और यूरिनल के लिए इधर-उधर भटकना पड़ता है।

श्रीकृष्ण लीला के लिए निकली शोभायात्रा का हुआ नगर भ्रमण

आरा। रामलीला मैदान में होने वाली डिजिटल श्रीकृष्ण लीला को लेकर रविवार को शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा गांगी सूर्य मंदिर से शुरू हुई। मीरगंज, पुरानी अदालत, चौक आर्य पथ रोड, बड़ी चौक, जेल रोड, शिवगंज, बड़ी मठिया, महादेवा रोड, धर्मन चौक, चित्रटोली रोड, टाउन थाना होते हुए रमन रोड से रामलीला मैदान पहुंची। शोभायात्रा में श्रद्धा, भक्ति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। रामलीला मैदान में आज 21 अप्रैल से डिजिटल श्रीकृष्ण लीला का शुभारंभ होगा। यह आयोजन 25 अप्रैल तक चलेगा। पांच दिन तक प्रतिदिन शाम को भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीला, कालिया नाग मर्दन, गोवर्धन पूजा, रास लीला और महाभारत युद्ध का मंचन होगा। मंचन अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक से किया जाएगा। शोभा यात्रा के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था भी चुस्त दुरुस्त दिखी। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती भी की गई थी। शहर के मुख्य मार्गों पर शोभायात्रा देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। लोग मोबाइल से झांकियों की तस्वीरें और वीडियो बनाते दिखे। महिला, पुरुष, बच्चे और बुजुर्ग सभी उत्साहित नजर आए। शोभायात्रा पर जगह-जगह पुष्प वर्षा की गई। शोभायात्रा में कोषाध्यक्ष अरुण कुमार, महासचिव आदित्य विजय जैन, सह कोषाध्यक्ष पंकज प्रभाकर, प्रतीक चंद्रवंशी, राजीव कुमार गुड्डू, अभिजीत आनंद, प्रतिक राज, अमरेन्द्र कुमार उर्फ छोटू, स्वागत समिति के निशांत नैय्यर उर्फ राजन नैय्यर, राहुल चौरसिया, विशाल गुप्ता, विशाल सिंह और आलोक अंजन, पर्यावरण प्रेमी आनंद, शामिल रहे। सुरक्षा और मैदान व्यवस्था की जिम्मेदारी राजेश कुमार, सुजीत सिंह और रणवीर ने संभाली। झांकी में दिखी अद्भुतकलाकारी शोभायात्रा में सबसे आगे करीब 200 श्रद्धालु पीले कुर्ते में भक्ति गीतों की धुन पर झूमते और जयकारा लगाते चल रहे थे। उनके पीछे झांकियों की श्रृंखला थी। भगवान शिव-पार्वती, मां काली, श्रीकृष्ण गोपियों संग नृत्य करते, राम-लक्ष्मण, सीता और हनुमान की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। ट्रैक्टर पर भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित थी। रास्ते में थी पेयजल की व्यवस्था शोभायात्रा में शामिल भक्तों का जगह-जगह स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कई स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था की गई थी। शहर के चौक आर्य पथ स्थित घुन्सी राम धर्मशाला, महादेवा रोड स्थित डॉ. पीसी कंप्यूटर सेंटर और टाउन स्कूल के पास पेयजल वितरण की विशेष व्यवस्था की गई थी।

नाला निर्माण पर पूर्व सीनेटर ने जताया आपत्ति

आरा| वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के न्यू कैंपस में बन रहे मेडिकल कॉलेज का निर्माण तेजी से चल रहा है। कॉलेज को विश्वविद्यालय की कुल 40 एकड़ जमीन में से 25 एकड़ जमीन दी गई है। इसके बावजूद कॉलेज द्वारा विश्वविद्यालय की जमीन पर अतिक्रमण किया जा रहा है। यह अतिक्रमण कभी रास्ता बनाने के लिए किया जा रहा है तो कभी नाले के निर्माण के लिए किया जा रहा है। पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन ने डीएम को पत्र लिखकर विश्वविद्यालय की जमीन पर नाला निर्माण करने पर आपत्ति जताया है। तत्काल प्रभाव से नाला निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है। कहा है कि जब विश्वविद्यालय द्वारा मेडिकल कॉलेज के निर्माण के लिए भूमि दे दिया गया है तब विश्वविद्यालय की जमीन पर क्यों सड़क एवं नाले का निर्माण कराया जा रहा है।

शिविर में 6 हजार लोगों को मिला लाभ

आरा। जिले के सभी प्रखंडों के 113 महादलित टोलों में विशेष शिविर लगाए गए। ये शिविर डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत आयोजित किए गए। जिलाधिकारी तनय सुलतानिया के निर्देश पर लगे इन कैंपों में सरकार के 22 विभागों की योजनाओं से जुड़ी सेवाएं दी गईं। शिविर में कुल 17,288 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 6,004 आवेदनों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शेष आवेदनों के शीघ्र निष्पादन के लिए जिलाधिकारी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। अभियान का उद्देश्य है कि अगले दो महीनों में जिले के सभी महादलित टोलों को शत-प्रतिशत सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए। ताकि कोई भी पात्र लाभुक योजना से वंचित न रहे। इन शिविरों की निगरानी वरीय पदाधिकारी कर रहे हैं। ताकि योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सही तरीके से पहुंचे। जिलाधिकारी के निर्देश पर महादलित टोलों की प्रमुख मांगों जैसे पीसीसी सड़क, नाला, सामुदायिक भवन और पुस्तकालय निर्माण को भी प्रशासनिक स्वीकृति दी जा रही है। इससे महादलित समुदायों के समग्र विकास को गति मिलेगी।

मारुति नगर- उजियार टोला मुख्य मार्ग से जलजमाव हटाएं, नाली बनाएं

आरा|शहर में मारुति नगर और उजियार टोला मुहल्लों को जोड़ने वाले मुख्य मार्ग पर कई दिनों से जलजमाव है। जलजमाव का मुख्य कारण यहां नाली का निर्माण नहीं करना है। फलतः मुहल्ला के मकानों का गंदा पानी सड़कों पर ही गिरता है। अभी गर्मी में भी जलजमाव है। बरसात के दिनों में अधिक भयावह स्थिति होती है। इस गंभीर समस्या के प्रति आरा नगर निगम को तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। क्योंकि इस मुख्य मार्ग पर ट्रैकों से लेकर छोटी गाड़ियों तक का आवागमन होता है। लेकिन जलजमाव के कारण लोगों को आवागमन करने, बच्चों को पढ़ाई के लिए विद्यालय जाने और लोगों को कामकाज करने में काफी परेशानी होती है।

भोजपुर में शादी में अंधाधुंध फायरिंग, 2 की मौत-5 घायल

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में रविवार देर रात शादी में अंधाधुंध फायरिंग हुई। इसमें 2 युवकों की मौत हो गई, जबकि 2 बच्चे समेत 5 लोगों को गोली लगी है। घायलों में से 2 की हालत गंभीर है। सभी को इलाज के लिए सदर अस्पताल आरा और प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र के लहरपा गांव की है, जहां बारात के दौरान थार गाड़ी को साइड देने पर विवाद शुरू हुआ। इस विवाद को लोग सुलझा ही रहे थे कि 2 लोगों ने थार सवार युवकों को टारगेट कर गोलियां बरसाईं। बताया जा रहा है कि राइफल से 7 से 8 राउंड फायरिंग की गई। जिसमें गाड़ी पर बैठे दोनों युवकों की मौत हो गई। जबकि वहां मौजूद 5 लोगों को भी बुलेट और छर्रा लगा है। गोलीबारी का आरोप पूर्व मुखिया के बेटे बबलू सिंह पर लगा है, जो लहरपा गांव का रहने वाला है। बबलू पर ही फायरिंग के केस में मारे गए दोनों युवक जेल जा चुके थे। घटना की सूचना पर SP राज, पीरो SDPO अब्बू सैफी मुर्तजा समेत 6 थानों की

पुलिस मौके पर पहुंची। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

चेहरे पर मारी गोली, सिर से पार हुईः मृतकों की पहचान लहरपा गांव निवासी संजय कुमार सिंह के बेटे राहुल कुमार (24) और सुरेश सिंह के बेटे लवकुश कुमार (23) के तौर पर हुई है। राहुल को दायीं ओर सीने के नीचे गोली मारी गई, जो बाएं तरफ से निकल गई। जबकि लवकुश के चेहरे पर गोली लगी , जो सिर से आर-पार हो गई है। घायलों में अप्पू कुमार, पंकज कुमार, आर्यन उर्फ बिट्टू (5),

♦ गाड़ी साइड करने को लेकर शुरू हुआ विवाद, पुरानी रंजिश में 2 लोगों ने बरसाईं गोलियां

लवकुश और नारायणपुर थाना क्षेत्र के भलुनी निवासी अक्षय सिंह है। घायल पंकज को सीने में, अक्षय को गोली बाएं पैर में, अप्पू को गोली पेट में गोली लगी है।

थार सवार युवकों से साइड को लेकर हुआ विवादः घायल पंकज ने बताया, 'गांव में किसान सलाहकार कमलेश सिंह की बेटी की शादी हो रही थी। चरपोखरी थाना क्षेत्र के काउप गांव से बारात आई थी। बारात की गाड़ियां सड़क किनारे खड़ी थी। द्वार पूजा का कार्यक्रम हो रहा था। इसी बीच बारात में शामिल होने के लिए लहरपा गांव के दो लोग लवकुश और राहुल थार से गुजर रहे थे। भीड़ होने के कारण उन्होंने साइड मांगा। बारातियों ने साइड भी दे दिया।

भोजपुर में सोन नदी में डूबने से छात्र की मौत

निज संवाददाता। आरा

♦ घटना के बाद गुस्साए लोगों ने आरा-अरवल मार्ग किया जाम, मुआवजे की मांग

भोजपुर जिले के सहार थाना क्षेत्र में बालू घाट के पास सोन नदी में डूबने से एक छात्र की मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने मुआवजे की मांग को लेकर आरा-अरवल मार्ग को जाम कर दिया। लोगों का आरोप है इस इलाके में अवैध खनन किया जा रहा है। शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। रोड जाम की सूचना पर थानाध्यक्ष दीपक कुमार और अंचलाधिकारी राकेश शर्मा मौके पर पहुंचे। लोगों को समझा-बुझाकर जाम खुलवाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान खैरा गांव निवासी मुकेश कुमार के पुत्र गुलशन कुमार(14) के तौर पर हुई है। गुलशन 5वीं क्लास में पढ़ता था।

पैर फिसलने से हुआ हादसाः मृतक के चाचा संटू कुमार ने बताया कि 2 नंबर बालू घाट के पास मेरा भतीजा शौच करने गया था। इस दौरान पैर फिसलने से वो पानी में डूब गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर हमलोग मौके पर पहुंचे। घंटों मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। मां कुसुम देवी समेत परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा-पटना नेशनल हाईवे पर 2 ट्रकों की आपस में टक्कर

निज संवाददाता। आरा

आरा-पटना नेशनल हाईवे पर बालू लोडेड ट्रक सड़क किनारे ट्रक से टकरा गई। हादसे में एक ड्राइवर की मौत हो गई। जबकि खलासी को हल्की चोटें आईं हैं। इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना गीधा ओवरब्रिज के पास की है। मृतक राजाराम प्रसाद(54) उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले के रामपुर पट्टी गांव के रहने वाले थे। घायल की पहचान देवरिया जिले के रामपुर करखाना थाना क्षेत्र के बिशनपुर गांव निवासी नेजामुद्दीन सिद्दीकी के पुत्र भोलू सिद्दीकी(18) के तौर पर हुई है।

परिजनों का रो-रोकर बुरा हालः घायल भोलू ने बताया कि सहार थाना क्षेत्र के खैरा गांव स्थित घाट से ट्रक पर बालू लोड कर वापस कुशीनगर लौट रहे थे। इस दौरान गीधा ओवर ब्रिज के समीप सड़क किनारे खड़ी ट्रक में उनकी गाड़ी टकरा गई। हादसे में दोनों घायल हो गए। पुलिस ने दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ड्राइवर राजाराम की मौत हो गई। घटना की सूचना पर यूपी से परिजन भी आरा पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मृतक तीन भाई और दो बहन में दूसरे स्थान पर था। उनके परिवार में पत्नी सीमा देवी और इकलौती संतान सोनू है। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

भाजपा नेता अनुराग ठाकुर ने विपक्ष पर साधा निशाना

निज संवाददाता। आरा

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जयंती को लेकर बामपाली स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित अंबेडकर जयंती पखवाड़ा समारोह में शामिल हुए। जहां भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने जोरदार स्वागत किया गया। जिसके बाद शॉल,मोमेंटो और वीर कुंवर सिंह का प्रतीक तलवार देकर सम्मानित किया गया। अनुराग ठाकुर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और लोगों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में भाजपा के जिलाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, बड़हरा विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह, तरारी विधायक विशाल प्रशांत समेत अन्य दिग्गज नेता मौजूद थे ।

बीजेपी की नेतृत्व में बिहार में बनेगी NDA की सरकारः अनुराग ठाकुर ने बताया कि बिहार के प्रति नरेंद्र मोदी का प्रेम कही छिपा नहीं है। हजारों करोड रुपए के जो परियोजना है बिहार प्रदेश को दी है। बिहार और बिहार की जनता के प्रति यह एनडीए सरकार की कमिटमेंट है। फिर से बिहार में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनेगी। बिहार में विकास कार्य इनको आगे और गति दी जाएगी। बिहार की जनता ने जाना है जब से राजद की गठबंधन वाली जंगल राज की सरकार गई है तब से विकास हमारे बिहार में हुआ है। बिहार की जनता वापस कभी जंगल राज देखना नहीं चाहती है। वह विकास के लिए एनडीए के सरकार को ही चुनना चाहेगी ।

देश के दो बड़े राज्यों में कांग्रेस सिमट गईः उन्होंने आगे कहा कि बिहार में कांग्रेस का कुछ नहीं है। उत्तर प्रदेश और बिहार देश के दो बड़े राज्य है। राजनीति में यहां पर कांग्रेस सिमट चुकी है। कोई कांग्रेस पार्टी से टिकट लेने के लिए आगे नहीं आता है। जितने गठबंधन दल के लोग कांग्रेस को टिकट देते हैं उनको पहले से पता है कि इनमें जीतने वाला कोई नहीं। महागठबंधन की आज की हालत यह है ना ही नेता,नेत्री और नीयत में तो खोट है । एक भी ईमानदार नेता उनकी पार्टियों में नहीं है। क्या भ्रष्टाचारी नेता बिहार को चाहिए, या कोई महा गठबंधन के किसी भी पार्टी में ईमानदार नेता है जिन पर भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा हो। जो घोटाले पर बेल पर ना हो। अगर कोई ऐसा चेहरा है तो आगे आकर चेहरा बताए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि जिनके राज्य में जंगल राज, अपराध राज्य, भ्रष्टाचार, आज वही लोग प्रश्न उठाने का काम कर रहे हैं। इसलिए लोग उन लोगों पर हंसते हैं। नीतीश कुमार के मानसिकता एवं उम्र के सवाल पर अनुराग ने कहा कि बड़े लोगों अपमान करना यह कुछ लोगों की प्रवृत्ति में है। कुछ लोगों की संस्कृति में हैं। भ्रष्टाचार भी करेंगे और फिर शब्दों का उसके माध्यम से अपमान करने का काम भी करेंगे। मुझे यही कहना ममता अब बंगाल को नहीं जमता,ममता जी के राज्य में वहां पर हिंदू सुरक्षित नहीं है,वहां व्यापारी सुरक्षित नहीं है । वहां महिलाएं सुरक्षित नहीं है और ममता जी ने जो बंगाल की स्थिति कर दी है वे ऐसी स्थिति है कि जिन लोगों ने अपना बड़ा योगदान भारत के स्वतंत्रता संग्राम में दिया होगा। आज वह भी सोचते होंगे कि बंगाल की धरती से आने वाले स्वामी विवेकानंद जी, वंदना टैगोर, डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी,सुभाष चंद्र बोस जी ऐसे अनेक को अनेक नेता अपनी बंगाल की धरती के बारे में सोचते होंगे कि ममता जी के राज्य को देखते होंगे तो उनके भी आंसू भी बहते होंगे।

बक्सर जिले के कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनोज पाण्डेय निलंबित

निज संवाददाता। बक्सर

♦ मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा में 90% कुर्सियां थी खाली, काम में लापरवाही का आरोप

बक्सर में रविवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की सभा हुई। दलसागर खेल मैदान में 20 अप्रैल 2025 को कार्यक्रम आयोजित हुआ। इसमें जनसमर्थन की कमी के कारण जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पाण्डेय को निलंबित कर दिया गया है। कार्यालय सचिव उमेश प्रसाद सिंह ने अपने पत्र में स्पष्ट किया कि सभा की तैयारियां बेहद कमजोर थीं। जिला कांग्रेस कमेटी ने अपने दायित्वों का सही से निर्वहन नहीं किया। कार्यक्रम में समन्वय का अभाव था। इससे राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे की गरिमा को ठेस पहुंची।

90 प्रतिशत कुर्सियां रहीं खालीः जिला अध्यक्ष ने 40 हजार लोगों के जुटने का दावा किया था। उन्होंने 25 हजार कुर्सियां लगवाई थीं। लेकिन खड़गे के मंच पर पहुंचने तक केवल दो हजार लोग ही मौजूद थे। मैदान में 90 प्रतिशत कुर्सियां खाली रहीं। इस स्थिति से खड़गे भी नाराज दिखे। स्थानीय नेताओं ने भीषण गर्मी को कम उपस्थिति का कारण बताया। लेकिन पार्टी नेतृत्व ने इसे संगठन की विफलता माना है। पार्टी सूत्रों के अनुसार हाईकमान इस दौरे को आगामी चुनाव की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण मान रहा था। बक्सर के दोनों कांग्रेस विधायक भी संगठन को सक्रिय करने में विफल रहे। इससे उनकी टिकट की दावेदारी कमजोर हुई है। पार्टी जल्द ही नए जिला अध्यक्ष की घोषणा करेगी। साथ ही लापरवाह पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

गर्मी के कारण भीड़ रही कम- विधायकः खड़गे के कार्यक्रम में खाली कुर्सियों को लेकर बक्सर के सदर विधायक संजय तिवारी से बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि 'भीषण गर्मी के कारण लोग सभा स्थल तक नहीं पहुंचे। अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार है, इसलिए लोग आसपास के बगीचे में बैठे थे।' वहीं, कांग्रेस के राजपुर के विधायक विश्वनाथ राम ने कहा कि 'आज बहुत चिलचिलाती धूप और शादी विवाह का दिन है। कार्यकर्ताओं ने सहयोग भी नहीं किया, जिससे हमलोग खुद शर्मिंदा हैं।'

बक्सर में खुला हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में कदम उठाया गया है। चौसा प्रखंड के सारेंजा गांव में एलएंडटी कंपनी ने सीएसआर के तहत एक आधुनिक हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर का निर्माण किया है। सोमवार को चौसा के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. मणिपाल ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर केंद्र का उद्घाटन किया। यह तीन कमरों वाला आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र चौसा के स्वास्थ्य विभाग को सौंप दिया गया है। एलएंडटी कंपनी चौसा में 1320 मेगावॉट का थर्मल पावर प्लांट स्थापित कर रही है। डॉ. मणिपाल ने बताया कि इस केंद्र में टीकाकरण, प्रसव पूर्व जांच, दवा वितरण और प्राथमिक उपचार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सारेंजा और आसपास के गांवों के लोगों को अब छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं का होगा विस्तारः कार्यक्रम में बीसीएम मंजू, डॉ. जैहबी फैज, नितिन राय, संजीत रजक, अजीत सिंह और एएनएम रेखा व ऊषा मौजूद थीं। एलएंडटी कंपनी ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। उद्घाटन समारोह में सैकड़ों ग्रामीणों ने हिस्सा लिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले उन्हें मामूली बीमारियों के लिए भी कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता था। अब गांव में ही स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से उन्हें राहत मिलेगी।

राजद सांसद ने खड़गे की जनसभा को बताया सफल

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की जनसभा को लेकर राजद के नेताओं ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। बक्सर से राजद सांसद सुधाकर सिंह ने कार्यक्रम को सफल बताया। उन्होंने कहा कि बिहार विधानसभा में इस बार बदलाव के स्पष्ट संकेत हैं। सांसद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वे केवल बयानबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग सुप्रीम कोर्ट के खिलाफ भी बोलते हैं। खड़गे ने भाजपा के 11 झूठों का जिक्र किया, जिस पर भाजपा की तरफ से कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है। कांग्रेस के सदर विधायक संजय 'मुन्ना' तिवारी ने कहा कि बिहार में इंडिया गठबंधन की जीत सुनिश्चित है।

यौन शोषण के आरोपी के घर की हुई कुर्की

निज संवाददाता। बक्सर

शादी का झांसा देकर यौन शोषण के आरोपी के घर महिला थाना पुलिस ने कुर्की जब्ती की कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी के घर कुर्की की कार्रवाई करते हुए आरोपी के गिरफ्तारी को लेकर शिकंजा कसा है। आरोपी के गिरफ्तारी नहीं होने पर महिला थाना पुलिस आगे की कार्रवाई को लेकर कार्य कर रही है। महिला थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक रोहतास जिला के दावथ थाना क्षेत्र के महावीरगंज गांव के मंटू कुमार के खिलाफ शादी का झांसा देकर यौन शोषण करने और करीब दस लाख रुपए हड़पने का आरोप लगा था। पिछले वर्ष मामले में एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई शुरु कर दी गई थी। मामले में आरोपी की पत्नी दुर्गा देवी और मां ललिता देवी को भी मामले में सहयोगी बनाते हुए आरोपित बनाया गया था। बताया जाता है कि आरोपी अपने को अविवाहित बताते हुए बक्सर के एक युवती को झांसा में ले लिया था जबकि युवक पूर्व से शादीशुदा और तीन बच्चों का पिता था। आरोपी ने युवती को झांसे में लेते हुए उसका यौन शोषण और करीब 14 लाख रुपए हड़प लिया। इसके बाद आरोपी युवती से न तो शादी कर रहा था और न ही उसके पैसे लौटा रहा था। काफी प्रयास के बाद आरोपितों ने करीब चार लाख रुपए पीड़िता को लौटाया था। युवती को जब युवक के शादीशुदा होने की जानकारी मिली तो उसने महिला थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी। महिला थाना पुलिस आरोपी के गिरफ्तारी को लेकर कई बार प्रयास किया। आरोपितों के गिरफ्तारी नहीं होने पर कुर्की की कार्रवाई की। महिला थाना पुलिस दावथ थाना पुलिस के सहयोग से कार्रवाई किया। पुलिस ने घर में रखे समानों को जब्त कर लिया। महिला थानाध्यक्ष कनिष्का तिवारी ने बताया कि मामले में आरोपितों के गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है। आरोपितों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

हर सीट पर बेदाग उम्मीदवार उतारने की तैयारी, बिहार विधानसभा चुनाव में जेडीयू का दावा

भागलपुर। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के प्रदेश अध्यक्ष ललन सर्राफ ने बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा किया है। भागलपुर में जेडीयू के 5वें कार्यालय के उद्घाटन के दौरान उन्होंने कहा कि इस बार का चुनाव ऐतिहासिक होगा। सर्राफ ने बताया कि पांचों घटक दलों का नारा है '2025 में फिर से नीतीश, 2025 में 225'। उन्होंने कहा कि दिल्ली से निर्देश लेकर पांचों दल के प्रदेश अध्यक्षों की मुख्यमंत्री आवास पर बैठक हो चुकी है। हर जिले में कार्यकर्ता सम्मेलन किया जा रहा है। कार्यकर्ता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथ को मजबूत करने में जुटे हैं जेडीयू नेता ने विश्वास जताया कि पार्टी के जांबाज कार्यकर्ता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथ को मजबूत करने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हर विधानसभा सीट पर उम्मीदवार का चयन पांचों दल मिलकर करेंगे। सभी सीटों पर निष्पक्ष और बेदाग उम्मीदवार उतारे जाएंगे। कार्यक्रम में जेडीयू के व्यवसायिक और उद्योग प्रकोष्ठ भागलपुर महानगर के 80 नए कार्यकर्ताओं और वार्ड अध्यक्षों को सदस्यता प्रमाण पत्र दिया गया। सर्राफ ने कहा कि कोरोना काल में कुछ स्थिर हुए कार्यकर्ता अब नए जोश के साथ चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं।

मवेशी व्यापारी सहित 2 को तस्कर बनाकर किया गिरफ्तार थानाध्यक्ष पर 25 मवेशियों को गायब करने का आरोप

भागलपुर। भागलपुर में मवेशियों का व्यापार करने वाले व्यक्ति सहित 2 को तस्कर बनाकर गिरफ्तार कर लिया गया। व्यापारी 14 अप्रैल को जमुई के पचमहुआ नवादा रोड मवेशी हाट से 25 गाय और बछड़े को खरीद कर अमरपुर लौट रहे थे। उनके पास खरीदारी की रशीद भी है। मवेशियों को अमरपुर के व्यापारी एजाज के पास ले जाया जा रहा था। थानाध्यक्ष जयनाथ शरण पर आरोप है कि उन्होंने गाय को जब्त कर लिया और 2 चालकों को गिरफ्तार लिया। इसमें एक मवेशी के व्यापारी भी हैं। जो गाड़ी चला रहे थे। मामले को लेकर व्यापारी एजाज ने 15 अप्रैल को एसएसपी को आवेदन दिया। जिसमें उन्होंने लिखा है कि मेरे 2 पिकअप से मवेशियों को लाया जा रहा था। रास्ते में शाहकुंड के पास थानाध्यक्ष ने मेरे वाहनों को रोका। इसके अलावा 25 गायों में 5 को थानाध्यक्ष ने किसी दलाल की मदद से गायब कर दिया। मामला शाहकुंड थाना क्षेत्र का है। व्यापारी ने आवेदन में थानाध्यक्ष पर आरोप लगाया है कि बाकी 20 गायों को लेकर फर्जी केस दर्ज किया है। शाहकुंड थाने में यह गोरखधंधा लगातार चल रहा है। थानाध्यक्ष और दलाल मिलकर असली तस्करों से पैसे लेकर उन्हें छोड़ देते हैं। ईमानदार व्यापारियों को फंसाया जाता है। इस मामले को लेकर व्यापारी एजाज ने 16 अप्रैल को डीआईजी विवेक कुमार को भी आवेदन दिया है। पर अबतक कोई कार्रवाई नहीं हुई। रविवार को व्यापारी ने मीडिया के सामने अपनी परेशानी बताई।

केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दूबे बोले-अंबेडकर के सपनों को मोदी कर रहे साकार

मुंगेर। मुंगेर के जमालपुर प्रखंड में आयोजित अंबेडकर परिचर्चा में केंद्रीय कोयला और खान राज्य मंत्री सतीश चंद्र दूबे पहुंचे। जहां उन्होंने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को न सिर्फ टिकट से वंचित किया, बल्कि चुनाव में हराने का काम भी किया। मंत्री दूबे ने एनडीए सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम को राष्ट्रपति बनाया। मोदी सरकार ने दलित समाज से रामनाथ कोविंद और आदिवासी समाज से द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर का सपना था कि हर व्यक्ति शिक्षित हो। शिक्षा के बिना कोई आर्थिक रूप से सशक्त नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री मोदी आधुनिक भारत के उनके सपने को साकार कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने बिहार का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में वास्तविक विकास 2005 में एनडीए की सरकार आने के बाद शुरू हुआ। उन्होंने आगाह किया कि कुछ विभाजनकारी शक्तियां विदेशी ताकतों के साथ मिलकर समाज को जाति के आधार पर बांटने की कोशिश कर रही हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार पोद्दार ने की। भाजपा नेता किष्टु सिंह ने मां दुर्गा का चित्र भेंट कर केंद्रीय मंत्री का स्वागत किया।

मुंगेर में अवैध गन फैक्ट्री का खुलासा, तीन गिरफ्तार, बदमाश बोले-हर एक पिस्टल पर 25 सौ मिलते थे

मुंगेर। मुंगेर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के दियारा में पुलिस ने शनिवार की देर रात अवैध हथियार निर्माण की फैक्ट्री का खुलासा किया है। गुप्त सूचना के आधार पर सदर एसडीपीओ अभिषेक आनंद और मुफ्फसिल थानाध्यक्ष विपिन कुमार के नेतृत्व में छापेमारी की गई। पुलिस ने पुरानी मखना अगरसिया बहियार स्थित मुकेश यादव के बासा के पास झाड़ी में चल रही मिनी गन फैक्ट्री से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में मो नौशाद, मो शमशाद और मो शजमुल उर्फ छोटू शामिल हैं। तीनों मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बरदह गांव के रहने वाले हैं। एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि इस मामले में पांच और आरोपियों की तलाश जारी है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्हें प्रति पिस्टल 2,500 रुपए मिलते थे। यह अवैध धंधा करीब 15-20 दिन पहले से चल रहा था। एसपी ने बताया कि मो शमजुल उर्फ छोटू पर पहले से कई मामले दर्ज हैं। अन्य आरोपियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। मुफस्सिल थाने में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

ट्रक-हाइवा की टक्कर के बाद क्रेन बुलानी पड़ी

स्टेयरिंग में फंसा ड्राइवर, टायर में क्लीनर गाड़ी के पार्ट तोड़कर दोनों को निकाला

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में सोमवार सुबह मवेशियों से भरी पिकअप और हाइवा के बीच जोरदार टक्कर में 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए। बताया जा रहा है कि पिकअप एक ट्रक को ओवरटेक कर रहा था, इसी दौरान सामने से आ रही हाइवा से जा भिड़ा। इस हादसे के बाद पिकअप, हाइवा और ट्रक के बीच फंस गया। इसी दौरान पिकअप ड्राइवर स्टेयरिंग के नीचे, जबकि क्लीनर ट्रक के टायरों में घंटों फंसा रहा। दोनों को निकालने के लिए मौके पर क्रेन बुलानी पड़ी। करीब तीन से चार घंटे की मशक्कत के बाद क्रेन की मदद गाड़ियों के पार्ट्स तोड़कर दोनों को बाहर निकाला गया। इसका वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में टायरों के बीच फंसा युवक दर्द से कराह रहा है। वहीं, पिकअप का ड्राइवर क्रेन की मदद से किसी तरह निकलने की कोशिश कर रहा है। वाहन में दो मवेशी भी फंसे रहे। घटना परबत्ता थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे पर सुबह 6 बजे की है।

टक्कर के बाद हाई-वे पर लगा जामः स्थानीय लोगों के मुताबिक, 'दोनों गाड़ियों रफ्तार काफी तेज थी। इसी दौरान पिकअप सामने से आ रही हाइवा से टकरा गई। जिसमें पिकअप के परखच्चे उड़ गए।' लोगों ने दोनों को निकालने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हो सके। जिसके बाद पुलिस की मदद से क्रेन बुलाई गई। वहीं, हादसे के कारण NH पर दोनों लेन में वाहनों की लंबी कतारे लग गई। घंटों सड़क जाम रही। इस दौरान लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को पुलिस ने सड़क से हटाया और यातायात बहाल कराया। घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

घायलों को मायागंज अस्पताल रेफर किया गयाः थानाध्यक्ष शंभू पासवान ने बताया, 'सोमवार सुबह मवेशी ले जा रही तेज रफ्तार पिकअप ओवरटेक करने के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पिकअप पर सवार 3 लोग इस हादसे में घायल हो गए। 'घायलों को पहले नवगछिया अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में गंभीर स्थिति को देखते हुए तीनों को मायागंज के अस्पताल में रेफर कर दिया।'

शाहनवाज ने मुस्लिम हित में कोई काम नहीं किया

निज संवाददाता। भागलपुर

राजद युवा सचिव ने कहा- विरोधी रवैये से भागलपुर के मुसलमान उन्हें वोट नहीं देते

भागलपुर में वक्फ बिल को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन के वक्फ बिल पर दिए गए बयान के बाद राजद के प्रदेश युवा सचिव नूर हसन फरीदी ने उन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शाहनवाज हुसैन ने एक दिन पहले भागलपुर में वक्फ बिल को लेकर मुस्लिम समुदाय की एक बैठक बुलाई थी। इस बैठक में उन्होंने कहा कि मजार, कब्रिस्तान या खानकाह की एक इंच जमीन भी इधर-उधर नहीं होगी। यह सभी जमीन मुसलमानों के लिए सुरक्षित रहेगी। राजद के प्रदेश युवा सचिव नूर हसन फरीदी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर शाहनवाज हुसैन पर कई आरोप लगाए। फरीदी ने कहा कि शाहनवाज को भागलपुर के मुसलमान वोट नहीं देते हैं। इसकी वजह उनका मुस्लिम विरोधी रवैया है।

अपने कार्यालय में मुस्लिम लोगों के सलाम का जवाब तक नहीं देतेः फरीदी ने 2014 का जिक्र करते हुए कहा कि जब गिरिराज सिंह ने मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने की बात कही थी, तब शाहनवाज ने विरोध करने की बजाय उनका समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भागलपुर के सांसद रहते हुए शाहनवाज ने मुस्लिम समुदाय के लिए कोई काम नहीं किया। युवा सचिव ने यह भी आरोप लगाया कि शाहनवाज अपने कार्यालय में मुस्लिम लोगों के सलाम का जवाब तक नहीं देते थे। फरीदी के मुताबिक शाहनवाज हुसैन ने कभी भी मुस्लिम समुदाय के हित में कोई कदम नहीं उठाया।

रात 11 बजे महिला थाने के गेट पर लटका ताला

15 मिनट तक इंतजार करते रहे फरियादी, हेल्प डेस्क पर हाफ पैंट और बनियान में दिखे होमगार्ड जवान

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में रात 11 बजे महिला थाने के गेट पर ताला लटका दिखा। दरअसल, रात के 11:10 बजे परवत्ती मोहल्ले में काली मंदिर के पास दो गुटों के बीच मारपीट हुई। पीड़ित पक्ष की 5-6 नाबालिग दुर्व्यवहार का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराने साइबर थाने पहुंचीं। साइबर थाना में तैनात OD पदाधिकारी ने केस महिला थाने का बताते हुए पीड़ितों को वहां भेज दिया। वहीं जब नाबालिग महिला थाने पहुंचीं, तो सामने ताला लगा गेट दिखा। करीब 15 मिनट तक पीड़ितों ने गेट के सामने खड़े होकर इंतजार किया। थक-हारकर वह वापस लौटने ही वाले थे कि तभी अंदर से एक महिला पुलिसकर्मी गेट खोलती हुई सामने आईं। इसके बाद पीड़ितों का आवेदन लिया गया।

केस आए तो SHO को जानकारी देते हैंः महिला थाने की यह तस्वीर चौंकाने वाली थी, लेकिन SC-ST थाने में हालात और भी बदतर मिले। रात के समय थाने में कोई अधिकारी नहीं था। सिर्फ दो होमगार्ड जवान सादे लिवास में टेबल पर पैर पसारे कुर्सियों पर आराम करते दिखे। पूछने पर साफ जवाब मिला कि "हम ही ड्यूटी में हैं, कोई केस आए तो SHO को फोन कर जानकारी दे देते हैं।

भागलपुर में 4 दिनों से सफाई कर्मियों की हड़ताल जारी, वेतन बढ़ाने की मांग पर अड़े

शहर में लगा कूड़े का ढेर, लोगों की बढ़ी परेशानी

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर नगर निगम के सफाई कर्मियों की हड़ताल चौथे दिन भी जारी है। हड़ताल के चलते शहर की सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। निगम प्रशासन और कर्मियों के बीच अब तक कोई सहमति नहीं बन पाई है। शनिवार को मेयर, डिप्टी मेयर और सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों के साथ प्रतिनिधियों की वार्ता हुई थी। इसके बाद भी कोई नतीजा नहीं निकला। वेतन बढ़ाने की मांग पर कर्मी अड़े रहे। हड़ताल पर गए कर्मियों का कहना है कि मौजूदा समय में जितना पैसा मिल रहा है। उससे गुजारा संभव नहीं है। बढ़ती महंगाई से हाल बेहाल है। कई बार निगम प्रशासन से गुहार लगा चुके हैं। अब तक आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला।

नियमानुसार मांग मानने को तैयारः वहीं, निगम प्रशासन का कहना है कि कर्मियों की मांगों पर विचार किया जा रहा है। नियमानुसार हर जायज मांग मानने को तैयार हैं। सफाई कर्मी 'अकुशल कामगार' की श्रेणी में आते हैं। उन्हें उसी श्रेणी के तहत वेतन दिया जाएगा।

शहर में गंदगी से लोगों को परेशानीः हड़ताल के चलते शहर में जगह-जगह कचरे का ढेर लगा है। गंदगी और बदबू से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घर से सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया है। स्वास्थ्य विभाग ने भी हालात बिगड़ने की आशंका जताई है। जल्द से जल्द समस्या के समाधान की मांग की है। श्रम कानून विशेषज्ञों का कहना है कि यदि सफाई कर्मी स्थायी कर्मियों की तरह लंबे समय से काम कर रहे हैं, तो वेतनमान में संशोधन संभव है। इसके लिए सरकार और निगम प्रशासन को नीति में बदलाव करना होगा।

यहां कूड़ा डंप कर सकते हैंः वेराइटी चौक, खलीफाबाग, कोतवाली, घंटाघर, कचहरी, तिलकामांझी, भीखनपुर, रेलवे स्टेशन चौक, तातारपुर चौक, मोजाहिदपुर, मिरजान हाट, वारसलीगंज, अलीगंज रोड, गिरधारी साह हाट, तिलकामांझी हटिया रोड, सर्किट हाउस के सामने, जवारीपुर, जेल रोड, हवाई अड्डा के पास, मायागंज अस्पताल चौक, डीएम आवास से सुधा डेयरी जानेवाली रोड, सराय, विक्रमशिला कॉलोनी, उर्दू बाजार, मशाकचक, खरमनचक, बूढ़ानाथ चौक, नया बाजार चौक, दीपनगर चौक, आदमपुर, मानिक सरकार चौक।

इलाज में लापरवाही से युवक की मौत, परिजन बोले- खुद से लगाना पड़ा ऑक्सीजन

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के मायागंज अस्पताल में इलाज के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल युवक सलमान अंसारी (21) की मौत हो गई। मृतक पेशे से सिलाई मशीन का काम करता था और एक निजी कार्यवश बाहर निकला था, जब हादसे का शिकार हो गया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर इलाज में घोर लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए कहा कि अगर समय पर इलाज मिला होता, तो सलमान की जान बच सकती थी। सलमान अंसारी को शनिवार को एक सड़क दुर्घटना में गंभीर चोटें आई थीं। बताया गया कि वह अपने मालिक के कहने पर सामान लाने गया था, तभी दो बाइक सवारों के बीच हुई भीषण टक्कर में वह बुरी तरह से घायल हो गया। उसके मुंह और कान में गहरी चोटें आईं। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से उसे तुरंत मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया।

परिजन बोले- ऑक्सीजन खुद से लगाना पड़ा, डॉक्टर नहीं थे मौजूदः मृतक के परिजनों का आरोप है कि अस्पताल पहुंचने के बाद न तो कोई डॉक्टर समय पर मौजूद था और न ही नर्सिंग स्टाफ। इजराइल अंसारी, सलमान के पिता ने बताया कि ऑक्सीजन तक मरीज को खुद से लगाना पड़ा। करीब दो घंटे तक कोई भी चिकित्सकीय सहायता नहीं मिली। देर रात करीब 9 बजे पहली बार डॉक्टर मरीज को देखने आए। परिजनों ने बताया कि सलमान की हालत लगातार बिगड़ रही थी, लेकिन अस्पताल में तीन दिनों तक सीटी स्कैन तक नहीं हो सका। डॉक्टरों ने यह कहकर मना कर दिया कि शरीर ज्यादा हिलने से स्कैन संभव नहीं है। आखिरकार, मजबूर होकर परिजनों ने निजी क्लीनिक में खुद के खर्च पर सीटी स्कैन करवाया। बावजूद इसके इलाज में कोई तेजी नहीं आई।

इलाज में देरी की वजह से हुई मौतः परिजनों ने आगे बताया कि लगातार तीन दिनों तक इलाज में देरी और लापरवाही के चलते सोमवार की सुबह सलमान की मौत हो गई। मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

सभी ने अस्पताल प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। इजराइल अंसारी ने बताया, "अगर वक्त पर इलाज शुरू हो जाता तो हमारा बेटा जिंदा होता।" सलमान के शव को पोस्टमार्टम के लिए नौलखा कोठी भेजा गया, जहां प्रक्रिया जारी है। परिजनों ने प्रशासन से न्याय की मांग की है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

दूल्हे के भाई को लगी गोली, बारात में डीजे पर नाबालिग डांस कर रहा था

निज संवाददाता। भागलपुर

मुंगेर जिले में एक शादी समारोह में दुर्घटना हो गई। तारापुर थाना क्षेत्र के गाजीपुर गांव में शुक्रवार रात करीब 11:30 बजे डीजे पर डांस रहे 15 वर्षीय मोहम्मद कैफ को अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी। कैफ अपने चचेरे भाई मोहम्मद शाहबाज की बारात में शामिल हुआ था। डीजे की धुन पर नाचते समय अचानक गोली चली। गोली कैफ के पेट के निचले हिस्से में लगी। परिजन उसे तुरंत तारापुर अस्पताल ले गए। वहां से गंभीर हालत के चलते उसे जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल मायागंज रेफर किया गया। डॉक्टरों के अनुसार गोली अभी भी कैफ के पेट में फंसी हुई है। कैफ के पिता मोहम्मद जमशेद एक दुकान में मजदूरी करते हैं। कैफ ने हाल ही में बोर्ड परीक्षा पास की थी और अपने चाचा के साथ इलेक्ट्रॉनिक मरम्मत का काम सीख रहा था। कैफ के फूफा मोहम्मद शमीम आलम ने बताया कि उसका किसी से कोई विवाद नहीं था। घायल कैफ ने भी कहा कि उसने न तो किसी को देखा और न ही उसकी किसी से दुश्मनी थी। तारापुर पुलिस मामले की जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है।

शिक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से ज्ञान प्रिय सम्मानित

निज संवाददाता। संग्रामपुर

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दरियापुर अभ्यासिक के नवाचारी शिक्षक ज्ञान प्रिय को शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पटना स्थित बिहार विधान परिषद के उप भवन सभागार में आयोजित द टीचर्स फ्यूचर मेकर्स कार्यक्रम में दिया गया। सम्मान समारोह में प्रसिद्ध गणितज्ञ के सी सिन्हा और पटना लॉ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वाणी भूषण ने संयुक्त रूप से प्रशस्ति पत्र और मोमेंटो देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बिहार सरकार के मंत्री कृष्ण कुमार मंटू, महेश्वर हजारी, श्याम रजक, एससीईआरटी की आभा रानी, गुरु रहमान सर, पटना की मेयर सीता साहू सहित कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे। इस अवसर पर पूर्वी चंपारण के 29 शिक्षकों सहित अन्य राज्यों के लगभग 20 शिक्षक भी सम्मानित हुए। कुल 200 शिक्षकों को यह सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षक ज्ञान प्रिय की इस उपलब्धि पर उनके मूल विद्यालय परिसर में भी सम्मान समारोह आयोजित हुआ। वहां भी उन्हें पुनः सम्मानित किया गया। मौके पर शिक्षक शाहीद जफर, देवेंद्र कुमार, नीरज कुमार, सिंधु कुमारी, निधि कुमारी सहित कई शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं। इससे पहले भी श्री ज्ञान को शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार कार्यक्रम के अंतर्गत दो बार जिला स्तर पर जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा सम्मान मिल चुका है।

भागलपुर जंक्शन प्लेटफार्म-1 पर गर्लफ्रेंड की भरी मांग, बरियारपुर से साहिबगंज जा रही थी

भागलपुर । भागलपुर जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर-1 पर ट्रेन से एक लड़की (20) पानी के लिए उतरी, तभी उसका बॉयफ्रेंड (25) पहुंचा और मांग में सिंदूर लगा दिया। लड़की के परिवार वाले ट्रेन में बैठे थे। इस घटना के बाद लड़की के चचेरे भाई और मां ट्रेन से उतर गई और हंगामा करने लगी। लड़की से पूछा गया कि आप लड़के के साथ रहेंगी, तो गुस्से में कहा, मांग तो भर ही दिया है। घर नहीं जाएंगे। यही मरेंगे। लड़का और लड़की दोनों मुंगेर जिले के बरियारपुर के रहने वाले हैं। लड़की अपने परिवार के साथ जमालपुर-साहिबगंज पैसेंजर ट्रेन से साहिबगंज किसी रिश्तेदार की शादी में जा रही थी। लड़का भी उसी ट्रेन में लड़की का पीछा कर रहा था। प्लेटफॉर्म पर विवाद बढ़ने के बाद दोनों पक्ष सड़क पर पहुंच गए। यहां 45 मिनट तक हाइवोल्टेज ड्रामा हुआ। ट्रैफिक पुलिस ने डायल-112 की टीम को घटना की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और सभी को थाने ले गई और पूछताछ की गई।

रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज में अनुबंधित शिक्षक की नियुक्ति

शुद्धिपत्र

रेलवे हाई स्कूल, साहिबगंज में अनुबंधित शिक्षक की नियुक्ति के संबंध में पूर्व में प्रकाशित उपरोक्त विज्ञापन के संदर्भ में, नोटिस संख्या: ईआरएचएस/एसबीजी/कॉन्ट्रैक्ट/ टीचर/2025 दिनांक 04.04.2025, निम्नलिखित संशोधन किया गया है: आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल 2025 है। यह स्पष्ट किया जाता है कि जो लोग अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों और वॉक-इन-इंटरव्यू के लिए आवेदन के साथ साक्षात्कार की तिथि पर आएंगे, उन्हें भी आवेदन किए गए पद के लिए उनकी योग्यता के अनुसार उक्त साक्षात्कार के लिए आमंत्रित किया जाएगा। साक्षात्कार की तिथि रेलवे की वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in (go to division> Malda>recruitment page) और स्कूल की वेबसाइट (www.easternrailwayhighschoolsahibganj.com) पर भी अपलोड की जाएगी। उक्त नोटिस की अन्य विषय-वस्तु अपरिवर्तित रहेगी।

मंडल रेल प्रबंधक/मालदा

पूर्व रेलवे

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना

(चोरी गयी TVS अपाची RTR 180C मोटरसाईकिल)

गढ़वा थाना कांड सं0–101/25 दिनांक–25.02.25 धारा–303 (2) बी0 एन0 एस0 में चोरी गयी TVS अपाची RTR 180C मोटरसाईकिल जिसका रजि0 नं0–JH14E0357 का अज्ञात चोर के द्वारा चोरी कर लिया गया है, जिसकी बरामदगी अबतक नहीं हो पाई है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त चोरी गयी वाहन के बारे में किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना किसी व्यक्ति को प्राप्त हो तो पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284, या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 350674 (Police)25-26*D

एक रिवॉल्वर, 1 एसएलआर, 4 इंसास राइफल कई हथियार भी बरामद

बड़ी नक्सली मुठभेड़ में एक करोड़ के इनामी समेत आठ नक्सली ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

- झारखंड में नक्सलियों को करारा जवाब, सीआरपीएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई सफल
- नक्सलियों के गढ़ में सुरक्षाबलों की घुसपैठ, बिना किसी नुकसान के बड़ी कामयाबी

निज संवाददाता | बोकारो

झारखंड के बोकारो जिले में सोमवार की सुबह एक बड़ी नक्सली मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने आठ उग्रवादियों को मार गिराया। यह एनकाउंटर जिले के लुगू और झुमरा पहाड़ के घने जंगलों के बीच हुआ, जो नक्सलियों के लंबे समय से सुरक्षित ठिकानों में शुमार रहा है। इस अभियान को झारखंड पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की संयुक्त कार्रवाई के रूप में अंजाम दिया गया। अभियान में CRPF की अत्याधुनिक युद्धक क्षमताओं से लैस 209 कोबरा बटालियन की अहम भूमिका रही, जो जंगलों में गुरिल्ला युद्ध के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित है। झारखंड के पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता ने इस मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि मारे गए नक्सलियों में प्रयाग मांझी उर्फ विवेक शामिल है, जिस पर सरकार ने एक करोड़ रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। प्रयाग मांझी झारखंड में नक्सल गतिविधियों का बड़ा चेहरा रहा है और कई वर्षों से सुरक्षा एजेंसियों की हिट लिस्ट में था। इसके अलावा दस लाख के इनामी साहेब राम मांझी और अरविंद यादव उर्फ अविनाश की भी पहचान की जा चुकी है। अन्य मृत नक्सलियों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। मुठभेड़ तड़के लगभग साढ़े पांच बजे शुरू हुई और करीब ढाई घंटे तक चली। इस दौरान दोनों ओर से रुक-रुक कर भारी गोलाबारी होती रही। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद सुरक्षाबलों ने मौके से आठ नक्सलियों के शव बरामद किए, जिनके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी मिला है। बरामद हथियारों में चार इंसास राइफल, एक एसएलआर, एक रिवॉल्वर और एक पिस्तौल शामिल हैं। इन हथियारों से यह संकेत मिलता है कि नक्सलियों की यह टुकड़ी बेहद खतरनाक और अच्छी तरह से सुसज्जित थी।

यह मुठभेड़ एक गुप्त सूचना के आधार पर शुरू किए गए तलाशी अभियान के दौरान हुई। जब सर्च ऑपरेशन के तहत सुरक्षाबल घने जंगलों में पहुंचे तो वहां पहले से छिपे नक्सलियों ने जवानों को निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। जवानों ने पूरी सतर्कता के साथ मोर्चा संभाला और मुंहतोड़ जवाब देते हुए नक्सलियों को ढेर कर दिया। राहत की बात यह रही कि इस पूरी मुठभेड़ में किसी भी सुरक्षाकर्मी के हताहत होने की खबर नहीं है। लुगू और झुमरा पहाड़ इलाका लंबे समय से नक्सलियों के लिए एक सुरक्षित गढ़ माना जाता रहा है। यह क्षेत्र घना और दुर्गम जंगल होने के कारण नक्सलियों के लिए छिपने और रणनीति बनाने का आदर्श ठिकाना रहा है। समय-समय पर यहां से नक्सली गतिविधियों की खबरें सामने आती रही हैं। लेकिन आज की यह कार्रवाई इस इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की बड़ी सफलता मानी जा रही है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में सघन सर्च ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाबल यह सुनिश्चित करने में जुटे हैं कि जंगल में छिपे अन्य नक्सलियों को भी खोज निकाला जाए और भविष्य में इस क्षेत्र को नक्सल मुक्त किया जा सके। अभियान को लेकर सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्क हैं और इलाके में ड्रोन व अन्य आधुनिक निगरानी उपकरणों की मदद से गश्त तेज कर दी गई है। इस कार्रवाई को राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चल रही मुहिम में एक निर्णायक मोड़ के रूप में देखा जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, एक करोड़ के इनामी नक्सली की मौत से नक्सली संगठन की कमर टूटेगी और उसके नेटवर्क को गंभीर झटका लगेगा। वहीं, राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के लिए यह ऑपरेशन एक मनोवैज्ञानिक बढ़त भी प्रदान करता है, जिससे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

वर्षों से लंबित प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर बीडीओ ने की सख्त समीक्षा

लाभुकों को नोटिस जारी करने का निर्देश

निज संवाददाता | सरैयाहाट

सरैयाहाट प्रखंड में वर्षों से अधूरे पड़े प्रधानमंत्री आवासों को लेकर अब प्रशासनिक स्तर पर सख्ती बरती जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को प्रखंड मुख्यालय सरैयाहाट में प्रखंड विकास पदाधिकारी महेश्वरी प्रसाद यादव की अध्यक्षता में एक विस्तृत समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का उद्देश्य प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 से लेकर 2021-22 तक लंबित सभी आवासों की प्रगति की समीक्षा करना और उन्हें शीघ्र पूर्ण कराने की रणनीति तैयार करना था। बैठक में बीडीओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि सरकार की यह अति महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका लाभ पात्र लाभुकों को समय पर मिलना चाहिए। लेकिन अफसोस की बात है कि कई लाभुकों को सरकारी सहायता राशि मिलने के बावजूद उन्होंने अभी तक आवास निर्माण कार्य पूरा नहीं किया है। इसको लेकर उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे लाभुकों को चिन्हित कर सबसे पहले उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जाए। यदि निर्धारित समयावधि के भीतर वे आवास निर्माण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध राशि वापसी की कार्रवाई आरंभ की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में सरकारी राशि का दुरुपयोग नहीं होने दिया जाएगा। बैठक के दौरान जानकारी दी गई कि सरैयाहाट प्रखंड में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत वर्ष 2016-17 में स्वीकृत 20, 2017-18 में 23, 2018-19 में 6, 2019-20 में 27, 2020-21 में 101 और 2021-22 में 107 आवास अब तक पूर्ण नहीं हो सके हैं।

इन सभी मामलों में या तो लाभुकों ने निर्माण कार्य प्रारंभ ही नहीं किया है या फिर उसे अधूरा छोड़ दिया है। बीडीओ ने साफ कहा कि सभी संबंधित ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सचिव और आवास सहायक इन मामलों की लगातार निगरानी करें और लाभुकों को व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर निर्माण कार्य में तेजी लाने को कहें। बैठक में यह भी बताया गया कि इन लंबित आवासों को लेकर राज्य स्तरीय टीम बहुत जल्द सरैयाहाट प्रखंड का दौरा करने वाली है, जिसके तहत जमीनी हकीकत की जांच की जाएगी। ऐसे में प्रखंड प्रशासन ने यह तय किया है कि राज्य टीम के दौरे से पूर्व ही अधिक से अधिक लंबित आवासों को पूर्ण कराया जाए ताकि प्रखंड की छवि पर कोई नकारात्मक असर न पड़े। बीडीओ महेश्वरी प्रसाद यादव ने यह भी स्पष्ट किया कि इस अभियान में लापरवाही बरतने वाले पदाधिकारियों और कर्मियों पर भी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना गरीबों को छत देने की योजना है, और इसमें किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रखंड के सभी संबंधित पदाधिकारी, पंचायत सचिव, आवास सहायक, रोजगार सेवक समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे और उन्हें अलग-अलग पंचायतों में लंबित आवासों की सूची सौंपते हुए जल्द रिपोर्ट देने का निर्देश भी दिया गया। इसके साथ ही बीडीओ ने यह संकेत दिया कि आने वाले दिनों में वे खुद भी स्थलीय निरीक्षण करेंगे और प्रगति की निगरानी करेंगे। इस बैठक के बाद यह उम्मीद की जा रही है कि वर्षों से लंबित पड़े प्रधानमंत्री आवासों का कार्य अब तेजी से आगे बढ़ेगा और लाभुकों को जल्द ही उनका पक्का आवास मिल सकेगा।

नो हेलमेट नो पेट्रोल के तर्ज पर नगर थाना प्रभारी ने चलाया वाहन जांच अभियान

निज संवाददाता | गोड्डा

गोड्डा जिले में सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए "नो हेलमेट नो पेट्रोल" अभियान की शुरुआत कर दी है। इस अभियान की अगुवाई नगर थाना प्रभारी दिनेश महली ने स्वयं की। सोमवार को उन्होंने नगर क्षेत्र अंतर्गत कई पेट्रोल पंपों का दौरा किया और वहां मौजूद पंप कर्मियों और मालिकों से साफ तौर पर कहा कि बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल बिल्कुल न दिया जाए। इसके अलावा किसी भी व्यक्ति को बोतल, डब्बे या किसी अन्य बर्तन में पेट्रोल देने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। थाना प्रभारी ने सिर्फ निर्देश देने तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि पेट्रोल पंपों के आस-पास खुद मोर्चा संभालते हुए वाहन जांच अभियान भी चलाया। इस दौरान कई बिना हेलमेट पहने बाइक चालकों को रोका गया और उनके खिलाफ मौके पर ही चालान काटे गए। कुछ लोगों को कड़ी फटकार भी लगाई गई और उन्हें हेलमेट पहनने की सख्त चेतावनी दी गई। दिनेश महली ने स्पष्ट कहा कि यह अभियान केवल दिखावे के लिए नहीं बल्कि लोगों की सुरक्षा के लिए शुरू किया गया है।

अगर कोई वाहन चालक बिना हेलमेट या चार पहिया वाहन में बिना सीट बेल्ट लगाए सड़क पर मिलेगा, तो उसके खिलाफ ना केवल चालान काटा जाएगा, बल्कि कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने सभी पेट्रोल पंप मालिकों से अपील की कि वे ट्रिपल लोडिंग वाले वाहनों को भी पेट्रोल देने से मना करें, ताकि लोग ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर सजग हों। उन्होंने कहा कि "नो हेलमेट नो पेट्रोल" के तर्ज पर यह अभियान पूरे नगर क्षेत्र में लगातार जारी रहेगा और नियमों की अनदेखी करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। इस अभियान के दौरान नगर थाना प्रभारी के साथ एसआई बिपिन यादव और अन्य पुलिसकर्मी भी मौजूद थे, जिन्होंने चौराहों और पेट्रोल पंपों पर निगरानी रखी और लोगों को नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया।

स्टेट स्लिंगशॉट चैंपियनशिप में गोड्डा को तीसरा स्थान

गोड्डा (नि.सं.)। स्लिंगशॉट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के तत्वावधान में जामताड़ा में आयोजित "फिफ्थ झारखंड स्टेट स्लिंगशॉट (गुलेल) चैंपियनशिप" में गोड्डा जिला ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तीसरे स्थान पर कब्जा किया। इस प्रतियोगिता में गोड्डा के निशानेबाजों ने अपनी उत्कृष्ट प्रदर्शन से जिले का नाम रोशन किया। प्राप्त अंकों के आधार पर गोड्डा को तीसरे स्थान का पुरस्कार प्राप्त हुआ, जो जिले के लिए गर्व की बात है। स्लिंगशॉट एसोसिएशन ऑफ गोड्डा के सचिव अखिल कुमार झा ने बताया कि यह उपलब्धि गोड्डा के लिए एक बड़ी सफलता है। गोड्डा के निशानेबाज बिक्रम कुमार मंडल और अमृत कुमार के उत्कृष्ट प्रदर्शन की बदौलत इस सफलता को हासिल किया गया। स्लिंगशॉट एसोसिएशन ऑफ झारखंड के प्रधान संरक्षक सुरजीत झा, स्लिंगशॉट एसोसिएशन ऑफ गोड्डा के संरक्षक मनोज कुमार पप्पु, अध्यक्ष मनीष कुमार सिंह, उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र दास, वरीय सदस्य राहुल कुमार और रौशन कुमार साह ने गोड्डा के निशानेबाजों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी।

पूरक आहार के सेवन को लेकर महिलाओं को किया गया जागरूक

निज संवाददाता | दुमका

पोषण पखवारा के अवसर पर सोमवार को बाल विकास परियोजना कार्यालय परिसर में व्यंजन प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य महिलाओं और समुदाय के अन्य सदस्यों को पोषण से संबंधित जानकारी और जागरूकता प्रदान करना था। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को पूरक आहार के सेवन के लाभ के बारे में शिक्षित करना था, ताकि वे अपने आहार में संतुलन बनाए रखें और स्वस्थ जीवन जी सकें। प्रदर्शनी में विभिन्न पंचायतों की सेविकाओं और सहायिकाओं ने पोषक तत्वों से भरपूर विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शनी में परंपरागत पोषक व्यंजन जैसे मछली, मीट, पनीर, कटहल, पोहा, उपमा, खीर, ग्रीन सलाद, पुआ, पूड़ी, विभिन्न प्रकार की सब्जियों, बडी, अचार, महुआ फूल से बने लड्डू, मड़ुवा का लड्डू, तिल के लड्डू, बाजरे का भूजा, धान का लावा, चावल के पापड़, सावां की खीर जैसी खाने की वस्तुएं शामिल थीं। ये सभी व्यंजन पोषण से भरपूर थे और महिलाओं को स्वस्थ आहार के महत्व को समझाने में मदद करने के लिए प्रदर्शित किए गए। इस आयोजन में प्रखंड समन्वयक अर्पणा कुमारी ने बताया कि पोषण पखवारा के अंतर्गत सभी आंगनबाड़ी केंद्रों पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं, जिनमें प्रभात फेरी, रैली, पोषक सब्जियों एवं फलों की प्रदर्शनी और पोषक खाद्य पदार्थ एवं व्यंजनों की प्रदर्शनी प्रमुख थीं। प्रदर्शनी में महिलाओं को घरेलू व्यंजनों के जरिए यह बताया गया कि कैसे सरल सामग्री से पौष्टिक और स्वादिष्ट आहार तैयार किया जा सकता है। प्रदर्शनी में महिला पर्यवेक्षिकाओं और आंगनबाड़ी सेविकाओं सहित कई प्रमुख महिलाएं उपस्थित थीं। इनमें मीना कुमारी, निशा कुमारी, फर्सिला कुमारी टुडू, पुष्पा कुमारी, शबरी देवी, नीता देवी, अंजू कुमारी, कोमिका महतो, उषा रानी मुर्मू, अनिता देवी, पारुली देवी, सविता देवी, विशोखा देवी, पुलमा देवी, सुनीता देवी, नीलम कुमारी, वीणा देवी, राधिका देवी, रेखा कुमारी, महावती देवी, सुशांति किस्कू, मंजू सोरेन, ललिता देवी, चुड़की हेंब्रम, कुसमी देवी, एलिजाबेथ मुर्मू और बैजंती देवी शामिल थीं। यह कार्यक्रम न केवल महिलाओं को उनके स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का एक प्रयास था, बल्कि यह उन्हें अपने परिवारों में भी पोषण के महत्व को फैलाने के लिए प्रेरित करता है। इस पहल के माध्यम से पोषण पखवारे के तहत महिलाओं और बच्चों के आहार और स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित किया गया, ताकि वे अच्छे स्वास्थ्य की ओर अग्रसर हो सकें।

10 मई को आयोजित होगी राष्ट्रीय लोक अदालत

रांची (नि.सं.)। रांची में आगामी 10 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर तैयारियों ने रफ्तार पकड़ ली है। इसी कड़ी में सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने की। बैठक में जिले के नामित मध्यस्थों, अधिवक्ताओं और विशेषज्ञ मध्यस्थों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य लोक अदालत की कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना और वादों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए रणनीति तैयार करना था। डालसा सचिव रवि कुमार भास्कर ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत एक ऐसा मंच है, जहां जनता को त्वरित, सुलभ और सस्ती न्यायिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है। इसमें लंबित मामलों का समाधान आपसी सहमति के आधार पर किया जाता है, जिससे ना सिर्फ समय की बचत होती है।

पांच पहलवान एसजीएफआई नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए झारखंड टीम में शामिल

निज संवाददाता | गोड्डा

21 से 27 अप्रैल तक दिल्ली में आयोजित होने वाली "68वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता" के लिए झारखंड की 48 सदस्यीय बालक एवं बालिका टीम रविवार शाम रांची रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हो गई। इस टीम में गोड्डा जिले के पांच पहलवानों को जगह मिली है, जो जिले के लिए गर्व की बात है। जिला कुश्ती संघ के सचिव सुरजीत झा ने बताया कि गोड्डा के कृष्ण यादव का चयन अंडर 17 फ्री स्टाइल मुकाबले के लिए हुआ है, जबकि अंडर 19 ग्रीको रोमन स्टाइल के विभिन्न भार स्पर्धाओं के लिए राम चंद्र मंडल, लक्ष्मण बेसरा, पियूष कुमार साह और अंकित कुमार का चयन किया गया है। चयनित पहलवानों की सफलता पर जिला खेल पदाधिकारी डॉ. प्राण महतो, जिला शिक्षा पदाधिकारी मिथिला टुडू, अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अनूप केरकेट्टा और जिला कुश्ती संघ के पदाधिकारियों ने खुशी व्यक्त की। इस उपलब्धि को जिले के लिए बहुत बड़ी सफलता बताते हुए उन्होंने चयनित पहलवानों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जिला कुश्ती संघ के अन्य पदाधिकारियों जैसे मनोज कुमार पप्पु, अखिल कुमार झा, मनीष कुमार सिंह, रामेश्वरम रंगनाथन उर्फ रानू जी, विनायक झा, प्रीतम कुमार झा, शारीरिक शिक्षा शिक्षक नीरज कुमार सिंह और वरीय पहलवान राहुल कुमार एवं रौशन कुमार साह ने भी पहलवानों की सफलता पर खुशी जाहिर की और उन्हें आगामी प्रतियोगिता में सफलता की शुभकामनाएं दी। यह चयन जिले के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और गोड्डा के कुश्ती खिलाड़ियों के लिए एक नई उम्मीद की किरण है। इन खिलाड़ियों का दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है।

बारातियों से लदी ऑटो पलटी, चार बाराती घायल

निज संवाददाता | बसंतराय

बसंतराय प्रखंड के फसिया गांव से लौट रहे बारातियों से लदी एक ऑटो बिशाहा मोड़ के समीप दोपहर के समय पलट गई, जिसमें चार बाराती गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल व्यक्तियों की पहचान बादल कुमार, शंकर दास, श्रवण कुमार और सचिन दास के रूप में की गई है। ये सभी एक ही परिवार से हैं और गोड्डा शहर के गोढ़ी मुहल्ले के निवासी हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घायलों को उसी ऑटो में बैठाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजा। घायलों की हालत देखने के लिए गोढ़ी मुहल्ले से बड़ी संख्या में परिजन भी सदर अस्पताल पहुंचे। वे घायलों की स्थिति देखकर घबराए और चिंता में डूबे हुए थे। फिलहाल, सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सकों ने बताया कि कुछ घायलों को सिर में चोट आई है तो कुछ को पैर और हाथ में चोटें लगी हैं। लेकिन अच्छी खबर यह है कि सभी की स्थिति स्थिर है और खतरे से बाहर हैं। अस्पताल प्रशासन द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद कुछ घायलों को घर भेज दिया गया है, जबकि एक गंभीर घायल को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल से हायर सेंटर रेफर किया जा रहा है।

हादसे के बारे में घायल बादल कुमार ने बताया कि वे फसिया गांव से लौट रहे थे, जब अचानक बिशाहा मोड़ के पास ऑटो का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई। बादल कुमार के अनुसार, बारिश के कारण गीली मिट्टी पर ऑटो का टायर फिसल गया, जिसके चलते यह दुर्घटना घटी। हादसे के बाद, ऑटो पलटने से सभी सवार नीचे दब गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना में सबसे ज्यादा चोट सचिन दास को आई है, जिनके पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। उन्हें विशेष इलाज के लिए रेफर किया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटना की जांच शुरू कर दी है और यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि क्या हादसे के पीछे वाहन की कोई तकनीकी खराबी थी या ड्राइवर की लापरवाही। इस दुर्घटना के बाद क्षेत्र में एक बार फिर से सड़क सुरक्षा को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय प्रशासन ने भी लोगों को सतर्क रहने और सड़क पर सावधानी से वाहन चलाने की सलाह दी है।

मैट्रिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं जलाए जाने की घटना को लेकर अभाविप ने किया धरना प्रदर्शन

निज संवाददाता | दुमका

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद दुमका की ओर से सोमवार को क्षेत्रीय जैक कार्यालय के बाहर धरना- प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर कॉलेज अध्यक्ष अमन शाह ने कहा कि यह चिंताजनक बात है कि आज के इस आधुनिक भारत में जहां ए आई के द्वारा देश को समृद्ध करने की विस्तृत बात होती है, वहीं यहां दुमका जिला में बच्चों के भविष्य के साथ एक अलग ही खिलवाड़ होता दिख रहा है| बीते दिनों मैट्रिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं संदेहास्पद परिस्थितियों में जलाए जाने की घटना सामने आई है, जो न केवल परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह लगती है बल्कि छात्रों के भविष्य को भी प्रभावित करती है।। अभाविप इस घटना की कड़े शब्दों से निंदा करता है और साथ ही साथ मांग करता है कि इस घटना की निष्पक्ष जांच की जाए और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। कहा कि छात्रों के हितों की रक्षा करना अभाविप की पहली प्राथमिकता है, और हम इस मामले में न्याय तक पहुंचने तक संघर्ष करते रहेंगे।

जिला कार्यकारिणी सदस्य रॉकी पाल ने कहा कि कुछ दिनों पहले ही दसवीं के पेपर लीक की घटना आई और आज यह दसवीं के पेपर जलने की खबरें सामने आ रही हैं। इससे पता चलता है कि झारखंड की शिक्षा व्यवस्था काफी कमजोर और बिगड़ी हुई है। अभाविप झारखंड सरकार से मांग करती है कि जल्द से जल्द इस घटना के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाए और जैक की शिक्षा तथा सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए। इस अवसर पर मुख्य रूप से विभाग संगठन मंत्री हिमांशु दुबे, नगर मंत्री अभिषेक गुप्ता, कॉलेज अध्यक्ष अमन शाह, राज किशोर, सनत पंडित, मणिलाल, सुमित यादव, सुजल कुमार और अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

ठाकुरगंगटी (नि.सं.)। मानिकपुर आजीविका महिला संकुल स्तरीय प्राथमिक स्वावलंबी सहकारी समिति लिमिटेड कार्यालय भगैया में संकुल स्तरीय ऑफिस बेरियर एवं कार्यकारणी समिति सदस्यों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जेएसएलपीएस एवं प्रदान संस्था के सहयोग से आयोजित किया गया जिसमें सभी सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस परियोजना के अंतर्गत महिला किसानों की आय में वृद्धि, विभिन्न आजीविका गतिविधियों हेतु तकनीकी प्रशिक्षण, कृषि कार्यों के लिए गुणवत्ता युक्त इनपुट की उपलब्धता तथा किसानों को बेहतर बाजार व्यवस्था उपलब्ध कराना है। बताया गया कि इस पहल से जुड़ कर किसान न केवल अपनी आय में सुधार कर सकते हैं बल्कि नवीनतम कृषि तकनीकों एवं संसाधनों का लाभ उठाकर एक सशक्त एवं आत्मनिर्भर कृषक समुदाय की स्थापना की दिशा में कदम बढ़ा सकते हैं।

टायर फटने से कोयला लदे हाइवा में लगी आग, लाखों की क्षति, इलाके में मची अफरा-तफरी

निज संवाददाता | साहिबगंज

काठीकुंड थाना क्षेत्र के चांदनी चौक के पास सोमवार को एक गंभीर घटना घटित हुई, जब कोयला लादकर जा रहे एक हाइवा के टायर में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में लाखों की संपत्ति का नुकसान हुआ, हालांकि गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के अनुसार, हाइवा पंचूवाड़ा साउथ कॉल ब्लॉक से कोयला लोड कर दुमका रैक प्वाइंट की ओर जा रहा था। रास्ते में चांदनी चौक के पास जैसे ही हाइवा का टायर फटा, उसमें जोरदार घर्षण हुआ और टायर में आग लग गई। आग ने तेजी से विकराल रूप धारण कर लिया और देखते ही देखते कोयला लदे हाइवा के बायीं तरफ के सभी छह छक्के आग की चपेट में आकर पूरी तरह से जलकर नष्ट हो गए। घटना की सूचना मिलते ही काठीकुंड थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार मौके पर पहुंचे और उन्होंने तुरंत दमकल विभाग को सूचित किया। दमकल की दो गाड़ियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। आग की चपेट में आने के कारण हाइवे का एक हिस्सा बुरी तरह से जल चुका था, लेकिन दमकल विभाग के प्रयासों से स्थिति नियंत्रण में आ गई और बड़ी घटना होने से टल गई। घटना के बाद पुलिस ने एहतियातन कुछ समय के लिए यातायात रोक दिया, जिससे अन्य वाहन चालकों को कोई परेशानी नहीं हुई। आग पर काबू पाने का प्रयास सबसे पहले हाइवा के ड्राइवर और खलासी ने किया था। वे बाल्टी में पानी भरकर आग बुझाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन आग इतनी तेजी से फैल गई कि उन्हें दमकल विभाग की मदद लेनी पड़ी। हाइवा कुश्चिरा के आशुतोष भगत का था और इसमें लगभग 27 टन से ज्यादा कोयला लोड था। आग की वजह से हाइवा और उसमें लदे कोयले का भारी नुकसान हुआ है, जिससे मालिक को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ा। यह घटना हाइवा के टायर फटने के कारण घर्षण से आग लगने की एक महत्वपूर्ण मिसाल बन गई है। इस घटना ने वाहन चालकों और मालिकों को सुरक्षा के प्रति जागरूक करने की जरूरत को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

विचार-मंथन

संपादकीय

सिद्धारमैया की मुश्किल

कर्नाटक में जाति जनगणना की लीक हुई रिपोर्ट ने राज्य की राजनीति में तूफान ला दिया है। इस रिपोर्ट के तथ्यों पर उठाए जा रहे सवालों को छोड़ दें, तो भी राज्य की कांग्रेस सरकार के लिए इसे स्वीकार करना आसान नहीं होगा। इससे सियासी और सामाजिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे, जिसका असर देश के बाकी राज्यों पर भी पड़ेगा। ऐसे में जब गुरुवार को सीएम सिद्धारमैया अपनी कैबिनेट के साथ इस मामले पर चर्चा करेंगे, तो उनके सामने बहुत सारे सवाल होंगे। अनुमान से अलग आंकड़े- रिपोर्ट के मुताबिक, कर्नाटक में अन्य पिछड़ा वर्ग की आबादी अनुमान से ज्यादा है। ओबीसी के लिए आरक्षण को 32 प्रतिशत से बढ़ाकर 51प्रतिशत और मुस्लिम समुदाय के लिए 4प्रतिशत से 8प्रतिशत करने की सिफारिश की गई है। लेकिन, सबसे ज्यादा विरोध हो रहा है लिंगायत और वोक्कालिगा समुदायों की ओर से, जिनकी जनसंख्या अनुमान से कम बताई जा रही है। कर्नाटक की राजनीति में ये दोनों जातियां बेहद प्रभावी हैं। सामाजिक रूप से भी दोनों का खासा प्रभाव है। कांग्रेस के सामने मुश्किल यह है कि वह जाति जनगणना का समर्थन करती रही है। राहुल गांधी कई मौकों पर कह चुके हैं कि जिसकी जितनी आबादी है, उसकी उतनी ही हिस्सेदारी होनी चाहिए। लेकिन, इस पर कांग्रेस के भीतर से ही विरोध के सुर उठ रहे हैं। यह ऐसा मुद्दा है, जिसने जातीय आधार पर नेताओं की गोलबंदी कर दी है। वोक्कालिगा समुदाय से आने वाले डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने अपने धड़े के विधायकों के साथ मुलाकात की है ताकि कैबिनेट मीटिंग में सही ढंग से पक्ष रखा जा सके। सिद्धारमैया और कांग्रेस के सामने अपनों को मनाने की ही नहीं, रिपोर्ट को विश्वसनीय दिखाने की भी चुनौती है। आरोप लग रहे हैं कि रिपोर्ट को वैज्ञानिक तरीके से नहीं तैयार किया गया है। कांग्रेस के ही एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि सर्वे टीम उनके घर नहीं पहुंची तो फिर रिपोर्ट कैसे तैयार की गई? यह भी कहा जा रहा है कि कई उपजातियों ने आरक्षण का फायदा लेने के लिए खुद को अलग कैटिगरी में दर्ज करा दिया। ये दोनों ही बिंदु गंभीर हैं और सरकार को इन्हें जरूर देखना चाहिए। रिपोर्ट के आधार पर कर्नाटक में कुल आरक्षण करीब 75 प्रतिशत तक हो जाएगा।

बाल तस्करी बढ़ने पर न्यायालय ने जताई चिंता

भारत में बाल तस्करी बढ़ने का सबसे बड़ा कारण गरीबी है। भुखमरी, अशिक्षा और बेरोजगारी की वजह से गरीब परिवारों के बच्चे सर्वाधिक असुरक्षित हैं। आजीविका का साधन न होने के कारण लोग अपने बच्चों को किसी न किसी काम में लगा देते हैं। बाल तस्करों की नजर अस्पतालों में जन्म लेने वाले नवजात शिशुओं पर ही नहीं, ऐसे बच्चों पर भी होती है जो ढाबों-होटलों और ईंट-भट्ठों पर काम कर रहे होते हैं। इन्हें अगवा कर बेच दिया जाता है। कई बच्चे भीख मंगवाने वाले गिरोह के चंगुल में फंस जाते हैं। बच्चियां यौन शोषण का शिकार होती हैं। आदिवासी इलाकों से बच्चे रहस्यमय ढंग से लापता हो जाते हैं। थानों में उनकी सुनवाई नहीं होती। एक अस्पताल से नवजात शिशु के गायब होने और उसे बेचे जाने के मामले में शीर्ष न्यायालय ने उचित ही कड़ा रुख दिखाया है। इसमें दोराय नहीं कि बाल तस्कर समाज के दुश्मन हैं। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट की चिंता वाजिब है। अगर अस्पतालों से शिशु गायब होते हैं, तो उन पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। उनके लाइसेंस रद्द होने चाहिए। यह छिपी बात नहीं कि भारत में बच्चों को किस तरह अगवा कर उनका बचपन छीना जा रहा है। उन्हें बालश्रम और यौन कर्म में तो झोंका ही जाता है, अंग तस्करी का शिकार बना कर उनकी जान को जोखिम में डाल दिया जाता है। यह मानवीय गरिमा के खिलाफ है। ताजुब्ब है कि इस तरह की गतिविधियां पुलिस तंत्र की नाक तले वर्षों से चल रही हैं। एक तरफ तो बच्चों के गायब होने की रपट आसानी से लिखी नहीं जाती, दूसरी तरफ बहुत कम बच्चे तस्करों के चंगुल से छूट कर घर लौटते हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, ओड़ीशा और मध्यप्रदेश में बाल तस्करी के मामले अधिक दर्ज होते हैं। यहां ऐसे मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। हालांकि अभिभावकों के जागरूक होने से मामले दर्ज होने लगे हैं। वहीं देश भर की अदालतों में बाल तस्करी के कई मामले लंबित हैं। शीर्ष अदालत के ऐसे मामलों की जानकारी देने और जल्द सुनवाई पूरी करने के निर्देश से बाल तस्करी के मामलों पर लगाम लगने की उम्मीद बनी है।

आखिर न्यायपालिका को 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी?

(कमलेश पांडे)

देश में फैला न्यायिक भ्रष्टाचार हमारी विधायिका की लगभग 8 दशकों की बड़ी लापरवाही है। वहीं, प्रशासनिक भ्रष्टाचार में भी विधायिका का परोक्ष रूप से हिस्सेदार बन जाने की प्रवृत्ति भी अस्वीकार्य है। सारे टकराव की वजह भी यही भ्रष्ट और अनैतिक आचरण है। मेरा स्पष्ट मानना है कि भारतीय संविधान से नौंवी अनुसूची को हटाकर उसमें शामिल किए गए सभी विषयों की न्यायिक समीक्षा होनी चाहिए, ताकि राजनीतिक मनमानी रूके।

ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। भारतीय लोकतंत्र में विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका, खबरपालिका और समाजपालिका में पारस्परिक टकराव कोई नई बात नहीं है, लेकिन यह जनहित में होना और दिखाई देना चाहिए। लेकिन अब जिस तरह से अपनी नाकामियों और चरित्रहीनता को छिपाने के लिए ये लोग संवैधानिक नियमों का दुरूपयोग कर रहे हैं, वह किसी वैचारिक त्रासदी से कम नहीं है। देश के प्रबुद्ध लोगों को इन संवैधानिक कमियों को पहचानना चाहिए और उसपर अविलंब लीगल सर्जिकल स्ट्राइक करने का दबाव भारतीय संसद और सुप्रीम कोर्ट दोनों पर बनाना चाहिए। इस बात में कोई दो राय नहीं कि राष्ट्रीय संसाधनों के न्यायपूर्ण बंटवारे, विधि-व्यवस्था को बनाए रखने और उसे तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सबको समान रूप से गुणवत्तापूर्ण जन सुविधाएं मुहैय्या करवाने में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों असफल साबित हुए हैं और इनके ऊलजलूल तर्कों से देश इस्लामिक चरमपंथियों के नापाक मंसूबों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ता हुआ प्रतीत हो रहा है! राष्ट्रपति शासन, आरक्षण विवाद, भाषा विवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि सुलगते सवालों पर राष्ट्र का सही मार्गदर्शन करने में भी ये संस्थाएं विफल प्रतीत हो रही हैं। ऐसे में इनकी नकेल कसने के लिए भारतीय संविधान कभी कारगर साबित हो ही नहीं सकता, क्योंकि यह खुद साम्राज्यवादी मानसिकता वाले विरोधाभासों से भरा पड़ा है। ऐसे में देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की यह टिप्पणी वाजिब है कि न्यायपालिका द्वारा राष्ट्रपति के निर्णय लेने के लिए समयसीमा तय करने, और 'सुपर संसद' के रूप में काम करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है, इसलिए उन्होंने इस विषय को लेकर महत्वपूर्ण सवाल उठाए हैं, जो उनके प्रबुद्ध होने का परिचायक है। देश के विश्वविद्यालयों और अन्य पेशेवर संगठनों को इन पर गौर फरमाते हुए आम राय कायम करने की जरूरत है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट लोकतांत्रिक ताकतों पर 'परमाणु मिसाइल' नहीं दाग सकता! उपराष्ट्रपति धनखड़ ने आरोप लगाया है कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद-142 लोकतांत्रिक ताकतों के खिलाफ एक परमाणु मिसाइल बन गया है जो न्यायपालिका के लिए चौबीसों घंटे उपलब्ध है। बता दें कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को अपने समक्ष किसी भी मामले में 'पूर्ण न्याय' सुनिश्चित करने के लिए आदेश जारी करने की शक्ति देता है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया है और कहा है कि, हमारे पास ऐसे जज हैं जो कानून बनाएंगे, जो कार्यपालिका के काम करेंगे और उनकी कोई जवाबदेही नहीं होगी, क्योंकि देश का कानून उन पर लागू नहीं होता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 17 अप्रैल 2025 दिन गुरुवार को कहा कि हाल ही में जूडिशरी के एक फैसले में राष्ट्रपति को निर्देश दिये जाने की पनपी नई प्रवृत्ति पर ठीक ही सवाल किया कि हम किस दिशा में जा रहे है? हमने इस दिन के लिए लोकतंत्र की कभी उम्मीद नहीं की थी। राष्ट्रपति को समयबद्ध तरीके से निर्णय लेने के लिए कहा जाता है। धनखड़ ने यह टिप्पणी राज्यसभा के ट्रेनीज को संबोधित करते हुए की। उन्होंने ठीक ही कहा कि हम ऐसी स्थिति नहीं बना सकते जहां आप भारत के राष्ट्रपति को निर्देश दें। उन्होंने कहा कि यह निर्देश किस आधार पर दिए जा रहे हैं? संविधान के तहत आपके पास एकमात्र अधिकार अनुच्छेद 145(3) के तहत संविधान की व्याख्या करना है। उन्होंने शक्तियों के पृथक्करण पर कहा कि जब सरकार जनता द्वारा चुनी जाती है, तो सरकार संसद के प्रति तथा चुनावों में जनता के प्रति जवाबदेह होती है। उन्होंने कहा कि समय आ गया है जब विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका फले-फूलें। किसी एक के द्वारा दूसरे के क्षेत्र में हस्तक्षेप चुनौती पैदा करता है, जो अच्छी बात नहीं है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा के घर से बड़े पैमाने पर नकदी की बरामदगी से जुड़े मामले में एफआईआर दर्ज न किए जाने पर सवाल उठाया है। उन्होंने ठीक ही कहा कि अगर यह घटना आम आदमी के घर पर हुई होती, तो मामले में रॉकेट की रफ्तार से एफआईआर दर्ज की जाती। जबकि न्यायपालिका की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। उन्होंने ठीक ही कहा है कि किसी संस्था या व्यक्ति को पतन की ओर धकेलने का सबसे पुख्ता तरीका उसे जांच से सुरक्षा की पूर्ण गारंटी प्रदान करना है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दिल्ली हाइकोर्ट के एक जज के घर मिले कथित कैश की ओर इशारा करते हुए उस पर लीपापोती की नाजायज प्रवृत्ति पर भी सवाल उठाए। धनखड़ ने दो टूक शब्दों में कहा कि हाई कोर्ट के एक जज के घर से मिले कैश से जुड़े मामले में एफआईआर न होना आमलोगों के सवालों के घेरे में है। इसलिए सवाल उठाया कि क्या कानून से परे एक श्रेणी को अभियोजन से छूट है। उन्होंने ठीक ही कहा कि जूडिशरी की स्वतंत्र जांच या पूछताछ के खिलाफ किसी तरह का सुरक्षा कवच नहीं है। एक पत्रकार के रूप मेरी भी व्यक्तिगत राय है कि न्यायिक भ्रष्टाचार की जांच के लिए न्यायिक पुलिस और पत्रकारिता के भ्रष्टाचार की जांच के लिए मीडिया पुलिस का अविलंब गठन किया जाए। प्रशासनिक व्यवस्था के किसी भी क्षेत्र को स्वनियमन बनाने और लागू करने की छूट नहीं दी जाए। इसलिए यहां पर सवाल उठता है कि आखिर न्यायपालिका को सुपर संसद के रूप में काम करने की इजाजत किसने दी? मेरा स्पष्ट मानना है कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राप्त भारी जनसमर्थन का रणनीतिक दुरूपयोग किया, जिससे न्यायपालिका को विधायिका को दुरुस्त करने का मौका मिल गया, जो अनुचित नहीं है। किसी भी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, राज्यपाल, उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री आदि को वोट बैंक के लिहाज से जनविरोधी या राष्ट्र विरोधी फैसले लिए जाने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। ऐसे में मजबूत व स्वतंत्र न्यायपालिका जरूरी है।

मुर्शिदाबाद हिंसा कांड पर कुछ अनुत्तरित सवाल

(चेतनादित्य आलोक)

और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की। उग्र भीड़ में शामिल आतताइयों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग 04 दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं। और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निमर्म घटनाओं की चैहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की आर्त चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखो देखी घटनाएं टीवी पर बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत ने जैसा टीवी पर बताया उसके अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आतताइयों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भीड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे। उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदां व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम-से-कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5708

			2	4		6		
9								3
1					3		4	5
5	6			7		1		
		4	8		5	9		
		1		6			5	2
6	9		5					1
4								9
		8		9	6			

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5708

4	1	6	9	2	3	5	8	7
5	8	2	4	1	7	6	9	3
3	9	7	6	8	5	4	1	2
7	3	9	1	6	4	2	5	8
1	5	8	3	7	2	9	4	6
6	2	4	8	5	9	7	3	1
9	7	3	2	4	1	8	6	5
2	6	1	5	9	8	3	7	4
8	4	5	7	3	6	1	2	9

वर्ग पहेली 5708

संकेतः बाएं से दाएं
1. भारत के इस स्थान को सफेद पानी के नाम स जाना जाता है (4)
5. मध्यप्रदेश का विदिशा जिला इस नदी के नट पर स्थित है (3)
8. उपयुक्त अवसर पर, ऐन वक्त पर, बिना चूके, सही समय पर (4)
9. लेखनी, काटकर लगाने की टहनी (3)
10. झंकृत होना, झंकारना, टंकृत होना (4)
11. यह मध्यप्रदेश का एक नगर व संभाग है (2)
12. व्यर्थ, फिजूल, बेमतलब (3)
14. भास्कर, सूर्य, सूरज एक दिवंगत फिल्म संगीतकार जिनका निधन 7 मार्च 2012 को मुंबई में हुआ (2)
16. गगनध्वज, उदधि, नभगज (2)
17. आचार-व्यवहार, शैली, तर्ज (3)
19. निर्माण, रचना, इमारत बनाना (3)
20. दो बार उतना ही, दुगुना (2)
22. राशि, प्रकार, जेवर (3)
24. त्यागना, छोड़ना, परित्याग करना (3)
25. हस्ताक्षर, यथार्थ, वास्तविक दस्तखत (2)

ऊपर से नीचे
1. पं.रविशंकर नाम इस वाद्य के साथ जुड़ा है (3)
2. लोबान को यह भी कहते है (3)
3. सटना, आलिंगन करना, आसक्त होना (4)
4. नृसिंह अवतार, वीर पुरूष (5)
5. भट्ठी, नानबाई (3)
6. यह छत्रपति शिवाजी का शस्त्र है, असि (4)
7. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
13. वह जो कविता की रचना करे, कवि (5)
15. जगत, संसार, दुनिया (2)
16. महाकवि कालिदास की एक प्रसिद्ध कृति (4)
18. सुगंध, महक, खशबू, गमक (3)
21. गर्व, घमंड, चोचला, फख्र, रूप अभिमान (2)
23. वर्तमान क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी इस नाम से भी जाने जाते है, मछली, मासिक (2)

वर्ग पहेली 5707 का हल

बैं	क	ऑ	फ	हिं	दु	स्ता	न
क		न	ल		म		य
	बु	ला	ना		दा	म	न
		इ		सू	र	ज	
सु		न	म	ना		बू	ता
र	घु		त	प		र	ज
सा		पा	ल	न			पो
	त	ल	ब		त	ला	शी

आज का राशिफल

मेष
आज लाभ के योग हैं और आपको संतान की तरफ से अच्छी खबर मिलेगी। उनकी सफलता से आपको खुशी होगी। घर से निकलते समय माता-पिता का आशीर्वाद जरूर लें, इससे आपको विशेष सफलता मिलेगी। आपको नौकरों और सांसारिक सुखों की प्राप्ति होगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। शाम से रात तक कहीं से करियर को लेकर काम की जानकारी मिल सकती है।

वृष
आज का दिन बहुत अच्छा है। आपके अच्छे कार्यों से आपका और आपके परिवार का मान-सम्मान बढ़ेगा। आप सही समय पर सही फैसले लेने में सक्षम होंगे,आपकी रुचि धार्मिक कार्यों में अधिक रहेगी। इसलिए आज आप सामाजिक और धार्मिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे। हालांकि, शाम से आधी रात तक का वक्त सेहत के लिए गड़बड़ हो सकता है।

मिथुन
आज दिन करियर के मामले में अधिक अनुकूल नहीं है। आपको कोई नया काम आरंभ न करने की सलाह है। अगर कोई मुकदमा या पूछताछ चल रही है, तो आपको सावधान रहने की जरूरत है। जल्दबाजी में कोई भी फैसला न लें, वरना नुकसान हो सकता है। अगर आप नौकरी करते हैं।

तुला
आज दिन व्यापार में नए बदलाव लेकर आएगा। नौकरी करने वालों के अधिकार बढ़ेंगे, जिससे उन्हें आर्थिक लाभ और सम्मान मिलेगा। परिवार की तरफ से भी शुभ समाचार मिलेगा। शाम से रात तक आप सामाजिक कार्यों और भोग-विलास में डूबे रहेंगे। ज्यादा धन मिलने से आपमें अभिमान आ सकता है। सोचसमझकर काम करें तो आपको लाभ होगा। आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक
आज दिन बहुत शुभ है। अगर आपकी पदोन्नति रुकी हुई है, तो वह जरूर हो जाएगी और आपको लाभ होगा। आप अपनी बातों से बड़े अधिकारियों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहेंगे। आंखों से जुड़ी परेशानियां कम होंगी और आपको सही फैसले लेने की क्षमता का लाभ मिलेगा। रात में ज्यादा तीखा भोजन न करें, यह आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

धनु
आज लाभ होगा और आपका दिन शुभ होगा। साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ेंगी। आप अपनी शान-शौकत पर धन खर्च कर सकते हैं। आपने हमेशा दूसरों की भलाई और सेवा की है, जिसका फल आज आपकी संतान को मिलेगा। आपकी योजनाएं सफल होंगी और आनंद में वृद्धि होगी। आपके संबंधों में सुखद एहसास की प्राप्ति होगी और आपके मान सम्मान में इजाफा होगा।

कर्क
आज दिन सामान्य रहेगा और आपको धैर्य से काम लेने की सलाह दी जाती है। जल्दबाजी में किए गए काम से नुकसान हो सकता है। आपकी सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। अगर आपको नए-नए कार्यों में निवेश करना पड़े, तो जरूर करें। आगे चलकर आपको लाभ होगा। संतान की नौकरी और विवाह जैसे शुभ कार्यों के लिए किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी।

सिंह
आज लाभ का दिन है और आपके अंदर शारीरिक शक्ति और उत्साह अधिक रहेगा। लेकिन कुछ ऐसे खर्चे सामने आएंगे, जो आपको मजबूरी में करने पड़ेंगे। अगर आपकी पदोन्नति रुकी हुई है, तो वह आज जरूर हो जाएगी। आपके हाथ में बहुत सारा पैसा आएगा, जिससे आपको खुशी होगी। शाम और रात में शुभ कार्यों पर खर्च होगा और आपकी कीर्ति बढ़ेगी।

कन्या
आज दिन सफलता से भर होगा। अगर आप किसी वित्तीय संस्था या व्यक्ति से लोन लेना चाहते हैं, तो आपको आसानी से मिल जाएगा। नई-नई योजनाएं बनाकर उन्हें सफल बनाने की कोशिश करें। आपके साहस और पराक्रम से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।

मकर
आज दिन शुभ नहीं है और आपको सोच-समझकर काम करने की सलाह दी जाती है। नुकसान होने की आशंका है। अचानक कोई सरकारी दंड भी मिल सकता है। इसलिए जोखिम भरे कामों से दूर रहें। शाम से रात तक छोटे-मोटे कष्ट और मानहानि की संभावना बनी रहेगी। खून की कमी और गैस की समस्या से शारीरिक परेशानी बढ़ सकती है।

कुंभ
आज भाग्य का साथ मिल रहा है। आपको किसी बहुमूल्य वस्तु के प्राप्त होने की संभावना है। अगर आप नौकरी करते हैं, तो आपके पद और अधिकारों में वृद्धि होगी। आपके साहस और पराक्रम के सामने शत्रु हार मान लेंगे। संतान के प्रति आपका प्रेम बढ़ेगा। शाम से रात तक आपकी रुचि तप, यज्ञ और ईश्वर के ज्ञान की ओर बढ़ेगी। आपको नौकरों का सुख मिलेगा।

मीन
आज लाभ का दिन है और आपके सुख में वृद्धि होगी। आपको आध्यात्म से ज्ञान की प्राप्ति होगी। आपकी बुद्धि नए-नए खोज करने में लगेगी। रुका हुआ धन मिलेगा। शाम को संतान को कष्ट हो सकता है। जिन लोगों पर आप विश्वास करते हैं, वे आपको धोखा देने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए सावधान रहें। ऑफिस के लोगों से सिर्फ काम की बात करें और अपनी बातें शेयर न करें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

गिरिडीह में तीन मंजिला मकान में लगी आग, मां और बेटी की हुई दर्दनाक मौत

निज संवाददाता | गिरिडीह

सोमवार की तड़के पचंबा थाना क्षेत्र अंतर्गत मारवाड़ी मोहल्ला में एक तीन मंजिला मकान में अचानक भीषण आग लग गई, जिसमें मां-बेटी की मौत हो गई। इस हृदय विदारक हादसे में 45 वर्षीय संगीता डालमिया और उनकी 21 वर्षीय बेटी खुशी डालमिया की जलकर मौत हो गई, जबकि परिवार के चार अन्य सदस्य किसी तरह सुरक्षित निकाल लिए गए। जानकारी के मुताबिक, जिस इमारत में आग लगी, उसके पहले तल्ले पर 'खुशी मार्ट' नाम की कपड़े की दुकान थी। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट के कारण पहले दुकान में आग लगी, जिसने कुछ ही मिनटों में पूरे भवन को अपनी चपेट में ले लिया। उस समय अधिकांश लोग सोए हुए थे और जब तक किसी को भनक लगी, तब तक आग बेकाबू हो चुकी थी। आग लगने की सूचना तड़के करीब तीन बजे लोगों को लगी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया। गिरिडीह, कोडरमा और धनबाद से कुल 14 दमकल गाड़ियां आग बुझाने के लिए भेजी गईं। भारी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि तब तक संगीता डालमिया और उनकी बेटी खुशी की जान जा चुकी थी। बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद परिवार के बाकी सदस्य—सीताराम डालमिया, उनकी पत्नी किरण, बेटा दिनेश और पोता रिशु को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन संगीता और खुशी अंदर ही फंसी रह गईं और बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिल पाया। तीन मंजिला इस भवन में नीचे दुकान और ऊपर के दो मंजिलों में परिवार रहता था।

चूंकि कपड़े की दुकान में बड़ी मात्रा में वस्त्र और ज्वलनशील सामग्री रखी थी, आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। चंद मिनटों में आग की लपटें तीसरे तल तक पहुंच गईं और चारों ओर धुएं का गुबार फैल गया। लोगों ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को सोचने-समझने का मौका नहीं मिला। घटना की जानकारी मिलते ही नगर विकास मंत्री सह गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने घटना में मृत मां-बेटी के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और परिवार को सांत्वना दी। मंत्री ने कहा कि फायर ब्रिगेड विभाग के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं, और इस दिशा में सरकार से बातचीत कर आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे। इस घटना से पूरे गिरिडीह में शोक की लहर दौड़ गई है। लोग डालमिया परिवार की इस बड़ी क्षति से बेहद आहत हैं। एक तरफ जहां प्रशासन और दमकल कर्मियों ने पूरी तत्परता से राहत और बचाव कार्य किया, वहीं दूसरी ओर यह घटना फायर सेफ्टी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय पर आग पर काबू पा लिया गया होता या अगर इमारत में आग से सुरक्षा के पर्याप्त इंतज़ाम होते, तो शायद इन दो जिंदगियों को बचाया जा सकता था।

सड़क हादसे में एक की मौत, चार लोग घायल

निज संवाददाता | पलामू

पलामू जिले में सोमवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें दूल्हे के ममेरे भाई की मौत हो गई और चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा मेदिनीनगर-औरंगाबाद नेशनल हाईवे पर नावाबाजार थाना क्षेत्र के कंडा घाटी में हुआ। यहां एक ट्रक ने कार को सामने से टक्कर मार दी, जिससे यह दुर्घटना हुई। हादसे में मृतक की पहचान छतरपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ निवासी 26 वर्षीय सत्येंद्र कुमार यादव के रूप में की गई है, जो कार चला रहे थे। घायलों में मनीष यादव (28), सतीश यादव (22), राजू यादव (23) और एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं, जो सभी छतरपुर क्षेत्र के निवासी हैं। मृतक के परिजनों ने बताया कि रविवार को खोड़ी से गढ़वा जिला के रमकंडा अंतर्गत रक्सी गांव में शादी समारोह था। शादी के बाद सोमवार सुबह बाराती घर लौट रहे थे। इसी दौरान तड़के करीब तीन बजे नावाबाजार थाना क्षेत्र के कंडा घाटी में यह हादसा हुआ। ट्रक ने कार को टक्कर मारी, जिससे कार के भीतर बैठे लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद सत्येंद्र कुमार कार के ड्राइविंग सीट पर फंस गए और उनकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही नावाबाजार पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को एमएमसीएच (मेडिकल कॉलेज अस्पताल) भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चारों घायलों को बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। मृतक सत्येंद्र के तीन छोटे बच्चे हैं, जो अब अपने पिता के बिना रहेंगे। इस घटना ने पूरे परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है। पुलिस अब ट्रक और उसके चालक का पता लगाने में जुटी हुई है, जो हादसे के बाद मौके से फरार हो गया है। घटना के बाद से इलाके में शोक की लहर है और लोग इस हादसे के कारणों को लेकर चर्चा कर रहे हैं।

करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष की हत्या

- आक्रोशित लोगों ने डिमना चौक को जाम कर दिया
- मोबाइल लोकेशन के आधार पर खोजा गया शव

विनय सिंह, मृतक

निज संवाददाता | जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम)

जमशेदपुर में क्षत्रिय करणी सेवा परिवार के प्रदेश अध्यक्ष और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई। उनका शव रविवार देर रात एमजीएम थाना क्षेत्र के बालीगुमा स्थित गौड़गौड़ा चौक से 200 मीटर दूर मिला। घटनास्थल के पास उनकी टूटी हुई स्कूटी खड़ी मिली और उनके दाहिने हाथ में पिस्टल भी पाई गई। शरीर पर छिलने और जख्म के निशान थे, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्या के बाद इसे आत्महत्या का रूप देने के लिए बदमाशों ने पिस्टल उनके हाथ में थमा दी। पुलिस को शक है कि यह हत्या मानगो में चल रहे गैंगवार से जुड़ी हुई हो सकती है। विनय सिंह, जो कि अपराधी गणेश सिंह का करीबी था, के खिलाफ कुछ समय पहले ही जानकारी मिली थी कि कुछ लोग उसका पीछा कर रहे थे। बिल्ला पाठक, जो विनय सिंह का करीबी दोस्त था, ने बताया कि विनय का अपराध से कोई संबंध नहीं था। इसके बावजूद हत्या को लेकर गैंगवार की कड़ी से जोड़कर देखा जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, गणेश सिंह के विरोधियों ने ही इस हत्या को अंजाम दिया हो सकता है। विनय सिंह रविवार सुबह 11 बजे नाश्ता करने के बाद अपने घर से निकले थे, लेकिन जब वह दोपहर में खाना खाने के लिए नहीं लौटे, तो परिजनों ने उन्हें मोबाइल पर कॉल किया, लेकिन फोन केवल रिंग हो रहा था। परिजनों ने उनकी लापता होने की सूचना उलीडीह पुलिस को दी, जिसके बाद पुलिस ने मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए बालीगुमा के पास उनकी लोकेशन ट्रैक की। यहां पुलिस ने शव खोज निकाला। विनय सिंह की हत्या की सूचना मिलते ही उनके समर्थक मौके पर पहुंचे और आक्रोशित होकर डिमना चौक को जाम कर दिया, जिससे एनएच-33 पर गाड़ियों की आवाजाही ठप हो गई। पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर त्वरित कार्रवाई की। माना जा रहा है कि विनय सिंह की हत्या गैंगवार का हिस्सा हो सकती है। कुछ दिन पहले गणेश सिंह की हत्या में विफल रहने के बाद, अमरनाथ गैंग के अपराधियों ने विनय सिंह को निशाना बनाया। गोविंदपुर के अलतमस सिटी में गणेश सिंह की हत्या के लिए आए मुख्तार अंसारी गैंग के शूटर अनुज कनौजिया का एनकाउंटर हुआ था और उसके साथी अब भी फरार हैं। पुलिस का मानना है कि फरार अपराधियों ने ही विनय सिंह की हत्या की है।

राशन वितरण में कमी पर 20 डीलरों से एमओ ने मांगा स्पष्टीकरण

पाकुड़ (नि.सं.)। पाकुड़ में प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी संतोष कुमार ने सोमवार को एक समीक्षात्मक बैठक की। बैठक में सभी राशन डीलरों के साथ राशन वितरण प्रणाली की बारीकी से समीक्षा की गई। इस दौरान एमओ ने कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए और राशन वितरण में किसी भी प्रकार की कमी को सख्ती से निपटने की बात कही। बैठक में एमओ ने स्पष्ट रूप से कहा कि सभी कार्डधारियों का ई-केवाईसी 25 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाए। यह अंतिम तिथि निर्धारित की गई है और किसी भी हाल में यह कार्य पूरा होना चाहिए। जिन डीलरों ने अभी तक ई-केवाईसी नहीं कराया है, उन्हें तुरंत इस कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही, बीते फरवरी और मार्च माह में राशन वितरण में कमी आने पर 20 डीलरों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। इसके अतिरिक्त, एमओ ने सभी राशन डीलरों को आदेश दिया कि 30 अप्रैल तक सभी लाभुकों के बीच चना का वितरण पूरा किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन लाभुकों ने पिछले 3-4 महीनों में राशन का उठाव नहीं किया है, उन्हें चिन्हित किया जाए। ऐसे कार्डधारी जो जीएसटी बिल, आयकरदाता, चार पहिया वाहन के मालिक हैं, या मृत लाभुकों का नाम राशन कार्ड पर दर्ज है, उनके नाम कार्ड से हटाए जाएंगे। बैठक में एमओ ने राशन दुकानों के रंग रूप को भी सुधारने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि राशन दुकानों को गुलाबी रंग से पेंट किया जाए और सूचना पट्ट आवश्यक रूप से लगाए जाएं ताकि लाभुकों को सभी जरूरी जानकारी आसानी से मिल सके। एमओ ने इस बात की चेतावनी दी कि अगर किसी डीलर द्वारा निर्धारित मात्रा से कम राशन दिए जाने की शिकायत मिलती है तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

25 अप्रैल तक पूरे हों सभी लाभुकों का सर्वे, बीडीओ ने बैठक में दिए निर्देश

निज संवाददाता | पाकुड़

सोमवार को पाकुड़ प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर स्थित सभागार कक्ष में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ शंकर यादव ने की। इस बैठक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी, अंचल निरीक्षक, सहायक तकनीकी प्रबंधक, राजस्व कर्मचारी, किसान मित्र और स्वयंसेवक शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत लाभुकों की जानकारी का सटीक सर्वे कर समयसीमा के भीतर कार्य को पूर्ण कराना था। बैठक में बीडीओ ने सभी उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि उपायुक्त के आदेशानुसार 25 अप्रैल तक प्रखंड क्षेत्र के सभी लाभुक किसानों का सर्वे कार्य हर हाल में पूरा कर लिया जाए। इसके लिए राजस्व कर्मचारी, किसान मित्र और तकनीकी कर्मियों को आपसी तालमेल के साथ क्षेत्र में सक्रिय रूप से काम करना होगा। सर्वे के दौरान लाभुक किसानों की भूमि संबंधी जानकारी, दस्तावेजों का सत्यापन और अद्यतन डाटा संग्रह किया जाएगा ताकि योजना का लाभ वास्तविक पात्र किसानों को मिल सके।

बीडीओ ने यह भी कहा कि जिन क्षेत्रों में अभी तक सर्वे कार्य धीमा है, वहां विशेष निगरानी रखी जाए और आवश्यकतानुसार अतिरिक्त कर्मियों की तैनाती कर कार्य में तेजी लाई जाए। बैठक में मौजूद अधिकारियों ने सर्वे कार्य की प्रगति से बीडीओ को अवगत कराया और भरोसा दिलाया कि तय समय सीमा में काम पूरा कर लिया जाएगा। वहीं बीडीओ ने सभी से अपील की कि किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जो भी कर्मचारी कार्य में कोताही बरतते पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। बैठक के अंत में बीडीओ ने एक बार फिर सभी कर्मचारियों को निर्देशित किया कि वे गांव-गांव जाकर लाभुकों से संपर्क करें, सही जानकारी जुटाएं और पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य संपन्न करें, ताकि कोई भी पात्र किसान इस योजना से वंचित न रहे। इस बैठक के बाद यह तय हो गया है कि अब सर्वे कार्य को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है और हर हाल में 25 अप्रैल तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

सड़क दुर्घटना में दो घायल

नारायणपुर (जामताड़ा) (नि. सं.)। करमाटांड करमदहा मुख्य सड़क मार्ग पर पड़ने वाले नारायणपुर थाना क्षेत्र के बावनबीघा के समीप हुई सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल हो गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार नारायणपुर थाना क्षेत्र के भागाबांध निवासी बसीर अंसारी के पुत्र परवेज अंसारी (उम्र करीब 19वर्ष) अपने ममेरे भाई थाना क्षेत्र चंपापुर निवासी मनसूर अंसारी के पुत्र जमील अंसारी (उम्र करीब 14वर्ष) के साथ नारायणपुर बाजार से भागाबांध गांव बाइक से जा रहा था। तभी करमाटांड करमदहा मुख्य सड़क मार्ग पर पड़ने वाले थाना क्षेत्र के बावनबीघा के समीप अनियंत्रित होकर सड़क मार्ग पर गिर गया। जिससे इस सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दोनों युवक घायल हो गया। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की मदद से उनके परिजनों ने दोनों घायल युवकों को घटनास्थल से उठाकर इलाज कराने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणपुर में भर्ती करवा दिया।

पिकअप से 12 गाय बरामद, एक की मौत, चालक गिरफ्तार

निज संवाददाता | पाकुड़

पाकुड़ जिले में पुलिस ने एक बार फिर तस्करों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए गौ तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। यह कार्रवाई मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत विक्रमपुर के पास की गई, जहां पुलिस ने एक पिकअप वाहन को पकड़ा। जब वाहन की तलाशी ली गई तो उसमें 12 गायें क्रूरतापूर्वक रस्सियों से बांधकर ठूंस-ठूंस कर रखी गई थीं। वाहन में गायों को जिस अमानवीय तरीके से रखा गया था, उससे उनकी हालत बेहद खराब हो चुकी थी और उनमें से एक गाय की मौके पर ही मौत हो गई। शेष मवेशियों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। इस पूरी घटना के बाद पुलिस ने तत्काल वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया है, जिसकी पहचान हिरणपुर निवासी तरुण शाह के रूप में हुई है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है, ताकि इस तस्करी में शामिल अन्य लोगों तक भी पहुंचा जा सके। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि इन गायों को बिहार के बांका जिले के अमरपुर से लेकर पश्चिम बंगाल की ओर ले जाया जा रहा था। इस बात की पुष्टि खुद एसडीपीओ दयानंद आजाद ने की है। उन्होंने बताया कि उन्हें इस तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद उन्होंने टीम के साथ मिलकर यह त्वरित कार्रवाई की। गौरतलब है कि पाकुड़ जिला लंबे समय से गौ तस्करी की घटनाओं के लिए संवेदनशील रहा है। विशेषकर सदर प्रखंड के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण रास्तों का इस्तेमाल रात के समय तस्करी के लिए किया जाता है। तस्कर इन सुनसान और कम आवाजाही वाले रास्तों से गायों को सीमा पार पहुंचाने की कोशिश करते हैं। इसके अलावा हिरणपुर मवेशी हाट से भी लगातार गौ तस्करी की शिकायतें सामने आती रही हैं। हाल के दिनों में हिरणपुर और लिट्टीपाड़ा थाना क्षेत्रों में भी पुलिस ने इस तरह की कई कार्रवाइयाँ की हैं, जिसमें बड़ी संख्या में गायों को बरामद किया गया। इन सभी मामलों में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि एक संगठित गिरोह इस तस्करी को अंजाम दे रहा है, जो सीमावर्ती जिलों का इस्तेमाल करके मवेशियों को अन्य राज्यों में पहुंचा रहा है। पुलिस अब इस पूरे मामले को लेकर सघन जांच में जुट गई है। तरुण शाह से पूछताछ के आधार पर वाहन मालिक की तलाश शुरू कर दी गई है और अन्य संदिग्धों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। स्थानीय लोगों का भी कहना है कि यदि प्रशासन रात के समय ग्रामीण रास्तों पर नियमित गश्त करे और मवेशी हाटों पर निगरानी बढ़ाए, तो इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता है। साथ ही पशु तस्करी रोकने के लिए कठोर कदम उठाने की जरूरत महसूस की जा रही है, क्योंकि इस अमानवीय कृत्य से न सिर्फ कानून का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि मवेशियों की जान को भी गंभीर खतरा हो रहा है। फिलहाल, इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

अवैध कोयला ले जा रही पांच बाइक जब्त झाड़ियों में डंप चार टन कोयला बरामद

निज संवाददाता | बिंदापाथर

बिंदापाथर थाना क्षेत्र के सोरेनपाड़ा गांव के पास अवैध कोयला ले जा रही पांच बाइकों को पकड़ा गया। साथ ही सड़क किनारे झाड़ी में छुपाकर रखे गए अवैध कोयले को भी जब्त किया गया। थाना प्रभारी बालाजी राजहंस के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई के दौरान पांच बाइकों में लदे लगभग दो टन कोयले समेत कुल चार टन अवैध कोयला बरामद किया गया। यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई, जिसमें पुलिस की तत्परता और सतर्कता साफ नजर आई। थाना प्रभारी बालाजी राजहंस ने बताया कि लंबे समय से इस इलाके में अवैध रूप से कोयला परिवहन की सूचना मिल रही थी। इसी को लेकर पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाया और सफलता पूर्वक पांच बाइक के साथ भारी मात्रा में कोयला जब्त किया। सभी जब्त बाइकों और कोयले को थाने में रखा गया है। फिलहाल, जब्त की गई बाइकों के मालिकों और अज्ञात चालकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने इस संबंध में आवश्यक तहकीकात शुरू कर दी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि कोयला अवैध खनन क्षेत्र से लाया जा रहा था और आसपास के क्षेत्रों में इसकी बिक्री की योजना थी। बिंदापाथर क्षेत्र में कोयले की तस्करी कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में पुलिस की सख्ती से तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की गैरकानूनी गतिविधियों पर नकेल कसना उनकी प्राथमिकता में है और आगे भी इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

पानी की किल्लत से परेशान सड़क पर उतरीं महिलाएं

निज संवाददाता | चक्रधरपुर

सोमवार को जलापूर्ति की समस्याओं को लेकर महिलाएं सड़कों पर उतरीं और नगर परिषद कार्यालय के सामने चाईबासा-रांची राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। यह विरोध प्रदर्शन पानी की गंभीर किल्लत के खिलाफ था, जो पिछले एक महीने से शहर में लगातार बढ़ रही है। महिलाओं का कहना है कि मोटर की खराबी के कारण जलापूर्ति में बार-बार बाधा आ रही है, लेकिन नगर परिषद इस समस्या के समाधान में कोई रुचि नहीं दिखा रही है। पूर्व वार्ड पार्षद लीला प्रसाद ने बताया कि शहर के हर इलाके में पानी की भारी किल्लत है। उन्होंने कहा कि विभाग को कई बार लिखित शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। वहीं, जनप्रतिनिधि राखी सालूजा ने कहा कि नगर परिषद हर साल बहाने बनाती रहती है और यही कारण है कि आज महिलाओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और नगर परिषद कार्यालय में तालाबंदी की।

एक अन्य जनप्रतिनिधि तौहीद आलम ने भी नाराजगी जताते हुए कहा कि महिलाएं मजबूरी में सड़क पर उतरी हैं, क्योंकि विभाग को जनता के कल्याण से कोई सरोकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारी केवल अपनी कुर्सी की चिंता करते हैं, जबकि जनता पानी जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि अगर जलापूर्ति की समस्या का जल्द समाधान नहीं किया गया, तो वे आगे भी विरोध जारी रखेंगे। इस मुद्दे को लेकर अब तक नगर परिषद की तरफ से कोई प्रभावी प्रतिक्रिया नहीं आई है, जिससे नागरिकों में और भी असंतोष बढ़ रहा है।

बीएसएल इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का बीएसएल के क्रिकेट स्टेडियम में शुभारंभ

निज संवाददाता | बोकारो

बीएसएल इंटर-डिपार्टमेंटल क्रिकेट चैम्पियनशिप 2025 का शुभारंभ 21 अप्रैल 2025 को बीएसएल के क्रिकेट स्टेडियम में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (सीईडी) शालिग्राम सिंह ने प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन किया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (टीए) ए. के. अविनाश, महाप्रबंधक (एल एंड ए) सी. आर. के. सुधांशु, उप महाप्रबंधक (एल एंड ए) आलोक कुमार सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार की खेल प्रतियोगिताएं न केवल कर्मचारियों के बीच टीम भावना और आपसी सहयोग को सुदृढ़ करती हैं, बल्कि कार्यस्थल पर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी प्रोत्साहित करती हैं। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

उद्घाटन मैच में जेजीओएम और एसआरयू के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला, जिसमें एसआरयू ने 2 विकेट से शानदार जीत दर्ज की, वहीं दूसरे मुकाबले में आयरन जोन 1 की टीम ने आरईडी को एकतरफा मुकाबले में 10 विकेट से पराजित कर अपने शानदार प्रदर्शन का परिचय दिया। गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में कुल 16 विभागीय टीमें प्रतिभाग कर रही हैं, जिन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया है और इसका समापन 26 मई 2025 को होगा।

बैद्यनाथ मंदिर परिसर में लगाया गया विशेष शेड

निज संवाददाता | देवघर

देवघर के बाबा बैद्यनाथ धाम से सामने आई है, जहां श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मंदिर प्रशासन ने एक बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब मंदिर परिसर में दर्शन करने आने वाले भक्तों को तपती धूप और झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिलेगी, क्योंकि पूरे परिसर में एक विशेष और मजबूत शेड का निर्माण किया गया है। यह कदम खासतौर पर गर्मियों के मौसम को देखते हुए उठाया गया है, जब बाबा धाम में हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। हर साल गर्मी के दिनों में बाबा बैद्यनाथ धाम में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। इस दौरान सूरज की तीखी किरणें और पत्थर की गर्म फर्श पर खड़े होकर भक्तों को लम्बे समय तक दर्शन की प्रतीक्षा करनी पड़ती थी। इस कारण से उनके पैरों में जलन और शरीर में थकावट की समस्या आम हो जाती थी। खासकर वृद्ध श्रद्धालुओं और छोटे बच्चों को इससे ज्यादा परेशानी होती थी। इन सभी समस्याओं को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने इस बार व्यापक तैयारी करते हुए पूरे मंदिर परिसर को एक विशाल शेड से ढंक दिया है, ताकि भक्तों को धूप और गर्मी से पूरी तरह से बचाव मिल सके। इस विशेष शेड के लगने के बाद एक बड़ा बदलाव देखने को मिला है।

अब मंदिर की फर्श जो पहले पत्थर की शिलाओं से बनी होने के कारण धूप में तपकर बहुत गर्म हो जाती थी, वह अब ठंडी बनी रहती है। इससे कतार में खड़े भक्तों को काफी आराम मिल रहा है और वे बिना किसी तकलीफ के दर्शन कर पा रहे हैं। श्रद्धालुओं ने मंदिर प्रशासन की इस पहल की जमकर सराहना की है। उनका कहना है कि यह सुविधा गर्मी के मौसम में उनके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। जहां पहले घंटों तक लाइन में खड़ा रहना मुश्किल हो जाता था, वहीं अब छांव के नीचे खड़े होकर शांति और श्रद्धा के साथ बाबा के दर्शन किए जा रहे हैं। मंदिर प्रशासन का यह निर्णय एक उदाहरण बन गया है, जिससे देश के अन्य धार्मिक स्थलों पर भी श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखकर इस तरह के कदम उठाने की प्रेरणा मिल सकती है। प्रशासन ने यह साबित कर दिया है कि भक्तों की आस्था और उनकी सुविधा दोनों का सम्मान करना जरूरी है।

साइकिल का हुआ वितरण

बोरियो (साहिबगंज) (नि. सं.)। झारखंड सरकार के कल्याण विभाग की ओर से उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत प्रखंड के दो प्रमुख स्कूलों के आठवीं कक्षा के एसटी, एससी, ओबीसी एवं अल्पसंख्यक वर्ग के छात्रों को साइकिल का वितरण किया गया। यह वितरण कार्यक्रम खास तौर पर उन छात्रों के लिए था जो शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। कुल मिलाकर 84 छात्रों को साइकिल वितरित की गई, जिसमें यूएमएस तेलो के 46 और यूएमएस जिरूल के 38 छात्र-छात्राओं को यह साइकिल प्रदान की गई। कार्यक्रम के दौरान बीपीओ राजेश्वरी सिन्हा ने छात्रों को शुभकामनाएं दी और इस पहल के महत्व पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि यह साइकिल वितरण कार्यक्रम छात्रों को शिक्षा के प्रति और अधिक प्रेरित करेगा और उनकी यात्रा को आसान बनाएगा। साथ ही, इस तरह के कदमों से सरकार का यह प्रयास है कि छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने में कोई बाधा ना आए और वे आसानी से अपने स्कूल तक पहुँच सकें।

गायत्री महायज्ञ की तैयारी पूरी, 251 कन्याओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा, चार दिवसीय महोत्सव में उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

निज संवाददाता | पाकुड़

आयोजन की तैयारी पाकुड़ जिले में पूरी हो चुकी है। सिंधी धर्मशाला में गायत्री परिवार द्वारा आयोजित 51 कुंडीय शक्ति संवर्धन गायत्री महायज्ञ का आयोजन 21 अप्रैल से 24 अप्रैल तक होने जा रहा है। इस विशेष आयोजन को लेकर श्रद्धालुओं और साधकों में जबरदस्त उत्साह है। महायज्ञ के शुभारंभ से पहले सोमवार को शिव शीतला मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें 251 कन्याओं ने पीले वस्त्रों में सिर पर कलश रखकर सहभागिता की। तेज धूप के बावजूद यात्रा में भाग लेने वालों का उत्साह देखते ही बन रहा था। कलश यात्रा शिव शीतला मंदिर से आरंभ होकर हरिणडांगा बाजार, अंबेडकर चौक, बिरसा चौक, तातिपाड़ा गांधी चौक और रेलवे फाटक जैन धर्मशाला से होते हुए मुख्य यज्ञ स्थल सिंधी धर्मशाला तक पहुँची। यात्रा के दौरान शहर भर में भक्तिमय माहौल बना रहा। लोगों ने जगह-जगह कन्याओं पर पुष्पवर्षा की और कलश यात्रा का स्वागत किया। गायत्री परिवार के मनोज गुप्ता ने जानकारी दी कि महायज्ञ का शुभारंभ 21 अप्रैल की शाम 6 बजे से होगा, जिसमें युग संगीत प्रवचन का आयोजन रखा गया है। 22 अप्रैल को सुबह 6 बजे से ध्यान और प्रज्ञा योग की शुरुआत होगी। इसके पश्चात देव पूजन और विभिन्न वैदिक संस्कारों का आयोजन होगा। 23 अप्रैल को दीपदान महायज्ञ के साथ-साथ संगीत प्रवचन की प्रस्तुति होगी। महायज्ञ की पूर्णाहुति 24 अप्रैल को की जाएगी, जिसके साथ चार दिवसीय महोत्सव का समापन होगा। आयोजन स्थल सिंधी धर्मशाला को भव्य तरीके से सजाया गया है। बड़े-बड़े पंडालों का निर्माण किया गया है, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु आराम से भाग ले सकें। महायज्ञ को लेकर पूरे क्षेत्र में प्रचार-प्रसार किया गया है। आयोजन के दौरान कई प्रकार के सांस्कृतिक और धार्मिक स्टॉल लगाए गए हैं, जिनके माध्यम से भारतीय संस्कृति की झलक लोगों को दिखाई देगी। महोत्सव में सिर्फ पाकुड़ नगर ही नहीं, बल्कि आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में साधकों और श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए गायत्री परिवार के सदस्य पूरी तरह से सक्रिय हैं। कलश यात्रा के मौके पर शिव शंकर निराला, अमला मिश्रा, पंकज वर्मा, लाली गुप्ता, मुरारी मंडल, ओंकार शर्मा, ममता जायसवाल सहित कई प्रमुख साधक उपस्थित थे। इस आयोजन से एक ओर जहाँ वैदिक संस्कृति और भारतीय परंपराओं का प्रचार-प्रसार होगा, वहीं दूसरी ओर सामाजिक सौहार्द और आध्यात्मिक चेतना का प्रसार भी होगा। गायत्री परिवार द्वारा इस तरह का आयोजन लोगों को एक नई दिशा और सकारात्मक ऊर्जा देने का कार्य करता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

फिरोजपुर में खेतों में लगी भीषण आग में एक किशोर की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

फिरोजपुर, एजेंसी। पंजाब के फिरोजपुर जिले में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां जीरा उपमंडल के नीलेवाला गांव में खेतों में लगी भीषण आग में एक 17 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से झुलस गया. पुलिस के अनुसार, यह दुखद घटना रविवार को घटित हुई, जब करण और अर्जुन नामक दो युवक मोटरसाइकिल पर सवार होकर धन्ना शहीद गांव के पास से गुजर रहे थे. तभी वे अचानक खेत में लगी भयानक आग की चपेट में आ गए. पुलिस ने बताया कि करण की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि अर्जुन गंभीर रूप से घायल हो गया. स्थानीय लोगों ने तुरंत अर्जुन को जीरा के सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे फरीदकोट के गुरु गोविंद सिंह मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया. आशंका जताई जा रही है कि नीलेवाला गांव में बिजली की मुख्य लाइन गिरने से आग लगी. तेज हवाओं के कारण आग तेजी से वकीलां वाली, साधु वाला, लेहरा रोही और माहियां वाला सहित आसपास के गांवों में फैल गई, जिससे खेतों में खड़ी फसल और पशुओं के लिए रखा चारा जलकर राख हो गया. आग की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसने लगभग 50 एकड़ में खड़ी फसल और लगभग 100 एकड़ में पराली के अवशेष को अपनी चपेट में ले लिया. दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई और ट्रैक्टरों का उपयोग करने वाले स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयासों के बावजूद, आग पर काबू पाने में कई घंटे लग गए. आग की लपटें इतनी तेज थीं कि आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया और लोगों को अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागना पड़ा. फिरोजपुर की डिप्टी कमिश्नर दीपशिखा शर्मा ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है. उन्होंने कहा कि प्रशासन अस्पताल में भर्ती युवक की जान बचाने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है. उन्होंने यह भी कहा कि खेत में आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है और इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी.

नेशनल हाईवे-9 पर महिला की मौत से हंगामा, नोएडा से गाजियाबाद आने वालों को मिला लंबा जाम

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद से नोएडा आने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर आज सुबह सड़क हादसे में महिला की मौत के बाद भारी बवाल मच गया। गुस्साए परिजन सड़क पर हंगामा करने लगे,जिसके बाद कई वाहनों की रफ्तार थम गई। सड़क हादसे में पति घायल बताया जा रहा है। एन एच 9 पर नोएडा के छिजारसी कट से गाजियाबाद के तिगरी मोड़ तक करीब दो किलोमीटर तक जाम की स्थिति रही। ट्रैफिक में वाहन रेंगते रहे। इसके पीछे गाजियाबाद में ट्रैफिक की स्थिति सामान्य है। हालांकि पुलिस ने किसी तरह परिजन को समझकर जाम खुलवाया। जानकारी के मुताबिक,सुबह करीब 5 बजे एसजेएम हॉस्पिटल के सामने एक टियागो कार ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार अनुज कुमार अपनी पत्नी मोनिका के साथ मंदिर से पूजा कर लौट रहे थे। इस हादसे में वह घायल हो गए,जबकि पत्नी मोनिका की मौके पर ही मौत हो गई। अनुज को पुलिस ने गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे की खबर मिलते ही मृतका मोनिका के परिजन मौके पर पहुंच गए और गुस्से में हाईवे पर प्रदर्शन करने लगे। इससे हाईवे पर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। पुलिस ने स्थिति को संभालते हुए परिजन को समझाया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। नोएडा पुलिस ने बताया कि हादसे की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और आरोपी वाहन चालक की तलाश जारी है। जाम लगने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम का असर छिजारसी से लेकर हिंडन पुल तक देखा गया,जहां गाड़ियां रेंग-रेंग कर चलती रहीं। जाम हटाने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने टीम ने दुर्घटनाग्रस्त गाड़ियों को साइड हटवाया। अब हाईवे पर यातायात सामान्य हो गया है। मौके पर पुलिसबल तैनात है,ताकि दोबारा कोई अव्यवस्था न हो।

सुलह हुई तो साथ में चुनाव भी लड़ेंगे उद्धव और राज ठाकरे?

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के ठाकरे परिवार में सुलह की चर्चाएं हैं। अटकलें हैं कि राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच बातचीत चल रही है। फिलहाल, यह भी साफ नहीं है कि यह साझेदारी चुनावी मैदान में भी नजर आएगी या नहीं। फिलहाल, राज की पार्टी यानी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ऐसी संभावनाओं से इनकार कर रही है।

मनसे नेता संदीप देशपांडे ने एक्स पर लिखा, महाराष्ट्र के लिए एक होने का मतलब यह नहीं है कि ऐसा सिर्फ चुनाव के लिए किया जा रहा है। महाराष्ट्र के हित मके लिए मराठी भी साथ आ सकते हैं। जैसे तमिलनाडु में कावेरी के मुद्दे पर तमिल दल एकजुट हुए थे। मराठी पार्टियों के साथ आने में परेशानी क्या है। चुनाव के लिए गठबंधन करना संकीर्ण मानसिकता है। दरअसल, शनिवार को मनसे प्रमुख राज ने कहा कि वह मराठी मानुष की खातिर छोटे-मोटे विवादों को दरकिनार करते हुए अपने चचेरे भाई व शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे से हाथ मिलाने को

तैयार हैं। मनसे प्रमुख की टिप्पणी अभिनेता और राज ठाकरे के मित्र महेश मांजरेकर के पॉडकास्ट में आई थी। मनसे प्रमुख ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दलों के मराठी लोगों को एक साथ आकर एक पार्टी बनानी चाहिए। शिवसेना (उद्धव बालासाहब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी और मनसे के बीच गठबंधन की कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उन्होंने दावा किया कि दोनों के बीच भावनात्मक बातचीत जारी है। राउत ने पत्रकारों से कहा कि शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनसे के अध्यक्ष और अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ सुलह के लिए कोई पूर्व शर्त नहीं रखी है। राज के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उद्धव ने शिवसेना (उबाठा) कार्यकर्ताओं से कहा, ''मैं भी मामूली मुद्दों को किनारे रखने के लिए तैयार हूं और मैं सभी से मराठी मानुष के लिए एक साथ आने की अपील करता हूं।'' उद्धव ने अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम में मनसे अध्यक्ष का नाम लिए बगैर कहा कि अगर महाराष्ट्र के निवेश और कारोबार को गुजरात में स्थानांतरित करने का विरोध किया गया होता, तो दिल्ली और महाराष्ट्र में राज्य के हितों का ख्याल रखने वाली सरकार बनती। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, '' ऐसा नहीं हो सकता कि आप (लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा का) समर्थन करें, फिर (विधानसभा चुनाव के दौरान) विरोध करें और फिर समझौता कर लें। ऐसे नहीं चल सकता। '' शिवसेना (उबाठा) अध्यक्ष ने कहा, ''पहले यह तय करें कि जो भी महाराष्ट्र के हितों के खिलाफ काम करेगा, उसका घर में स्वागत नहीं किया जाएगा। आप उनके घर जाकर रोटी नहीं खाएंगे। फिर महाराष्ट्र के हितों की बात करें।'' लोकसभा चुनाव के दौरान राज ठाकरे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बिना शर्त समर्थन देने की घोषणा की थी। उद्धव ने कहा कि वह छोटी-मोटी असहमतियों को नजरअंदाज करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''मैं कह रहा हूं कि मेरा किसी से झगड़ा नहीं है और अगर कोई है तो मैं उसे सुलझाने को तैयार हूं।

थोपी नहीं जाएगी हिंदी लेकिन अंग्रेजी से इतना प्यार क्यों, भाषा विवाद के बीच बोले देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी।
तमिलनाडु के बाद महाराष्ट्र में भाषा विवाद के बीच मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने स्पष्ट कहा है कि किसी पर हिंदी थोपी नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि पहले की ही तरह राज्य में मराठी ही अनिवार्य भाषा रहेगी। विपक्षी दलों, विशेषकर शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने आरोप लगाया है कि राज्य सरकार द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति) के तहत त्रिभाषा फार्मूले को लागू करने की मंजूरी दिए जाने के बाद महाराष्ट्र में हिंदी थोपी जा रही है।

पुणे में भंडारकर शोध संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद फडणवीस ने संवाददाताओं से कहा, 'यह कहना गलत है कि हिंदी थोपने का प्रयास किया जा रहा है। महाराष्ट्र में मराठी अनिवार्य रहेगी। इसके अलावा कोई अन्य अनिवार्यता नहीं होगी।'

स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा बनाने की सरकार की मंजूरी पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए फडणवीस ने कहा, हमें यह समझने की जरूरत है कि मराठी के स्थान पर हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नयी शिक्षा नीति में कहा गया है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई जाने वाली तीन भाषाओं में से दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 'नई शिक्षा नीति ने तीन भाषाएं सीखने का अवसर प्रदान किया है। भाषाएं सीखना महत्वपूर्ण है। नियम कहता है कि इन तीन भाषाओं में से दो भारतीय होनी चाहिए। मराठी को पहले से ही अनिवार्य है। आप हिंदी, तमिल, मलयालम या गुजराती के अलावा कोई अन्य भाषा नहीं ले सकते।'' उन्होंने कहा कि सिफारिशों के अनुसार हिंदी भाषा के लिए शिक्षक उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, 'अन्य (क्षेत्रीय) भाषाओं के मामले में शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।' फडणवीस ने भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी के बारे में लोगों की धारणा पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, 'मैं एक बात से हैरान हूं। हम हिंदी जैसी भारतीय भाषाओं का विरोध करते हैं, लेकिन अंग्रेजी की प्रशंसा करते हैं। कई लोगों को ऐसा क्यों लगता है कि अंग्रेजी उनके ज्यादा करीब है और भारतीय भाषाएं उनसे दूर हैं? हमें इस बारे में भी सोचना चाहिए।'

छत्तीसगढ़ में घर से भागकर प्रेमी जोड़े ने रचाई शादी, उत्तराखंड में 10 महीने बाद पति-पत्नी ने एकसाथ दी जान

रायपुर, एजेंसी। उत्तराखंड में लड़के और उसकी पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति-पत्नी के शव मजदूर आवास के पाइप में फंदे के सहारे लटके मिले। जान देने का कारण दोनों के बीच शनिवार रात हुआ विवाद बताया जा रहा है। पुलिस को पूछताछ में पता चला कि दोनों ने छत्तीसगढ़ के घर से भागकर करीब 10 महीने पहले शादी की थी। पुलिस ने दोनों शव कब्जे लेकर मोर्चरी में रखवाए। दोनों के परिजनों को देहरादून बुलाया गया है।

प्रेमनगर थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि कंट्रोल रूम के जरिए रविवार सुबह करीब सवा नौ बजे सूचना मिली। कॉलर ने बताया कि धूलकोट में ग्राफिक एरा अस्पताल के निर्माणाधीन भवन में काम कर रहे इलेक्ट्रिशियन और उसकी पत्नी ने आत्महत्या कर ली। पुलिस मौके पर पहुंची तो भास्कर लाल उम्र 28 वर्ष पुत्र बाबूराम चंद्राकर निवासी कुआं, तहसील सहसपुर लोहारा, थाना पिपरिया, जिला कबीरधाम छत्तीसगढ़ और उसकी पत्नी जनिक गौड़ उम्र 26 वर्ष के शव मजदूर आवास की छत में लगे पाइप से लटके थे।

पुलिस ने वीडियोग्राफी के बीच शवों को फंदे से उतारा। इस दौरान शुरुआती जांच में दोनों के आत्महत्या करने की बात सामने आई। पुलिस ने मौके से मृतकों के परिजनों को सूचना दी। उनके पहुंचने पर पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। प्रेमनगर थानाध्यक्ष मोहन सिंह ने बताया कि घटना के बाद मौके पर काम करने वाले अन्य मजदूरों से पूछताछ की गई। इस दौरान कई मजदूर भास्कर के मूल पते के आसपास के मिले। इनसे पूछताछ में पता लगा कि जनिक और भास्कर ने करीब दस महीने पहले भागकर शादी की। भास्कर इलेक्ट्रिशियन का काम करता था। डेढ़ महीने पहले जनिक के साथ धूलकोट में इस निर्माणाधीन साइट पर पहुंचा। पत्नी भी काम में हाथ बंटाती।

लखनऊ में बनी ब्रह्मोस का विदेश में होगा निर्यात, राजनाथ सिंह करेंगे मिसाइल फैक्ट्री का उद्घाटन

लखनऊ, एजेंसी।
भारत ने अपनी रक्षा क्षमता को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ा दिया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 11 मई को लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उद्घाटन करेंगे. लखनऊ में बनी ब्रह्मोस मिसाइल से ना सिर्फ देश की सैन्य तैयारियों को मजबूत करेगी, बल्कि उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के वैश्विक मानचित्र पर स्थापित करेगी. यहां बनी ब्रह्मोस मिसाइल दूसरे देशों को भी निर्यात किया जाएगा. रक्षा मंत्री ने इसकी घोषणा रविवार को महर्षि यूनिवर्सिटी में आयोजित कार्यक्रम में की. उन्होंने बताया कि ये परियोजना उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड का हिस्सा है, जो भारत के स्वदेशी रक्षा उत्पादन और आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूत करने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी. इस मेगा प्रोजेक्ट से न केवल देश की सैन्य शक्ति में इजाफा होगा, बल्कि क्षेत्र में हजारों रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे.

बता दें कि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस के संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा विकसित दुनिया की सबसे तेज सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में से एक है. ये मिसाइल जमीन, समुद्र, हवा और पानी के नीचे से लॉन्च की जा सकती है और

इसकी मारक क्षमता वर्तमान में 290 से 800 किलोमीटर तक है. 2.8 मैक (ध्वनि की गति से लगभग तीन गुना) की रफ्तार के साथ, ये मिसाइल रणनीतिक रूप से भारत की सैन्य ताकत को बढ़ाती है. इसका इस्तेमाल भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना द्वारा पहले से ही किया जा रहा है और इसका नेक्स्ट जनरेशनसंस्करण 2026 में वायुसेना को सौंपा जाएगा, जो हल्का, छोटा और अधिक प्रभावी होगा.

लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई की आधारशिला 26 दिसंबर 2021 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में रखी गई थी. ये परियोजना डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन और ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सहयोग से संचालित हो रही है. फैक्ट्री का निर्माण कार्य तेजी से पूरा हुआ और अब ये उद्घाटन के लिए तैयार है.

इस परियोजना के तहत डीआरडीओअगले 5-6 वर्षों में 10,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा. ये मेगा कॉम्प्लेक्स 10,000 से 12,000 रोजगार के अवसर पैदा करेगा, जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ-साथ तकनीकी कौशल विकास का अवसर मिलेगा. इसके अलावा, ये परियोजना उत्तर प्रदेश को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करेगी. वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बार-बार जोर दिया है कि भारत की सैन्य ताकत शांति बनाए रखने के लिए एक विश्वसनीय प्रतिरोध है, न कि किसी देश को धमकाने के लिए. लखनऊ की ब्रह्मोस फैक्ट्री भारत के मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान का एक जीवंत उदाहरण है. इस परियोजना से न केवल स्वदेशी रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ेगा, बल्कि रक्षा निर्यात को भी प्रोत्साहन मिलेगा. भारत पहले ही फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलों की आपूर्ति कर चुका है और वियतनाम के साथ 700 मिलियन डॉलर का सौदा अंतिम चरण में है.

हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करने की तैयारी

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू का कहना है कि सरकार प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करने पर विचार कर रही है। अग्निशमन सप्ताह के समापन समारोह के दौरान सुक्खू ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि शुरुआत में केवल 100 स्कूलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू किए जाने की योजना है। उन्होंने कार्यक्रम में 13 नए अग्निशमन वाहनों को झंडी दिखाई और सराहनीय काम करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित भी किया। साथ ही उन्होंने बचाव कार्य करते हुए अपनी जान गंवाने वाले अग्निशमन कर्मचारियों जोगिंदर पाल सिंह व घनश्याम के

परिवारों को पांच लाख रुपये आर्थिक मदद की घोषणा भी की। पिछले हफ्ते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने घोषणा की थी कि शहरी स्थानीय निकायों के क्षेत्र में सरकारी स्कूलों में चल रहे वरिष्ठ माध्यमिक वर्गों को सह-शिक्षा बनाया जाएगा। कैबिनेट ने 28 मार्च को प्रारंभिक शिक्षा निदेशालय को प्री-नर्सरी से कक्षा 12 तक की शिक्षा की देखरेख के लिए स्कूल शिक्षा निदेशालय में अपग्रेड करने को मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री ने शिमला के बल्देयान में अग्निशमन सेवा सप्ताह के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उक्त बयान दिया। इस दौरान सीएम ने विभाग की आपात क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 13 नए दमकल वाहनों को हरी झंडी दिखाई थी। इस अवसर पर अग्निशमन सेवा कर्मियों को उनकी अनुकरणीय सेवा के लिए सम्मानित किया गया। अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार भी प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने दमकल विभाग की प्रदर्शनियों को भी देखा। उन्होंने शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम ने सोलन जिले के नालागढ़ में 2009 में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए दो दमकल कर्मियों जोगिंदर पाल और घनश्याम के परिवारों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की।

सीएम सुक्खू का ऐलान- हिमाचल प्रदेश में जल्द होगी होमगार्डों की भर्ती

शिमला, एजेंसी।
हिमाचल प्रदेश में जल्द होमगार्डों की भर्ती होने वाली है। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने रविवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही प्रदेश में 700 नए होमगार्डों की भर्ती प्रक्रिया शुरू करेगी। राज्य सरकार पुलिस और होम गार्ड विभागों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करेगी। आने वाले समय में इन दोनों विभागों को तकनीकी रूप से भी मजबूत बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू शिमला के बल्देयां में अग्निशमन सेवा सप्ताह के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उक्त ऐलान किया। उन्होंने आगे कहा- उनकी सरकार राज्य के सरकारी स्कूलों में सीबीएसई के पाठ्यक्रम शुरू करने पर विचार कर रही है। पॉयलट प्रोजेक्ट के तौर पर सरकार पहले 100 स्कूलों में सीबीएसई पाठ्यक्रम लागू करेगी। हम शिक्षा व्यवस्था को लगातार बेहतर बना रहे हैं। पुलिस और होम गार्ड विभागों को अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करेगी ताकि आने वाली चुनौतियों से निपटा जा सके। हमारी सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट की बैठक में कर्मचारियों और अधिकारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम देने का संकल्प लिया था। हमने इस वादे को निभाया है। हिमाचल प्रदेश 2027 में आत्मनिर्भर और 2032 में समृद्ध राज्य बनेगा। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि हमारी सरकार सभी राजस्व न्यायालयों को चरणबद्ध ढंग से डिजिटल बनाएगी।

राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए 22 अप्रैल से कैंपेन शुरू करेगी कांग्रेस

जम्मू, एजेंसी। कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई 22 अप्रैल से राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर डेढ़ महीने तक अभियान चलाने के लिए तैयार है, पीटीआई के अनुसार, पार्टी द्वारा यह निर्णय केंद्र शासित प्रदेश में राज्य के दर्जे का अभियान और संविधान बचाओ अभियान को तेज करने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए आयोजित बैठक के बाद लिया गया है. जिसमें राज्य इकाई के प्रमुख तारिक हमीद कर्रा भी शामिल थे. अभियान भाजपा के विश्वासघात को उजागर करने और राज्य का दर्जा बहाल करने और एक निर्वाचित सरकार को अधिकार देने में विफल रहने से लोगों को होने वाले कष्टों को दूर करने पर केंद्रित होगा. अभियान की शुरुआत 22 अप्रैल को जम्मू के सभी जिलों और ब्लॉकों के वरिष्ठ नेताओं की बैठक से होगी, जिसके बाद 29 अप्रैल को जम्मू में संविधान पर मोदी सरकार के हमले और विपक्ष के खिलाफ उसकी बदला लेने वाली राजनीति के विरोध में प्रांतीय स्तर की रैलियां होंगी. पार्टी ने कहा कि वह लोगों को रोजगार, मुद्रास्फीति और कराधान के मोर्चे पर केंद्र की भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की विफलताओं के साथ-साथ उसकी विभाजनकारी और सांप्रदायिक राजनीति के बारे में भी जागरूक करेगी. बैठक के दौरान कांग्रेस पार्टी ने मौसम की अनिश्चितताओं के कारण जम्मू-कश्मीर के विभिन्न हिस्सों में हुई जान-माल की हानि पर दुख व्यक्त किया।

पंजाब की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देख रही प्रगति की आशा : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़, एजेंसी।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की साख को वैश्विक स्तर पर ऊंचा किया है और भारत को नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज देश-प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहे हैं। हरियाणा की तरह पंजाब भी प्रगति और उन्नति करें, इसके लिए अब, पंजाब की जनता को भी प्रधानमंत्री के नेतृत्व में प्रगति की आशा है। पंजाब के लोगों ने विभिन्न पार्टियों पर भरोसा किया, लेकिन उन्हें सिर्फ निराशा मिली। इसलिए उन्हें विश्वास है कि नरेंद्र मोदी ही पंजाब को आगे ले जा सकते हैं।

नायब सिंह सैनी ने उनके सम्मान एवं अभिनन्दन के लिए आज जीरकपुर में आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिकरत की। इस मौके पर पंजाब के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को सम्मानित किया और उनकी कार्यप्रणाली की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब वे पंजाब के युवाओं से बात करते हैं

तो युवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का संकल्प लेते हैं। आज पंजाब के किसान एवं युवा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आगे बढ़ना चाहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में जब पहली बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार हरियाणा में बनी थी, तब से हरियाणा की जनता भाजपा सरकार पर लगातार भरोसा जता रही है और समर्थन दे रही है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि जब उन्होंने 12 मार्च, 2024 को पहली बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तो 50 हजार सरकारी नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन 56 दिन के भीतर ही आचार संहिता लगने से नियुक्तियां नहीं हो सकी। परंतु उन्होंने हरियाणा के युवाओं से वादा किया था कि शपथ लेने से पहले ज्वाइन कराऊंगा। उन्होंने शपथ से पहले ही 25 हजार युवाओं को ज्वाइन करवाकर अपना वादा निभाया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सभी नीतियां आमजन के हित में लागू की जा रही हैं। हरियाणा में सभी फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं और यही सुझाव उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री को भी दिया था, पर उन्होंने नहीं माना। जब पंजाब में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनेगी तो पंजाब के किसानों की फसलें भी एमएसपी पर खरीदी जाएंगी। हरियाणा की तरह पंजाब में भी किसानों के सम्मान में कोई कमी नहीं आने दी जाएगी।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार फसल की पूरी कीमत की गारंटी देती है और यदि फसल खराब होती है, तो भी किसानों के खातों में सीधा मुआवजा दिया जाता है। उन्होंने ब्यौरा देते हुए बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मात्र 1155 करोड़ रुपये का मुआवजा दिया गया था, जबकि वर्तमान सरकार ने अपने 10 वर्षों के कार्यकाल में अब तक 14,500 करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों को प्रदान किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा, पंजाब का छोटा भाई है, लेकिन आज हरियाणा विकास के मामले में पंजाब से कहीं आगे है। राज्य सरकार की कल्याणकारी नीतियों के चलते हरियाणा आज तीन गुणा गति से प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे हरियाणा में विकास कार्य तेज गति से हो रहे हैं, वैसे ही कार्य पंजाब में भी होंगे जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वहां सरकार बनेगी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

आईपीएल पॉईंट टेबलः

बेंगलुरु की टॉप चार में वापसी, मुंबई को भी एक स्थान की बढ़त

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मैच में 9 विकेट से बड़ी जीत दर्ज करते हुए अंक तालिका में छठे स्थान पर आ गई है। वहीं रविवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में जीत दर्ज कर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने तीसरे स्थान पर जगह बनाई है। आरसीबी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ 7 विकेट से जीत दर्ज की थी। मुंबई इंडियंस ने लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए 8 मैचों में 4 जीत के साथ 8 अंक हासिल किए हैं और टीम छठे स्थान पर आ गई है। वहीं चेन्नई की स्थिति अब और खराब हो गई है जो 8 में से 2 ही मैच जीत पाई है और 4 अंक के साथ प्वाइंट टेबल में सबसे नीचे 10वें स्थान पर है।आरसीबी की बात करें तो रविवार को मैच से पहले टीम पांचवें स्थान पर थी लेकिन उन्होंने वापसी की और पंजाब को हराया। बेंगलुरु के 8 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं और तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब और लखनऊ सुपर जाइंट्स के भी 8 मैचों में 5 जीत के साथ 10 अंक हैं लेकिन नेट रन रेट के कारण पंजाब चौथे जबकि लखनऊ पांचवें स्थान पर है। गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स के भी 10-10 अंक हैं लेकिन उन्होंने 7 में से पांच मैच जीते हैं। गुजरात नेट रन रेट की वजह से पहले स्थान और दिल्ली दूसरे स्थान पर है।

नोटःयह आंकड़े 20 अप्रैल-2025 तक के है।

नेपाल की यह 24 साल की महिला क्रिकेटर अपनी खूबसूरती से बनीं इंटरनेट सेंसेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल महिला क्रिकेट टीम की प्लेयर अश्मिना कर्माचार्य खेल के आलावा अपनी सुंदरता के लिए सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. उन्होंने अपने करियर में 23 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं.

2022 में अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू करने वाली अश्मिना कर्माचार्य ने नेपाल क्रिकेट टीम के लिए कुल 23 मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 18 विकेट लिए हैं. अश्मिना कर्माचार्य का जन्म 28 अप्रैल, 2000 को हुआ था. वह अगले हफ्ते अपना 25वां जन्मदिन मनाएंगी. इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहने वाली अश्मिना कर्माचार्य सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. वह क्रिकेट पिक्चर के साथ अपने पारंपरिक पोशाक में भी फोटो शेयर करती रहती हैं.

इंस्टाग्राम पर भी एक्टिव रहने वाली अश्मिना कर्माचार्य सोशल मीडिया पर छाई रहती हैं. वह क्रिकेट पिक्चर के साथ अपने पारंपरिक पोशाक में भी फोटो शेयर करती रहती हैं. यूगांडा के खिलाफ 2022 में डेब्यू करने वाली अश्मिना कर्माचार्य ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच 14 फरवरी 2024 को कुवैत महिला टीम के साथ खेला था. वह इंस्टाग्राम पर अपने स्टाइलिश लुक के फोटोज भी शेयर करती हैं, जो फैंस को भी पसंद आती है. फैंस कमेंट के माध्यम से उनकी सुंदरता की तारीफ करते हैं. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के आलावा अश्मिना कई टी20 लीग भी खेल चुकी हैं. वह नेपाल में खेली जाने वाली पोर्खा प्रीमियर लीग में बिराटनगर टाइटंस के लिए खेलती थी. अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के आलावा अश्मिना कई टी20 लीग भी खेल चुकी हैं. वह नेपाल में खेली जाने वाली पोर्खा प्रीमियर लीग में बिराटनगर टाइटंस के लिए खेलती थी.

आईपीएल 2025 के बाद भी

संन्यास नहीं लेंगे धोनी?

नई दिल्ली, एजेंसी। मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 38वें मैच में चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर जीत की हैट्रिक लगाई. इस जीत के साथ मुंबई इंडियंस 8 मैचों में 4 जीत और 4 हार के साथ पॉइंट टेबल में छठे स्थान पर है. जबकि चेन्नई सुपर किंग्स इतने ही मैचों में केवल 2 जीत के साथ टेबल में सबसे नीचे है. चेन्नई के खिलाफ जीत के हीरो मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा थे, जिन्होंने शानदार अर्धशतकीय पारी खेली. उनका बखूबी साथ सूर्यकुमार यादव ने दिया. मैच के चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कुछ चौंकाने वाली बातें कहीं, जिसे सुनकर सभी लोग चौंक गए.

अगले सीजन में मजबूती से करेंगे वापसी

मैच के बाद सीएसके के कप्तान ने कहा कि हमारी टीम का प्रदर्शन काफी औसत दर्जे का था. उन्होंने कहा कि मुझे पता था कि मैच के दूसरे हाफ थोड़ा ड्यू आएगा. जसप्रीत बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ डेथ बॉलर्स में से एक हैं और मुंबई इंडियंस ने अपनी डेथ बॉलिंग जल्दी शुरू कर दी, जिससे हम ज्यादा रन नहीं बना सकें. धोनी ने कहा कि आयुष म्हात्रे ने अच्छी बल्लेबाजी की और अपने शॉट्स का चयन अच्छी तरह से किया. हमें पता था कि पिच पर रन बनाना आसान नहीं होगा. अगर आप शुरुआती ओवरों में ज्यादा रन दे देते हैं तो मुश्किल हो जाती है. सीएसके के कप्तान ने कहा कि हमें यह समझने की जरूरत है कि हम अच्छी क्रिकेट खेलने के कारण ही सफल होते हैं. हमें बहुत ज्यादा भावुक नहीं होना चाहिए. हमें एक समय में एक मैच पर ध्यान देना होगा और अगर हमें प्लेऑफ में जगह नहीं मिलती है तो अगले सीजन के लिए अपनी रणनीति पर विचार करना होगा. धोनी ने अगले सीजन की बात कहकर यह संकेत दे दिया है कि वह आईपीएल 2026 में खेल सकते हैं.

धोनी ने अपने बल्लेबाजों को लताड़ा

मैच के बाद धोनी ने कहा कि हमने औसत स्कोर से थोड़े कम रन बनाए. मुंबई ने अपनी डेथ गेंदबाजी जल्दी शुरू कर दी थी. हमें भी जल्द ही स्लॉग शॉट्स खेलने चाहिए थे. उन्होंने स्पिन गेंदबाजी को अच्छे से खेला और हमने कभी भी लड़ने लायक टोटल नहीं बनाया. अगर आप पहले छह ओवर में काफी ज्यादा रन खर्च कर देंगे तो ये मतलब नहीं है कि गेंद अच्छे से बल्ले पर आ रही है. इस हार के साथ सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद काफी कम हो गई है.

आईपीएल लीडिंग रन स्कोरर में रोहित शर्मा दूसरे स्थान पर, धवन का रिकॉर्ड टूटा

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 8326 रनों के साथ पहले स्थान पर काबिज हैं। लेकिन दूसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा ने बाजी मार ली है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ वानखेड़े के मैदान पर खेले गए रोमांचक मुकाबले के दौरान रोहित ने 73 रन बनाकर अपने आईपीएल स्कोर को 6786 रनों पर ला खड़ा किया। इसी के साथ उन्होंने शिखर धवन (6769 रन) को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर 6565 रनों के साथ चौथे और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व खिलाड़ी सुरेश रैना 5528 रनों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। कोहली की निरंतरता और रन बनाने की क्षमता ने उन्हें आईपीएल इतिहास में सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक बनाया है।

20 प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिले

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स 25 अवॉर्ड्स के साथ पहले स्थान पर हैं। उनके बाद वेस्टइंडीज के विस्फोटक बल्लेबाज क्रिस गेल 22 अवॉर्ड्स के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अब इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा (20 अवॉर्ड्स) आ गए हैं। रोहित के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के स्टार विराट कोहली 19 अवॉर्ड्स के साथ चौथे, जबकि ऑस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान एमएस धोनी 18-18 अवॉर्ड्स के साथ संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर हैं।

आईएसएसएफ वर्ल्ड कपः

बाबुता के बाद रूद्रांक्ष-आर्या की जोड़ी का दिखा जलवा, पेरू शूटिंग विश्व कप में जीता रजत पदक

लीमा (पेरू), एजेंसी। रूद्रांक्ष और आर्या की जोड़ी को फाइनल में नार्वे के जोन हरमान हेग और जीनेटे हेग ड्यूस्टैड से 11-17 से हार मिली। रूद्रांक्ष पाटिल और आर्या बोरसे की 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा का रजत पदक जीता जबकि पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए जिससे उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

फाइनल में हारे रुद्रांक्ष और आर्या

रूद्रांक्ष और आर्या की जोड़ी को फाइनल में नार्वे के जोन हरमान हेग और जीनेटे हेग ड्यूस्टैड से 11-17 से हार मिली। इससे पहले पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए। विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

तकनीकी खराबी से पाटिल चूके

फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे। भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा।

फाइनल में क्या हुआ था

फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा। पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली। शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की।

भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना

कप्तान सलीमा टेटे ने कहा- प्रो लीग की तैयारी के लिए अहम दौरा

बेंगलुरु, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम रविवार रात बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से पांच मैचों की फ्रेंडली सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर के लिए रवाना हुई। टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि यह दौरा यूरोप में होने वाली प्रो लीग प्रतियोगिता की तैयारी के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। इस दौरे की शुरुआत 26 और 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया ए टीम के खिलाफ दो मैचों से होगी।

इसके बाद 1, 3 और 4 मई को ऑस्ट्रेलिया की सीनियर टीम (जो दुनिया में पांचवें स्थान पर है) के साथ तीन ज़रूरी मैच खेले जाएंगे। ये सभी मैच पर्थ हॉकी स्टेडियम में होंगे। 26 खिलाड़ियों की टीम का नेतृत्व मिडफिल्डर सलीमा टेटे कर रही हैं और अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप-कप्तान हैं। यह दौरा जून से शुरू हो रही एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण की तैयारी के लिए काफी अहम माना जा रहा है। रवाना होने से पहले सलीमा ने कहा, मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मैं इस दौरे पर टीम की कप्तानी

कर रही हूं। हमने बेंगलुरु के राष्ट्रीय कैंप में बहुत मेहनत की है और सभी खिलाड़ी इस चुनौती के लिए उत्साहित हैं। ऑस्ट्रेलिया ए और सीनियर टीम के खिलाफ खेलकर हम अपनी रणनीतियों को परख सकेंगे और एक बेहतर टीम बन पाएंगे। यह दौरा प्रो लीग से पहले हमारी तैयारी को मजबूत करेगा। उप-कप्तान नवनीत कौर ने कहा, टीम में आत्मविश्वास और एकजुटता है। हमने हाल ही में प्रो लीग में अच्छा प्रदर्शन किया और इससे हमें काफी हौसला मिला है। यह दौरा हमें खासकर फिनिशिंग और खेल में बदलाव के पहलुओं पर सुधार करने का मौका देगा।

इससे हम अपने साल भर के बड़े लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ पाएंगे। भारतीय टीम हाल ही में भुवनेश्वर में खेली गई एफआईएच प्रो लीग में विश्व की नंबर 1 टीम नीदरलैंड को 2-2 से बराबरी पर रोक चुकी है और पेनल्टी शूटआउट में एक बोनस अंक भी हासिल किया था। टीम इसी फॉर्म को बरकरार रखना चाहेगी। इस दौरे पर कई युवा खिलाड़ियों को पहली बार सीनियर टीम में जगह मिली है।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेल में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड में हाल में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। डोप पॉजिटिव खिलाड़ियों में ज्यादातर पदक विजेता हैं।

इनमें सर्वाधिक छह खिलाड़ी पंजाब से हैं। खेलों में डोपिंग का एक और दुर्भाग्यपूर्ण मामला सामने आया है। उत्तराखंड में हाल में हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों में 11 खिलाड़ी डोप में फंसे हैं। डोप पॉजिटिव खिलाड़ियों में ज्यादातर पदक विजेता हैं। इनमें सर्वाधिक छह खिलाड़ी पंजाब से हैं। राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) ने प्रतिबंधित शक्तिवर्धक दवाओं के

सेवन के लिए 11 में से 8 खिलाड़ियों पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। इनमें नामी बास्केटबाल खिलाड़ी पंजाब के अमृतपाल सिंह शामिल हैं। ऑस्ट्रेलिया व जापान की प्रतिष्ठित लीग में खेल चुके अमृतपाल दूसरी बार डोप में फंसे हैं। अमृतपाल ने इन खेलों में पंजाब के लिए स्वर्ण पदक जीता था। अगर वह बेगुनाही साबित नहीं कर पाए, तो उन पर आठ वर्ष का प्रतिबंध लग सकता है। वह इससे पहले 2020 में डोप पॉजिटिव पाए गए थे। वूशु खिलाड़ी नीरज जोशी और राहुल तोमर के नमूनों में एक से अधिक दवाओं का मिश्रण पाया गया है। नाडा की ओर से लिए गए नमूनों की जांच जारी है।

लिहाजा खिलाड़ियों की संख्या बढ़ने की आशंका है। 2023 में गोवा में हुए राष्ट्रीय खेलों में रिकॉर्ड 25 खिलाड़ी डोप में पकड़े गए थे। 2015 के केरल में हुए राष्ट्रीय खेलों में 16 खिलाड़ी डोप में पकड़े जाने पर हंगामा हुआ था। 2022 में गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में 10 खिलाड़ी डोप पॉजिटिव पाए गए थे।

बीसीसीआई ने केंद्रीय अनुबंध की घोषणा की, अय्यर और ईशान की वापसी, पंत को किया प्रोमोट

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) केंद्रीय अनुबंध 2024-25 की घोषणा कर दी है। रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रविंद्र जडेजा ए+ ग्रेड में बने हुए हैं जबकि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की केंद्रीय अनुबंध में वापसी हुई है। अय्यर को ग्रेड बी और ईशान को ग्रेड सी में रखा गया है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ग्रेड ए में प्रोमोट किया गया है।

खिलाड़ी अनुबंध के लिए कैसे योग्य होते हैं?

किसी भी खिलाड़ी के बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में योग्य होने के लिए एक साल में कम से कम 3 टेस्ट, 8 वनडे या 10 टी20 मैच खेलना जरूरी है। इसके बाद ही खिलाड़ी को केंद्रीय अनुबंध प्राप्त होता है। इसके अलावा बीसीसीआई किसी खिलाड़ी को अनुबंध से बाहर भी रख सकता है।

ग्रेड ए+

रोहित शर्मा
विराट कोहली
जसप्रीत बुमराह
रविंद्र जडेजा

ग्रेड ए

मोहम्मद सिराज
केएल राहुल
शुभमन गिल
हार्दिक पंड्या
मोहम्मद शमी
ऋषभ पंत

ग्रेड बी

सूर्यकुमार यादव
कुलदीप यादव
अक्षर पटेल
यशस्वी जयसवाल
श्रेयस अय्यर

ग्रेड सी

रिंकू सिंह
तिलक वर्मा
ऋतुराज गायकवाड़
शिवम दुबे
रवि बिश्नोई
वॉशिंगटन सुंदर
मुकेश कुमार
संजू सैमसन
अर्शदीप सिंह
प्रसीद कृष्ण
रजत पाटीदार
ध्रुव जुरेल
सरफराज खान
नितीश कुमार रेड्डी
इशान किशन
अभिषेक शर्मा
आकाश दीप
वरुण चक्रवर्ती
हर्षित राणा

वेतन

ग्रेड ए+ - 7 करोड़ रुपए
ग्रेड ए - 5 करोड़ रुपए
ग्रेड बी - 3 करोड़ रुपए
ग्रेड सी - एक करोड़ रुपए

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

कई दलों के नेता राजद में शामिल हुए

पटना (नि. सं.)। कई दलों के दर्जनों नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ राजद की सदस्यता ग्रहण की। सोमवार को प्रदेश राजद कार्यालय में मिलन समारोह का आयोजन किया गया। पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता एवं प्रदेश राजद के प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने सभी नेताओं को राजद की सदस्यता दिलाई। सदस्यता ग्रहण करने वालों में रालोमो के प्रदेश उपाध्यक्ष कामता कुशवाहा, लोजपा (रामविलास) के पूर्व जिलाध्यक्ष वशिष्ठ पासवान, अजय पासवान, जदयू नेता बबलू कुशवाहा, सुदर्शन राम, बबन कुशवाहा, बबन दास, नंदलाल राम, अनिल पासवान, राकेश कुशवाहा, शिव दयाल राम, राजदेव महतो एवं उनके समर्थक शामिल हैं। इस मौके पर पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता ने कहा कि इन नेताओं के शामिल होने से सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता की लड़ाई को मजबूती मिलेगी। प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने कहा कि लालू प्रसाद एवं तेजस्वी यादव के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना है।

राजद में आठ नए राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत

पटना (नि. सं.)। राजद ने आठ नए राष्ट्रीय प्रवक्ता मनोनीत किए हैं। राजद के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद के निर्देश के बाद नए राष्ट्रीय प्रवक्ताओं की सूची जारी की। सोमवार को मिली जानकारी के अनुसार, डॉ. श्याम कुमार, डॉ. राज कुमार राजन, डॉ. दिनेश पाल, डॉ. अनुज कुमार तरुण, डॉ. राकेश रंजन, उत्पल बल्लभ, डॉ. बादशाह आलम और डॉ. रवि शंकर रवि को पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है।

लालू को 19 दिनों तक इलाज के बाद अस्पताल से मिली छुट्टी

पटना (नि. सं.)। राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद को सोमवार को दिल्ली एम्स से डॉक्टरों ने घर जाने की इजाजत दे दी। करीब 19 दिनों के इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दी गई। अस्पताल से वे सांसद मीसा भारती के दिल्ली आवास पर पर चले गए। बताया जाता है कि फिलहाल कुछ दिन वह मीसा के यहां ही रहेंगे। पूरी तरह स्वस्थ होने तथा चिकित्सकों की इजाजत मिलने के बाद ही पटना लौटेंगे। गौरतलब हो कि श्री प्रसाद की तबीयत 2 अप्रैल को अचानक बिगड़ गई थी। इसके बाद उन्हें पटना के पारस अस्पताल में ले जाया गया था। इसके बाद बाद डॉक्टरों की सलाह पर उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था। जानकारी के अनुसार, लालू प्रसाद अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं। वहीं, प्रदेश राजद अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने रविवार को दिल्ली एम्स जाकर लालू प्रसाद से मुलाकात की। श्री सिंह स्वयं अपना इलाज भी दिल्ली एम्स के चिकित्सकों की निगरानी में करा रहे हैं। समय-समय पर चिकित्सकों से जांच कराने एवं राय लेने दिल्ली एम्स जाते हैं।

भामाशाह की जयंती 29 को, तेजस्वी करेंगे उद्घाटन

पटना (नि. सं.)। प्रदेश राजद की ओर से दानवीर भामाशाह की जयंती समारोह का आयोजन 29 अप्रैल को प्रदेश कार्यालय में किया जाएगा। इस समारोह का उद्घाटन नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव करेंगे। सोमवार को प्रेस वार्ता में पार्टी के प्रधान महासचिव रणविजय साहू ने बताया कि समारोह में पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रेमचंद गुप्ता, विधान परिषद के पूर्व उपसभापति डॉ. रामचंद्र पूर्वे, पूर्व मंत्री समीर कुमार महासेठ, विधायक संजय प्रसाद गुप्ता, मंजू अग्रवाल, महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रीतू जायसवाल आदि नेता शामिल होंगे।

भारतमाला परियोजना के भू-अर्जन पर समीक्षा बैठक आयोजित

परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य में गति लाने के लिए दिए गए विभिन्न दिशा-निर्देश

- आयुक्त ने पुलिस बल की मदद से भूमि का भौतिक दखल 10 दिनों के अंदर 10 किलोमीटर तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

सोमवार को समाहरणालय के सभा कक्ष में आयुक्त मगध प्रमंडल गया, सफीना एएन की अध्यक्षता में भारतमाला परियोजना (वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे) के तहत भू-अर्जन से संबंधित एक समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में परियोजना के तहत अधिग्रहीत भूमि के मुआवजे की प्रक्रिया और अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं की समीक्षा की गई। बैठक में भारतमाला परियोजना के तहत वाराणसी-रांची-कोलकाता राजमार्ग के निर्माण को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। परियोजना निदेशक ने बताया कि इस राजमार्ग का निर्माण जिले के पचमों गांव से अनरबांसालिया गांव तक (किमी 116+000 से किमी 151+200, कुल लंबाई 35.2 किमी) किया जाएगा। यह मार्ग जिले के तीन अंचल – नबीनगर, कुटुंब और देव से होकर गुजरेगा।

इस परियोजना के लिए कुल 270.4283 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है, जिसमें से लगभग 204.1112 हेक्टेयर भूमि का भौतिक रूप से दखल लिया जा चुका है, जो लगभग 11 किलोमीटर का क्षेत्र है। परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण के कार्य में गति लाने के लिए विभिन्न दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान आयुक्त महोदय ने मुआवजे के भुगतान की प्रक्रिया पर भी विचार किया। परियोजना के लिए अधिग्रहीत भूमि का मुआवजा कुल 200.85 करोड़ रुपये में निर्धारित किया गया है, जिसमें से अब तक लगभग 40.10 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। शेष राशि का भुगतान तेजी से किया जाएगा और इस दिशा में कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, आयुक्त महोदय ने पुलिस बल का प्रयोग करने का निर्देश दिया ताकि परियोजना के लिए अधिग्रहीत भूमि का भौतिक दखल फसल कटने के बाद 10 दिनों के भीतर लिया जा सके। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि संबंधित अंचल अधिकारी किसानों से बातचीत करें और उन्हें परियोजना में आवश्यक सहयोग देने के लिए प्रेरित करें। बैठक में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, पुलिस अधीक्षक अम्बरीष राहुल, अपर समाहर्ता ललित भूषण रंजन, सदर डीसीएलआर श्वेतांक लाल, सभी संबंधित अंचलाधिकारी और अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान परियोजना की प्रगति और मुआवजे की प्रक्रिया पर गंभीरता से चर्चा की गई और यह सुनिश्चित किया गया कि परियोजना को किसी भी प्रकार की अड़चन का सामना न हो।

भारत माला परियोजना के इस महत्वाकांक्षी कार्य के तहत, जिले में परिवहन की स्थिति में सुधार होने की उम्मीद है, जिससे न केवल सड़क यातायात में सुगमता आएगी बल्कि स्थानीय लोगों को भी आर्थिक और सामाजिक दृष्टिकोण से लाभ होगा।

61 लीटर देशी महुआ शराब बरामद, अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि.सं.)। रफीगंज थाना क्षेत्र में शराबबंदी कानून के उल्लंघन पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 61 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की है। यह शराब रेलवे गुमटी के पास बोरा में बांधकर रखी गई थी, जिसे गुप्त सूचना के आधार पर रफीगंज पुलिस ने बरामद किया। थानाध्यक्ष शम्भू कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से बोरा में शराब छिपाकर रखी गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और विधिवत तलाशी के बाद शराब को जब्त कर थाना लाया गया। मामले को लेकर एएसआई मुक्तिदेव निराला के बयान पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि शराब किसने और किस उद्देश्य से वहां छिपाकर रखी थी। थाना क्षेत्र में इस तरह की अवैध गतिविधियों को लेकर लगातार निगरानी की जा रही है और आगे भी सघन जांच अभियान चलाया जाएगा।

औरंगाबाद की नई उप विकास आयुक्त बनीं आईएएस अनन्या सिंह

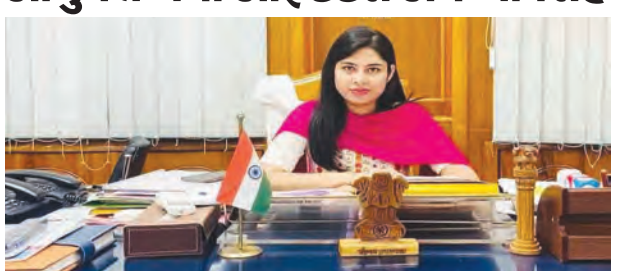

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की 2020 बैच की अधिकारी अनन्या सिंह को औरंगाबाद जिले का नया उप विकास आयुक्त (डीडीसी) नियुक्त किया गया है। राज्य सरकार द्वारा आज उनका पदस्थापन आदेश जारी कर दिया गया। अनन्या सिंह का पश्चिम बंगाल से बिहार कैडर में ट्रांसफर हुआ है। वे हाल ही में बिहार में योगदान देकर पोस्टिंग की प्रतीक्षा में थीं। अब उन्हें औरंगाबाद जैसे महत्वपूर्ण जिले में उप विकास आयुक्त के रूप में बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।

अनन्या सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की रहने वाली हैं। वे 2020 बैच की आईएएस अधिकारी हैं और उन्होंने पहले ही प्रयास में यूपीएससी परीक्षा पास कर 51वीं रैंक हासिल की थी। महज 22 साल की उम्र में उन्होंने यह मुकाम हासिल किया था, जो कई युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा प्रयागराज से की थी। दसवीं में 96% और बारहवीं में 98.25% अंक हासिल कर जिला टॉपर रहीं। उन्होंने सीआईएससीई बोर्ड से पढ़ाई की और फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) से इकोनॉमिक्स ऑनर्स में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। अनन्या सिंह की शादी 2019 बैच के बिहार कैडर के आईएएस अधिकारी कुमार अनुराग से हुई है। इसी आधार पर उन्होंने कैडर परिवर्तन का आवेदन दिया था, जिसे केंद्र सरकार ने स्वीकृति प्रदान की।

मादक पदार्थ तस्करी मामले में फरार आरोपी के घर चस्पा किया गया इश्तेहार

निज संवाददाता | देवकुंड (औरंगाबाद)

देवकुंड थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के एक कांड में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए उसके घर विधिवत् रूप से इश्तेहार चस्पा किया है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोपी के लगातार फरार रहने और न्यायालय के आदेश की अवहेलना करने के कारण यह कदम उठाया गया है। आरोपी को कई बार आत्मसमर्पण करने का मौका दिया गया था, लेकिन उसके गैरहाजिर रहने के कारण अब कानूनी प्रक्रिया के तहत कुर्की की तैयारी की जा रही है।

देवकुंड थाना द्वारा की गई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी के घर जाकर सार्वजनिक रूप से नोटिस (इश्तेहार) चस्पा किया और स्थानीय लोगों को भी सूचित किया कि यदि आरोपी निर्धारित समयावधि में न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो उसकी संपत्ति की कुर्की की जाएगी।

करंट की चपेट में आने से बस से जा रहे तीन बाराती घायल

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

औरंगाबाद जिले के रफीगंज प्रखंड अंतर्गत कासमा थाना क्षेत्र में रविवार की रात एक बारात कार्यक्रम उस समय हादसे में बदल गया जब बस में सवार तीन बाराती 11 हजार वोल्ट के हाई वोल्टेज तार की चपेट में आ गए। हादसे में तीनों युवक गंभीर रूप से झुलस गए, जिन्हें आनन-फानन में रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। घटना मियां बिगहा मोड़ के पास की है, जहां रफीगंज की ओर से बारात लेकर जा रही बस में कुछ युवक ऊपर बैठकर यात्रा कर रहे थे। बस जैसे ही मियां बिगहा मोड़ पहुंची, ऊपर बैठे युवक वहां गुजर रहे 11000 वोल्टेज के बिजली तार की चपेट में आ गए। बिजली के झटके से चीख-पुकार मच गई और बस रोक दी गई। घायल युवकों की पहचान रफीगंज निवासी अक्षय प्रजापत के 15 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार, बटुरी गांव निवासी किशन प्रजापत के 20 वर्षीय पुत्र प्रमोद प्रजापत तथा विनोद प्रजापति के 15 वर्षीय पुत्र रोशन कुमार के रूप में की गई है। सूचना मिलते ही 112 की पुलिस मौके पर पहुंची और तीनों घायल युवकों को तत्काल रफीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। कासमा थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि तीनों युवक अब खतरे से बाहर हैं और उनका प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस क्षेत्र में कई जगहों पर हाई वोल्टेज बिजली के तार सड़कों के बेहद करीब से गुजरते हैं, जिससे इस प्रकार की घटनाएं होती हैं। लोगों ने प्रशासन से इस ओर गंभीरता से ध्यान देने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

बच्चों के स्वास्थ्य की हुई निःशुल्क जांच गंभीर मामलों को किया गया रेफर

- जांच में आंख, नाक, कान, गला, दांत, हृदय सहित अन्य बीमारियों की बारीकी से जांच की गई।
- बच्चों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेकर एक विशेष फॉर्म भरवाया गया।
- विटामिन-ए, बी, सी और मिनरल्स की कमी, रतौंधी जैसी बीमारियों को चिन्हित किया गया।

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा प्रखंड के बाला बिगहा मध्य विद्यालय में सोमवार को राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कक्षा 1 से 8 तक के छात्र-छात्राओं का निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में डॉक्टर चंदन कुमार की देखरेख में बच्चों की आंख, नाक, कान, गला, दांत, हृदय सहित अन्य बीमारियों की गहन जांच की गई। डॉक्टर ने बच्चों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेकर एक फॉर्म भी भरवाया जिसमें विटामिन-ए, बी, सी और मिनरल्स की कमी, रतौंधी जैसी समस्याओं को विशेष रूप से चिह्नित किया गया। जिन बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी कोई विशेष परेशानी पाई गई, उन्हें रेफर कर हसपुरा के सरकारी अस्पताल में दिखाने की सलाह दी गई, ताकि उन्हें समय रहते उचित इलाज मिल सके। विद्यालय के प्रधानाध्यापक शमशेर आलम ने इस पहल को सरकार की सराहनीय योजना बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह की जांच से बच्चों के बीच छिपी बीमारियों को समय रहते पहचानकर उनका इलाज संभव हो पाता है। इस मौके पर नोडल शिक्षक महेंद्र राम, फर्मासिस्ट दिनेश कुमार कुशवाहा और एएनएम वीणा कुमारी ने विशेष सहयोग किया। इन सभी की सक्रिय भूमिका से शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हनुमत कृपा उत्सव का शुभारंभ, गुंबज आरोहण के साथ शुरू हुआ पहला दिन

निज संवाददाता | जम्होर (औरंगाबाद)

औरंगाबाद सदर प्रखंड अंतर्गत जम्होर में तीन दिवसीय हनुमत कृपा उत्सव का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन जम्होर के मुख्य बाजार स्थित दुर्गा मैदान रोड के पास स्थित सैकड़ों वर्ष प्राचीन हनुमान मंदिर के प्रांगण में गुंबज आरोहण विधि-विधान से संपन्न हुआ। आचार्यों के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार और षोडशोपचार विधि से हनुमान जी की पूजा-अर्चना की गई। कार्यक्रम संयोजक रौशन अग्रवाल ने बताया कि यह उत्सव तीन दिनों तक चलेगा। पहले दिन शुभ मुहूर्त में हनुमान जी के मंदिर पर नव निर्मित गुंबज को प्रतिष्ठापित किया गया। दूसरे दिन 24 घंटे का अखंड हरि कीर्तन आयोजित किया जाएगा। वहीं तीसरे और अंतिम दिन 23 अप्रैल को हनुमत चर्चा और भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा। जम्होर विकास मंच के संयोजक सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि जम्होर ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टिकोण से काफी महत्वपूर्ण गांव है। विष्णुधाम से लेकर गांव के अंतिम छोर तक करीब 51 मंदिरों की श्रृंखला है। उन्हीं में से एक प्रमुख मंदिर मुख्य बाजार स्थित यह हनुमान मंदिर है, जिसकी स्थापना कई शताब्दियों पूर्व हुई थी।

बताया गया कि जम्होर की स्थापना के समय मारवाड़ी अग्रवाल समाज के लोगों ने इस मंदिर की स्थापना कराई थी। इस मंदिर में विराजमान हनुमान जी का मुख शक्ति स्वरूपा मां दुर्गा की प्रतिमा के आमने-सामने स्थित है, जिसे बहुत ही शुभ और जागृत मंदिर के रूप में माना जाता है। शास्त्रों में कहा गया है कि इस प्रकार के मंदिर विशेष फल देने वाले होते हैं, जहां पूजा करने से भक्तों की मनोकामनाएं शीघ्र पूरी होती हैं। पूरे कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रेमचंद पांडेय ने आचार्य के रूप में विशेष भूमिका निभाई। वहीं आयोजन को सफल बनाने में सोनू अग्रवाल, विक्की अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, शंकर अग्रवाल, कॉलेज अग्रवाल, पंचायत समिति सदस्य अनिल अग्रवाल, उमेश प्रसाद महाजन आदि का सहयोग सराहनीय रहा। श्रद्धा और भक्ति से ओतप्रोत यह उत्सव पूरे जम्होर क्षेत्र को एक बार फिर धार्मिक ऊर्जा और उल्लास से भर रहा है। आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या में उपस्थिति की उम्मीद जताई जा

दो कार की जोरदार टक्कर से छह घायल

निज संवाददाता | पटना

पटना के मोकामा-बेगूसराय मार्ग पर ऑटो गोलंबर के पास एक गंभीर सड़क हादसा हुआ है। दो कारों की आमने-सामने की टक्कर में 6 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में तीन महिलाएं, एक बच्ची और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे के समय एक कार पटना से बेगूसराय की ओर जा रही थी। दूसरी कार बेगूसराय से पटना की तरफ आ रही थी। दोनों तेज रफ्तार कारों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। पहली कार में दो महिलाएं और एक बच्ची सवार थी, जबकि दूसरी कार में दो पुरुष यात्रा कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना हाथीदह थाने को दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को मोकामा सदर अस्पताल पहुंचाया। हाथीदह थाना प्रभारी के अनुसार, सभी घायलों का इलाज मोकामा अस्पताल में जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसे के बाद मुख्य मार्ग पर कुछ घंटों तक यातायात प्रभावित रहा।

23 अप्रैल को वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव व जयंती का आयोजन

निज संवाददाता | देव

23 अप्रैल को देव के भास्कर रिसॉर्ट में वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव एवं जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इसके लिए वीर कुंवर सिंह सेवा संस्थान द्वारा विशेष बैठक कर तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। संस्थान के अध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्घाटन, विचार गोष्ठी, स्वतंत्रता सेनानियों व शहीद परिजनों का सम्मान और सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। सफल प्रतिभागियों को सम्मानित किया जाएगा। 1857 के महानायक वीर कुंवर सिंह को श्रद्धांजलि देने और उनकी वीरता से नई पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से यह आयोजन किया जा रहा है। संस्था के सदस्य कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी तन्मयता से जुटे हैं।

29 अप्रैल को होगी प्रखंड कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक

रफीगंज (औरंगाबाद)(नि. सं.)। रफीगंज प्रखंड में विकास योजनाओं की समीक्षा और उसके बेहतर क्रियान्वयन को लेकर 29 अप्रैल को प्रखंड कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की सामान्य बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। समिति के अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा के नेतृत्व में प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सचिव को पत्र सौंपकर बैठक बुलाने की मांग की गई थी।